राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 ट्रंप प्रशासन बाद करेगा मेडिकेयर दवा ससिडी योजना, 2027.... | जसप्रीत बुमराह के फिटनेस टेस्ट के नतीजे आए सामने.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 99 | नई दिल्ली, शनिवार, 01 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 38.0°C

न्यूनतम तापमान 26.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	60%
नहीं	30%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,42,780
चांदी	2,35,000
सेंसेक्स	78,094.64
निफ्टी	24,383.60

विद्या वाहिनी योजना की शुरूआत, दिल्ली की 3,000 छात्राओं को मिली साइकिलें

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने छात्राओं की शिक्षा को बढ़ावा देने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 'विद्या वाहिनी योजना' के तहत 3,000 छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में योजना का शुभारंभ किया गया। सरकार के अनुसार, यह पहल बेटियों की शिक्षा, आत्मविश्वास और सशक्त भविष्य को मजबूत आधार देने के उद्देश्य से शुरू की गई है। योजना

का लक्ष्य सरकारी विद्यालयों की कक्षा 9 में अध्ययनरत 1.40 लाख से अधिक छात्राओं तक इसका लाभ पहुंचाना है, ताकि दूरी या संसाधनों की कमी किसी भी बेटी की शिक्षा में बाधा न बने। कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, विधायक रवि नेगी, रविकांत सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सरकार ने कहा कि शिक्षा और महिला सशक्तिकरण उसकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं और इस तरह की जनकल्याणकारी योजनाएं विकसित दिल्ली और विकसित भारत के संकल्प को मजबूती प्रदान करेंगी।

पेपर लीक पर पीएम मोदी का संदेश

पेपर माफियाओं को नहीं जाएगा बख्शा

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों में ह्यपब्लिक एग्जामिनेशन (गलत तरीकों की रोकथाम) अमेंडमेंट बिल, 2026 के पास होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे एक भरोसेमंद और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है।

परीक्षा व्यवस्था में सुधार और सख्ती

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर जारी अपने संदेश में कहा कि देश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले पेपर माफियाओं और गिरोहों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि परीक्षा प्रणाली

को पूरी तरह सुरक्षित बनाने के लिए आधुनिक तकनीक का भरपूर इस्तेमाल किया जा रहा है।

बिल के मुख्य प्रावधान और आगे की प्रक्रिया

यह नया कानून परीक्षा में होने वाली गड़बड़ियों और पेपर लीक को रोकने के लिए कड़े दंड, समयबद्ध जांच और विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट का प्रावधान करता है। संसद की मंजूरी मिलने के बाद अब इस महत्वपूर्ण विधेयक को अंतिम स्वीकृति के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा।

मेटा को भेजा गया नोटिस

जांच अधिकारी ने बताया कि शिकायतों में बताए गए आपत्तिजनक लिंक के संबंध में मेटा को नोटिस भेजा गया है। पुलिस आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जरूरी जानकारी जुटा रही है। FIR से पहले मेटा के अधिकारियों को समन भेजकर AI जनरेटेड स्कैम, फर्जी विज्ञापनों और मॉर्फ्ड कंटेंट की पहचान तथा उसे हटाने की व्यवस्था पर जवाब मांगा गया था। FIR के बाद कंपनी के प्रतिनिधि जांच में शामिल हुए और कंटेंट मॉडरेशन व कंप्लायंस सिस्टम की जानकारी दी। हालांकि, मेटा ने इस मामले पर सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया है।

अनुराग ठाकुर का विपक्ष पर हमला, बोले- सेना का अपमान करने में कांग्रेस सबसे आगे

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को विपक्षी दलों पर सेना का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि जब कभी देश की सेना का अपमान करने की बात आती है, तो कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल पीछे नहीं रहते हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी लोगों ने देखा है कि कैसे इन लोगों ने एयरस्ट्राइक, सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे सैन्य अभियानों पर सवाल खड़े किए। कैसे ये लोग विदेशी भाषा का इस्तेमाल करते हैं। आज हम देख सकते हैं कि कैसे इनके नेता सदन में झूठ बोलते हैं। झूठे आरोप लगाते हैं। यह सब नियमों के विरुद्ध है। इसलिए हमने नोटिस जारी किया है। रूल 2 और रूल 3 का हवाला देते हुए मैंने खुद नोटिस दिया है। यह दुर्भाग्य की बात है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर झूठे आरोप लगाते हैं। प्रियंका गांधी मीडिया को पालतू कह देती हैं। बाहर आकर राहुल गांधी मीडिया को भाजपा वालों का बताते हैं और पुलिस पर भी सवाल खड़ा करने से गुरेज नहीं करते हैं। यह परिवार पूरी तरह से अहंकार में डूबा हुआ है। अनुराग ठाकुर ने बताया कि 12 साल तक सत्ता से बाहर रहने के बाद ये लोग कभी संवैधानिक संस्था पर सवाल खड़ा करने पर आमादा हो जाते हैं, तो कभी लोकसभा स्पीकर पर। इतना ही नहीं सदन में अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करते हुए इडियट जैसे शब्दों का इस्तेमाल होता है। इस तरह की कार्यपद्धति से यह साफ जाहिर हो रहा है कि अहंकार में गांधी परिवार डूबा हुआ है, जिसकी भारी कीमत कांग्रेस को चुकानी पड़ी है। समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने राम मंदिर चढ़ावा विवाद मामले को लेकर केंद्र सरकार को घेरा। हमारा एकमात्र मकसद यही है कि हम राम मंदिर चढ़ावा विवाद को देश की जनता तक पहुंचाने का काम करें। हम उन्हें बताएं कि कैसे भाजपा ने भगवान राम के चढ़ावे में घपला किया है और हम इस विषय को जनता तक हर सूरत में पहुंचाकर रहेंगे।

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री शनिवार को आंध्र प्रदेश और कर्नाटक का करेंगे दौरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 01 अगस्त को आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वह आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले के भोगापुरम में 17,900 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इसके बाद वह कर्नाटक के मैसूर में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र ह्यविवेक स्मारकह्न का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री सुबह करीब 11 बजे भोगापुरम स्थित अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के यात्री टर्मिनल का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वह लगभग 11:30 बजे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत 5,640 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित इस ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे और भोगपुरम में 17,900 करोड़ रुपये से अधिक की अनेक विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस अवसर पर वे सभा को संबोधित भी करेंगे। 60 लाख यात्रियों की वार्षिक क्षमता वाले इस हवाई अड्डे में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), बायोमेट्रिक यात्री प्रसंस्करण, स्वचालित बैगेज प्रणाली और एयरपोर्ट प्रेडिक्टिव ऑपरेशंस सेंटर जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। इसका स्थापत्य आंध्र प्रदेश की पारंपरिक ह्यचुट्टिलुह्न झोपड़ियों, अराकू घाटी और उड़ने वाली मछली से प्रेरित है। प्रधानमंत्री विशाखापत्तनम में 460 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली आंध्र प्रदेश की पहली सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाई की आधारशिला भी रखेंगे। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत स्वीकृत यह परियोजना एएसआईपी टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और दक्षिण कोरिया की एपीएसीटी के सहयोग से विकसित की जा रही है।

हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही सोमवार तक स्थगित

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में शुक्रवार को विपक्षी दलों के सदस्यों ने प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई और राम मंदिर के चढ़ावा चोरी मामले को लेकर हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। छात्रों पर हुई पुलिस की कार्रवाई को लेकर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर है। लोकसभा और राज्यसभा में शुक्रवार को भी सत्तापक्ष-विपक्ष में टकराव की स्थिति बनी रही। विपक्ष के हंगामे के चलते राज्यसभा के बाद लोकसभा की कार्यवाही भी 3 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिनभर के स्थगित कर दी गई है। इससे पहले लोकसभा में आज भी विपक्षी सांसदों का हंगामा जारी रहा। इस वजह से सदन की कार्यवाही शुरू होते ही 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने के बाद हंगामे के बीच लोकसभा ने जन्म और मृत्यु के पंजीकरण संबंधी कानून में संशोधन करने के प्रावधान वाले विधेयक को बिना चर्चा के पारित कर दिया गया।

मॉनसून सत्र का 10वां दिन: भारी हंगामे के बीच विपक्षी दलों के विरोध के चलते राज्यसभा की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दसवें दिन आज शुक्रवार को भी सदन में गहमागहमी का माहौल देखने को मिला। विपक्षी सांसदों द्वारा लगातार किए जा रहे जोरदार हंगामे और विरोध प्रदर्शन के कारण राज्यसभा की कार्यवाही को आगामी सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

लोकसभा में पेश हुआ महत्वपूर्ण बिल

संसद के दोनों सदनों में जहां एक तरफ गतिरोध बना हुआ है, वहीं दूसरी तरफ विधाई कार्यों को आगे बढ़ाने की कोशिशें जारी हैं। आज लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के बाद सदन में विचार और पारित कराने के लिए ह्यजन्म और मृत्यु का रजिस्ट्रेशन (अमेंडमेंट) बिल, 2026ह्न पेश किया गया।

रजिस्ट्रेशन नियमों में किए गए बदलाव

पेश किए गए इस नए संशोधन विधेयक के तहत जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1969 में कई अहम बदलाव प्रस्तावित किए गए हैं। इसके अंतर्गत यदि किसी घटना की रिपोर्ट तय समय के एक साल बाद लेकिन दो साल के भीतर दी जाती है, तो उसे सक्षम मजिस्ट्रेट की विशेष स्वीकृति के बाद ही दर्ज किया जाएगा।

प्रदर्शन के दौरान संसद परिसर में पुजारी बने पप्पु यादव

नई दिल्ली। संसद में मानसून सत्र के 12वें दिन शुक्रवार को विपक्षी दलों के सांसदों ने अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की रकम में हुई कथित अनियमितताओं को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान सांसद पप्पु यादव अनोखे अंदाज में पुजारी बनकर बैठ गए। प्रदर्शन के दौरान निर्दलीय सांसद पप्पू यादव भगवा वस्त्र धारण कर पुजारी के रूप में जमीन पर कुछ दानपेटी लेकर बैठ गए। इस दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित अन्य विपक्षी सांसदों ने उस दान पेटी में सांकेतिक रूप से चंदा डाला। पप्पू यादव के ठीक पीछे खड़े सांसदों के हाथों में पोस्टर थे, जिन पर गृह मंत्री की अनुपस्थिति को लेकर 'अमित शाह संसद से गायब क्यों' जैसे सवाल लिखे हुए थे। उल्लेखनीय है कि मानसून सत्र के पहले दिन से ही (12 दिनों से लगातार) विभिन्न मुद्दों को लेकर जारी हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल सकी है। विपक्षी पार्टियां सामाजिक मुद्दों, छात्रों के विरोध और धार्मिक स्थलों के प्रबंधन में पारदर्शिता जैसे विषयों को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने निजी कारणों से दिया पार्टी से इस्तीफा, सोशल मीडिया पर बदला अपना बायो

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने अपने पद और पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। टेलीविजन डिबेट्स में अपनी मुखर शैली के लिए जाने जाने वाले पूनावाला के इस अचानक आए फैसले से राजनीतिक गलियारों में चचाएं तेज हो गई हैं।

सोशल मीडिया पर बदला बायो

इस्तीफे के बाद शहजाद पूनावाला ने अपने आधिकारिक एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर अपना बायो पूरी तरह से बदल दिया है। नए बायो में उन्होंने खुद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आजीवन अनुयाई बताया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वह भाजपा के विरोधी खेमे में नहीं जाएंगे।

राजनीतिक सफर और आगे की दिशा

साल 2017 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए पूनावाला ने पार्टी की नीतियों को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया था। हालांकि अभी तक पार्टी या उनकी तरफ से इस्तीफे की कोई आधिकारिक वजह नहीं बताई गई है, लेकिन माना जा रहा है कि वह कुछ समय राजनीति से दूरी बना सकते हैं।

रेलवे भर्ती में देनी होगी बीमारी की पूरी जानकारी तथ्य छिपाने पर नौकरी हो सकती है रद्द

नई दिल्ली। रेलवे में नौकरी पाने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए भर्ती प्रक्रिया के नियम और सख्त कर दिए गए हैं। अब प्रत्येक अभ्यर्थी को चिकित्सकीय परीक्षण से पहले अपने स्वास्थ्य से जुड़ी पूरी जानकारी शपथपूर्वक देनी होगी। रेलवे बोर्ड ने भारतीय रेलवे चिकित्सकीय नियमावली के तहत स्व-घोषणा पत्र का नया प्रारूप लागू कर दिया है, जो अब सभी आगामी भर्तियों में अनिवार्य होगा। रेलवे बोर्ड ने यह निर्णय भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से लिया है। संशोधित व्यवस्था में सहायक लोको पायलट भर्ती तथा दृष्टि सुधार के लिए कराई जाने वाली लेजर नेत्र शल्यक्रिया से जुड़े प्रावधान भी शामिल किए गए हैं। नई व्यवस्था के तहत अभ्यर्थियों को यह बताना होगा कि क्या वे कभी हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी, दमा, क्षय रोग, मिर्गी, मानसिक रोग अथवा किसी अन्य गंभीर बीमारी से पीड़ित रहे हैं। उन्हें यह भी बताना होगा कि क्या वे लंबे समय तक किसी बीमारी का उपचार कराते रहे हैं, कभी अस्पताल में भर्ती हुए हैं, सिर में गंभीर चोट लगी है या आंखों की कोई शल्यक्रिया कराई है।इसके अलावा अभ्यर्थियों को यह भी घोषित करना होगा कि क्या वे मधुमेह, उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों का उपचार करा रहे हैं, उन्हें हकलाने या बोलने में किसी प्रकार की समस्या है, वे मादक पदार्थों या शराब का सेवन करते हैं अथवा उन्हें पहले किसी सरकारी नौकरी में चिकित्सकीय आधार पर अयोग्य घोषित किया गया है। स्व-घोषणा पत्र में अभ्यर्थी को यह प्रमाणित करना होगा कि उसके द्वारा दी गई सभी जानकारियां सत्य और पूर्ण हैं। साथ ही यह भी घोषित करना होगा कि उसने किसी बीमारी के आधार पर दिव्यांगता प्रमाण-पत्र या पेंशन का लाभ प्राप्त नहीं किया है।

संसद की पवित्रता खत्म कर रहे हैं भेष बदलकर आने वाले सांसद: बिरला

प्रात: किरण, एजेंसी

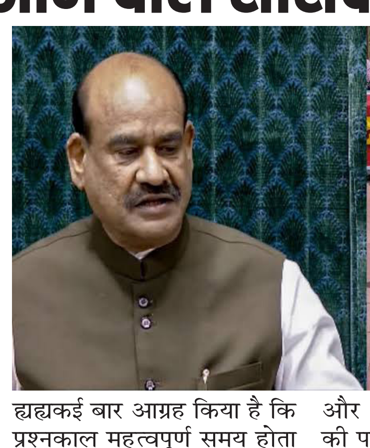

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को भेष बदलकर संसद में आने वाले कुछ सांसदों को चेतावनी दी और कहा कि वे संसद की पवित्रता और मयार्दा को खत्म कर रहे हैं। उन्होंने यह चेतावनी उस वक्त दी जब निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव राम मंदिर से चढ़ावे की कथित चोरी के मुद्दे को लेकर विरोध जताते हुए ह्यपुजारीह्न की वेशभूषा में पहुंचे थे। सदन की बैठक शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों ने दिल्ली में प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई के मुद्दे पर आसन के निकट पहुंचकर गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करते हुए नारे लगाए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों से अपने स्थान पर जाने और प्रश्नकाल चलने देने की अपील की। उन्होंने कहा, ह्यह्यकई बार आग्रह किया है कि प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय होता है, यह सदस्यों का समय है। आप प्रश्नकाल के अंदर नियोजित तरीके से गतिरोध पैदा मत करिये। आप सदन को चलने दें।ह्न उन्होंने कहा, आज प्रियंका (गांधी) जी का भी प्रश्न होना है और वह प्रश्न पूछने के लिए खड़ी हैं लेकिन आप लोग सदन की कार्यवाही बाधित कर रहे हैं। बिरला का कहना था कि सदन के अंदर तख्तियां और बैनर लेकर आना संसद की परंपराओं और मयार्दाओं के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा, कुछ माननीय सदस्य जिस तरह भेष बदल-बदलकर आते हैं, उन्हें मेरी चेतावनी है। कई सदस्यों ने मुझसे मिलकर और मुझे लिखकर कहा है कि संसद भवन और संसद परिसर की पवित्रता और मयार्दा बनी रहनी चाहिए। आप संसद की पवित्रता और गरिमा को समाप्त कर रहे हैं।

पेपर लीक कानून पर सरकार का संदेश, विपक्ष से संसद चलाने में सहयोग की अपील

नई दिल्ली। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने संसद से 'पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल, 2026' पारित होने के बाद आज अपने आवास पर मीडिया के माध्यम से कहा कि परीक्षा पेपर लीक जैसी गंभीर समस्या से निपटने के लिए लाया गया यह विधेयक अधिकांश सांसदों के समर्थन से पास हुआ है। उन्होंने कहा कि इस कानून का वास्तविक रूप से किसी ने विरोध नहीं किया और जो भी असहमति दिखाई दी, वह राजनीतिक कारणों से थी। रिजिजू ने कहा कि शिक्षा और विशेष रूप से परीक्षा पेपर लीक के मुद्दे पर सभी दल गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता इस कानून को जल्द से जल्द लागू कर छात्रों के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

भारतीय मछुआरों की सुरक्षा के लिए 1 लाख जहाजों में लगेंगे इसरो के ट्रांसपोंडर, 364 करोड़ की योजना को मंजूरी

नई दिल्ली। समुद्र में मछली पकड़ने वाले भारतीय नौकाओं की सुरक्षा और निगरानी को पुख्ता करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया गया है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत देश के एक लाख जहाजों में इसरो के ट्रांसपोंडर लगाए जाएंगे। 364 करोड़ रुपये की बड़ी योजना केंद्रीय मत्स्य पालन विभाग ने इस महत्वकांक्षी परियोजना के लिए 364 करोड़ रुपये के नेशनल रोल-आउट प्लान को मंजूरी दे दी है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य खराब मौसम में मछुआरों की सटीक लोकेशन ट्रैक करना और उन्हें पड़ोसी देशों की सीमा में जाने से रोकना है। नभमित्र ऐप और आधुनिक सुविधाएं इस प्रोजेक्ट के तहत मछुआरों को मुफ्त ट्रांसपोंडर और क्षेत्रीय भाषाओं में ह्यनभमित्रह्न एप्लीकेशन की सुविधा मिलेगी। यह ऐप आपातकालीन स्थिति में एसओएस अलर्ट, चक्रवात की चेतावनी और जियो-फेंसिंग आधारित बाउंड्री क्रॉसिंग अलर्ट जैसी आधुनिक सुविधाएं प्रदान करेगा।

मरम्मत का काम चलते वक्त हादसा; 4-5 लोगों के फंसे होने की आशंका

महाराष्ट्र के भिवंडी में 4 मंजिला बिल्डिंग ढही, 9 मौतें

प्रात: किरण, एजेंसी

महाराष्ट्र । के भिवंडी में गुरुवार रात करीब 11:30 बजे एक चार मंजिला इमारत ढह गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है। 4 से 5 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। राहत और बचाव अभी भी जारी है। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि बिल्डिंग में 48 कमरे थे। हर मंजिल पर 12 कमरे बने हुए थे। निगम ने बिल्डिंग को पहले ही

खतरनाक घोषित कर दिया था, जिस समय यह हादसा हुआ, उस वक्त मरम्मत का काम चल रहा था।

अफसर ने बताया- रात में ही इमारत में दरारें आ गई थीं

एक अधिकारी ने इस बिल्डिंग में रह रहे लोगों के हवाले से बताया कि गुरुवार रात करीब 9 बजे इमारत में जोरदार चटकने की आवाजें सुनी गईं। कुछ लोगों ने दरारें भी देखीं। इसके बाद स्थानीय लोगों ने परिवारों को दूसरी जगह शिफ्ट करना शुरू कर दिया, तभी इमारत का एक हिस्सा ढह गया। घटनास्थल पर नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (NDRF), ठाणे रिस्पॉन्स फोर्स (TDRF) और फायर ब्रिगेड की टीमों ने रेस्क्यू किया। भिवंडी के इंदिरा गांधी अस्पताल के कैजुअल्टी ऑफिसर डॉ. आकाश शुक्ला ने बताया कि रात में दो पुरुष और एक महिला को अस्पताल लाया गया। तीनों को मामूली चोटें आई हैं। कलेक्टर श्रीकृष्ण पांचाल ने बताया कि बिल्डिंग में मरम्मत का काम शुरू किया गया था, लेकिन इसके लिए नगर निगम से अनुमति नहीं ली गई थी।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शनिवार, 01 अगस्त, 2026

संक्षिप्त समाचार

उपनल से विदेशों में नौकरी का सपना जल्द होगा पूरा

देहरादून, एजेंसी। उपनल के माध्यम से जल्द ही विदेश में नौकरी करने का सपना पूरा होगा। विभाग ने करीब दो महीने पहले विदेश विभाग से कार्मिकों को विदेश में नियुक्त करने के लिए आवश्यक अनुमति मांगी थी। यह प्रक्रिया जल्द ही पूरी होने की उम्मीद है। इसके बाद उपनल के माध्यम से विदेशों में नौकरी करने की संभावनाओं के द्वार खुल जाएंगे। उपनल ने पहले ही उत्तराखंड के अलावा अन्य राज्यों और केंद्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों में कर्मचारियों को भेजने का काम शुरू कर दिया है। उपनल की सेवा लेने वालों में एम्स, गेल, आईओएल, ओएनजीसी, विद्युत संचार क्षेत्र में काम कर रही कंपनियां और कई अन्य संस्थान शामिल हैं। संस्थान इस सूची में कई अन्य संस्थाओं को शामिल करने के लिए लगातार बातचीत कर रहा है। संस्थान पूर्व सैनिकों या उनके आश्रितों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए काम करता है। इस समय संस्थान से रजिस्टर हुए सभी लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है। संस्थान भविष्य में आने वाले योग्य उम्मीदवारों को बेहतर रोजगार दिलाने के लिए अवसरों की तलाश कर रहा है। उत्तराखंड सरकार के सचिव युगल किशोर पंत ने कहा कि हमें उम्मीद है कि उपनल को जल्द ही केंद्र सरकार से विदेशों में कार्मिकों को भेजने की अनुमति मिल जाएगी। इसके बाद योग्य अभ्यर्थियों को विदेशों में नौकरी करने का अवसर दिया जाएगा।

खराब मौसम : पर्यटकों के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में जाने पर रोक

देहरादून, एजेंसी। देहरादून। प्रदेश में खराब मौसम को देखते हुए पर्यटकों के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में जाने पर रोक लगा दी गई है। वहीं, विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए स्कूलों में सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की ओर से जिलाधिकारियों को जारी निर्देश में कहा गया है कि 31 जुलाई को भारी बारिश की संभावना है। इसे देखते हुए देहरादून, उत्तरकाशी, टिहरी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में कुछ स्थानों पर बारिश से जलभराव और बाढ़ की संभावना जताई गई है। सुरक्षा बनाए रखने के लिए आवागमन में नियंत्रण रखा जाए, आपदा प्रबंधन आईआरएस प्रणाली के नामित सभी अधिकारी हाई अलर्ट में रहेंगे। इसके अलावा भूस्खलन के लिए संवेदनशील मार्गों पर पहले से उपकरणों की उचित व्यवस्था करना सुनिश्चित करें।

बिजली की झूलती तारों से हादसा, यूपीसीएल एमडी के खिलाफ प्राथमिकी

देहरादून, एजेंसी। करीब तीन वर्ष पहले 33 केवी हाई वोल्टेज बिजली लाइन की चपेट में आकर दोनों हाथ गंवाने वाले वाहन चालक पिंकू लाल ने उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीसीएल) के अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया। अदालत के आदेश पर पटेलनगर पुलिस ने यूपीसीएल के प्रबंध निदेशक (एमडी) के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। रुद्रप्रयाग निवासी पिंकू लाल ने एसीजेएम प्रथम, देहरादून की अदालत में प्रार्थना पत्र दाखिल कर बताया कि 23 अक्तूबर 2023 को वह वाहन से सामान लेकर रिस्पना से करगी चौक की ओर जा रहे थे। इंडिया फैब्रिकेशन इंटीरियर के पास सामान उतारने के दौरान 33 केवी हाई वोल्टेज लाइन की चपेट में आ गए। हादसे में वह गंभीर रूप से झुलस गए। गंभीर स्थिति के चलते चिकित्सकों को उनके दोनों हाथ काटने पड़े। प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि घटना स्थल पर 33 केवी लाइन सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं थी और यूपीसीएल की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। पीड़ित का कहना है कि लंबे इलाज, कई सर्जरी और पुनर्वास प्रक्रिया के कारण वह तत्काल पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं करा सके। पटेलनगर थाना प्रभारी विनोद गुसाईं ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

प्रदेश के 200 स्कूलों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को जारी रखने के निर्देश

देहरादून, एजेंसी। प्रदेश के 200 सरकारी स्कूलों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम जारी रहेगा। शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत ने शासकीय आवास पर हुई शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में इसे जारी रखने के निर्देश दिए। बैठक में मंत्री ने समग्र शिक्षा का बजट खर्च न होने पर अधिकारियों को फटकार लगाई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि, सूचना प्रौद्योगिकी और पर्यटन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। राज्य में इसके लिए अनुबंधित कंपनी का करार खत्म होने पर एक अप्रैल से 200 स्कूलों में यह पाठ्यक्रम प्रभावित हो गया था। विभागीय मंत्री ने निर्देश दिए हैं कि इसके लिए नई संस्था के चयन तक पूर्व की संस्था से ही कार्य लिया जाएगा। ताकि बोर्ड परीक्षा से संबंधित पाठ्यक्रमों की पढ़ाई निरंतर चलती रहे। बैठक में मंत्री ने समग्र शिक्षा के तहत स्वीकृत बजट खर्चने में देरी पर कहा कि बजट व्यय में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री ने शिक्षकों की पदोन्नति और स्थानांतरण प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि आगामी आठ और नौ अगस्त को देहरादून में दो दिवसीय कार्यशाला होगी। इसमें सभी जनपदों के मुख्य शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी और डायट के प्राचार्य भाग लेंगे। कार्यशाला में प्रत्येक जनपद समग्र शिक्षा के तहत किए गए नवाचारों का प्रस्तुतीकरण देगा।

उत्तराखंड में आसमानी आफत, प्रदेश के 8 जिलों में बाढ़ का खतरा, 104 सड़कें बाधित

देहरादून, एजेंसी। आईएमडी ने देहरादून समेत आठ जिलों में कम से मध्यम स्तर के फ्लैश फ्लड (बाढ़ का खतरा) का पूर्वानुमान जताया. राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने जिलाधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं. बीते दिनों से लगातार हो रही बारिश से कई जिलों में नदियों का जलस्तर बढ़ा है और प्रदेश में 104 सड़कें बंद हैं. अगले सात दिन तक बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है.

उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग ने राज्य के आठ जिलों में फ्लैश फ्लड का खतरा जताया है. मौसम विभाग के पूर्वानुमान के बाद राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने देहरादून, उत्तरकाशी, टिहरी, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ के जिलाधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश जारी किए हैं. चेतावनी में कहा गया है कि 31 जुलाई के दौरान इन जिलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और निचले इलाकों में भारी बारिश के कारण जलभराव और अचानक बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है.

एसईओसी ने सभी जिलाधिकारियों से कहा है कि आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारी और विभागीय नोडल अधिकारी हाई अलर्ट पर रहें. किसी भी दुर्घटना या आपदा की सूचना पर तत्काल कार्रवाई की जाए. पीडब्ल्यूडी, पीएमजीएसवाई, बीआरओ और अन्य एजेंसियों को सड़कें बाधित होने पर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर खोलने के निर्देश दिए गए हैं. साथ ही पुलिस, राजस्व, ग्राम विकास और पंचायत स्तर के अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में मौजूद रहने तथा मोबाइल फोन चालू रखने को कहा गया है.राज्य सरकार ने जिलों को यह भी निर्देश दिए हैं कि यदि कहीं लोग फंसते हैं तो उनके लिए भोजन, पेयजल और चिकित्सा सुविधाओं की तत्काल व्यवस्था की जाए.

स्कूलों में विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, भूस्खलन संभावित मार्गों पर पहले से मशीनें तैनात रखने और आवश्यकता पड़ने पर उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पर्यटकों की आवाजाही सीमित करने के लिए भी कहा गया है. जिला सूचना अधिकारियों को चेतावनी का व्यापक प्रचार-प्रसार कर लोगों से नदी-नालों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने की अपील करने के निर्देश दिए गए हैं. उधर, राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की गुरुवार शाम 6:30 बजे जारी रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में इस समय 104 सड़कें बंद हैं. इनमें एक राष्ट्रीय राजमार्ग, दो बीआरओ सड़कें, एक एमडीआर, 17 पीडब्ल्यूडी सड़कें और 84 पीएमजीएसवाई एवं ग्रामीण सड़कें शामिल हैं. सबसे अधिक 23 सड़कें चमोली, 19 पिथौरागढ़, 17 रुद्रप्रयाग, 12 टिहरी, 7-7 पौड़ी और बागेश्वर तथा 6 सड़कें देहरादून में बंद हैं. रिपोर्ट के मुताबिक रुद्रप्रयाग जिले में गौरीकुंड के पास केदारनाथ पैदल मार्ग पर मलबा और पत्थर गिरने से मार्ग बाधित हुआ, जिसके चलते यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोका गया. वहीं उत्तरकाशी में जानकीचट्टी के पास यमुनोत्री पैदल मार्ग पर नदी का जलस्तर बढ़ने और बारिश के कारण फिसलन बढ़ने से यात्रियों की आवाजाही एहतियातन रोक दी गई. बाद में बड़कोट-नौगांव राष्ट्रीय राजमार्ग से मलबा हटाकर यातायात बहाल किया गया. नदियों के जलस्तर पर भी प्रशासन लगातार नजर बनाए हुए है. रुद्रप्रयाग में अलकनंदा और मंदाकिनी नदियां चेतावनी स्तर से कुछ ही नीचे बह रही हैं.

हरिद्वार में गंगा, उत्तरकाशी में भागीरथी, बागेश्वर में सरयू और गोमती, पिथौरागढ़ में काली, गोरी और सरयू नदियों के जलस्तर की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है. हालांकि फिलहाल सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान से नीचे हैं, लेकिन लगातार बारिश को देखते हुए प्रशासन ने सतर्कता बरतने को कहा है.चारधाम यात्रा भी जारी है. गुरुवार शाम तक बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में इस सीजन में 45.63 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं.

एसआईआर : 5.47 लाख मतदाताओं को भेजे जाएंगे नोटिस

देहरादून, एजेंसी। जिले की मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के लिए जिले में 5.47 लाख मतदाताओं को एसआईआर के तहत नोटिस भेजे जा रहे हैं। अब तक इनमें से 74 हजार मतदाताओं को व्यक्तिगत रूप से नोटिस जारी कर दिए गए हैं। तीन अगस्त से 29 अगस्त तक विशेष सुनवाई शिविरों का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी बृहस्पतिवार को जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में साझा की।

जिलाधिकारी ने बैठक में कहा कि जनपद में मतदाता सूची को पूरी तरह शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान ने गति पकड़ ली है। 14 जुलाई को प्रकाशित ड्राफ्ट रोल के अनुसार जिले में अब तक 11,90,805 मतदाताओं की मैपिंग पूरी की जा चुकी है। हालांकि वर्ष 2003 और 2026 की मतदाता सूचियों के मिलान में विसंगतियां, अपूर्ण विवरण या डेटा का सही मिलान न हो पाने के कारण 5.47 लाख मतदाताओं को व्यक्तिगत नोटिस जारी किए जा रहे हैं। अभियान की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए बूथ लेवल ऑफिसर घर-घर जाकर नोटिस तामील करवा रहे हैं और निर्वाचन आयोग के निर्धारित एप पर फोटो अपलोड कर रहे हैं।

अब तक 74 हजार नोटिस बांटे जा चुके हैं, जबकि दो से तीन दिनों में शेष सभी नोटिस वितरित कर दिए जाएंगे। नोटिसों के आधार पर विवरण सुधारने और आपत्तियों के निस्तारण के लिए सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की देखरेख में तीन अगस्त से 29 अगस्त तक बूथवार सुनवाई शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान पात्र नए मतदाताओं से फार्म-6 भी स्वीकार किए जाएंगे।

हवलदार रोशन चंद का बीमारी से निधन, दिल्ली में ली अंतिम सांस

खटीमा, एजेसी। उत्तराखंड के हवलदार रोशन चंद का लंबी बीमारी के बाद उपचार के दौरान निधन हो गया. वे खटीमा के रहने वाले थे, जो 20 असम राइफल्स में तैनात थे. उनके असामयिक निधन से परिवार और क्षेत्र में शोक की लहर है. उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव लाया जा रहा है. जहां से सैन्य सम्मान के साथ बनबसा शारदा घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा.

लंबी बीमारी के बाद हवलदार रोशन चंद का निधनः दरअसल, 20 असम राइफल्स में तैनात खटीमा के ग्राम ऊंचीमहुवट निवासी हवलदार रोशन चंद का लंबी बीमारी के बाद उपचार के दौरान निधन हो गया. उनके निधन की सूचना मिलते ही परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई. बुधवार को उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव ऊंचीमहुवट पहुंच जाएगा. इसके बाद सैनिक सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा.

पिछले एक साल से चल रहा था उपचारः जानकारी के मुताबिक, खटीमा के ऊंचीमहुवट निवासी हवलदार रोशन चंद (उम्र 56 वर्ष) वर्तमान में 20 असम राइफल्स में चारद्वार (असम) में तैनात थे. ड्यूटी के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें आईटीबीपी रेफरल अस्पताल नोएडा में भर्ती कराया गया था, जहां पिछले लगभग एक साल से उनका उपचार चल रहा था. सोमवार को उनकी स्थिति गंभीर होने पर उन्हें शारदा अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन मंगलवार को उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली. बनबसा शारदा घाट पर होगा अंतिम संस्कारः हवलदार रोशन चंद के निधन की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया. उनके साथ 20 असम राइफल्स में तैनात चकरपुर निवासी हवलदार मोहन चंद ने बताया कि दिवंगत हवलदार का पार्थिव शरीर बुधवार उनके पैतृक आवास ऊंचीमहुवट लाया जा रहा है, जिसके बाद पूरे सैनिक सम्मान के साथ बनबसा शारदा घाट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा.

ऊंचीमहुवट में पहुंचने लगे लोगः वहीं, हवलदार रोशन चंद के निधन पर परिवार में कोहराम मचा हुआ है. जबकि, सैन्य परिवार में भी शोक की लहर है. उनके आवास पर पार्थिव शरीर का इंतजार किया जा रहा है. उम्मीद है कि देर शाम तक उनका पार्थिव शरीर पहुंच जाएगा. लोग अभी से ही उनके अंतिम दर्शन करने के लिए पहुंचने लगे हैं. अंतिम दर्शन के बाद उनकी अंतिम यात्रा निकाली जाएगी, फिर उनका पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन हो जाएगा.

रेस्क्यू सेंटर भेजें, या जंगल में छोड़ दें...निर्देश मांगते रह गए अफसर, गुलदार की पिंजरे में ही मौत

कोटद्वार, एजेसी। उच्चाधिकारियों से पिंजरे में कैद गुलदार को रेस्क्यू सेंटर भेजने या फिर जंगल में छोड़ने के लिए दिशा-निर्देश मांगे गए। आला अफसरों के दिशा-निर्देश का इंतजार होता रहा, लेकिन तब तक गुलदार पिंजरे में ही संघर्ष करता रहा।

गढ़वाल वन प्रभाग के दीवा रेंज मुख्यालय धुमाकोट में 22 दिन से कैद गुलदार ने पिंजरे में ही दम तोड़ दिया। दरअसल, वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (डब्लूआईआई) की रिपोर्ट में सैंपल न मिलने (मिसमैच) की पुष्टि हुई थी। जिसके बाद वन विभाग के अधिकारी गुलदार को रेस्क्यू सेंटर भेजने या फिर जंगल में छोड़ने के निर्देश मांगते रह गए लेकिन उच्चाधिकारियों ने कोई जवाब नहीं दिया। आला अफसरों की लापरवाही ने गुलदार की जान ले ली। 27 जून को नैनीडांडा के सल्ड महादेव क्षेत्र के बणासी गांव में वृद्धा सुशीला देवी (65) पत्नी स्व.अनूप सिंह को गुलदार ने मार डाला था। घटना के बाद वन विभाग की टीम ने घटनास्थल से महिला के शव के पास से सैंपल लेकर डब्लूआईआई भेजे। इस बीच 3 जुलाई की रात को एक नर गुलदार घटनास्थल के पास लगे पिंजरे में कैद हो गया। गुलदार को धुमाकोट स्थित रेंज मुख्यालय में शिफ्ट कर उसके सैंपल भी मिलान के लिए डब्लूआईआई भेजे गए थे। इसी बीच डब्लूआईआई की रिपोर्ट में सैंपलों का मिलान नहीं हुआ। ऐसी स्थिति में डीएफओ गढ़वाल ने उच्चाधिकारियों से पिंजरे में कैद गुलदार को रेस्क्यू सेंटर भेजने या फिर जंगल में छोड़ने के लिए दिशा-निर्देश मांगे। इधर आला अफसरों के दिशा-निर्देश का इंतजार होता रहा, उधर गुलदार पिंजरे में ही संघर्ष करता रहा। आखिरकार 25 जुलाई को उसने पिंजरे में ही दम तोड़ दिया।

डीएफओ गढ़वाल महातिम यादव का कहना है कि गुलदार पिंजरे में संघर्ष कर रहा था। उसने अपने को चोटिल कर लिया। उसका उपचार भी कराया गया लेकिन वह बच नहीं सका। वहीं, रेंज अधिकारी सुभाष घिल्डियाल ने बताया कि सोमवार को दो पशु चिकित्सकों के पैनल से गुलदार का पोस्टमार्टम कर विसरा सुरक्षित रख दिया। इसके बाद गुलदार के शव को नष्ट कर दिया गया। बणासी गांव से पकड़ा गया नर गुलदार 8 से 10 वर्ष के बीच का था। उसे धुमाकोट रेंज मुख्यालय में रखा गया था। चिकित्सकों ने जब 6 जुलाई को उसका मेडिकल परीक्षण किया था तब वह एकदम स्वस्थ था लेकिन वह काफी आक्रामक भी था। पशु चिकित्सकों ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा था कि उसे ज्यादा दिन तक पिंजरे में कैद नहीं रखा जा सकता।

बनमीत की पत्नी अमरप्रीत कौर पर भी कसा शिकंजा

देहरादून, एजेसी। अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बनमीत सिंह की पत्नी अमरप्रीत कौर चावला को भी आरोपी बनाया है। विशेष पीएमएलए अदालत में दाखिल दूसरी पूरक शिकायत का अदालत ने संज्ञान लिया है। ईडी का आरोप है कि अमरप्रीत कौर ने अवैध रूप से कमाये धन को छिपाने, विभिन्न खातों में स्थानांतरित करने और उसे वैध संपत्ति में बदलने की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाई है। जांच में सामने आया कि विदेशी स्रोतों से आई रकम संयुक्त और व्यक्तिगत बैंक खातों में जमा हुई, जिसे बाद में अलग-अलग खातों के जरिये घुमाकर करोड़ों रुपये की संपत्तियां और फिक्स्ड डिपॉजिट बनाए गए।ईडी के अनुसार दिल्ली के ग्रेटर कैलाश में करोड़ों रुपये मूल्य की संपत्ति गलत तरीके से अर्जित आय से खरीदी गई। एजेंसी का यह भी दावा है कि बनमीत सिंह ने अपने बयान में स्वीकार किया कि बिटकॉइन उसकी पत्नी ने सुरक्षित रखने के उद्देश्य से ट्रांसफर किए थे और उसके नाम से क्रिप्टो एक्सचेंज खाता भी संचालित किया गया। अभियोजन का कहना है कि अमरप्रीत कौर वैध आय का कोई विश्वसनीय दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकीं। ईडी ने बैंक रिकॉर्ड, संपत्ति दस्तावेज, विदेशी रेमिटेंस और अन्य साक्ष्यों के आधार पर उन्हें धन शोधन की साजिश में सक्रिय सहभागी बताया। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मामले में आगे की न्यायिक प्रक्रिया जारी रखने का निर्णय लिया।

अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी और क्रिप्टोकरेंसी के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े बहुचर्चित मामले में आरोपी बनमीत सिंह के खिलाफ देहरादून स्थित विशेष पीएमएलए अदालत में सुनवाई चल रही है। ईडी ने अदालत को बताया कि अमेरिकी एजेंसियों एफबीआई, डीईए और आईआरएस की जांच में बनमीत सिंह और उसके भाई पर डार्क वेब के जरिये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित मादक पदार्थों की बिक्री और उससे अर्जित धन को बिटकॉइन के माध्यम से छिपाने के आरोप सामने आए।

उधम सिंह नगर में दर्दनाक हादसा, बेकाबू डंपर ने युवक को कुचला, क्षत विक्षत शव देख सहमे लोग

रुद्रपुर, एजेसी। उधम सिंह नगर के रुद्रपुर के व्यस्त गल्ला मंडी चौक पर एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया. तेज रफ्तार अनियंत्रित डंपर ने सड़क किनारे खड़े एक युवक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई. हादसा इतना भयावह था कि घटनास्थल पर मौजूद लोग सहम गए. चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया, जबकि पुलिस ने डंपर को कब्जे में लेकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है. रुद्रपुर शहर के सबसे व्यस्त चौराहों में शामिल गल्ला मंडी चौक पर दोपहर तीन बजे हुए भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई. हादसा इतना भयावह था कि जिसने भी घटनास्थल का मंजर देखा, उसकी रूह कांप गई. तेज रफ्तार डंपर युवक को कुचलते हुए आगे निकल गया, जिससे उसका शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया. दुर्घटना के बाद कुछ देर के लिए पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई.

घटना के प्रत्यक्षदर्शी राजू ने बताया कि, युवक गल्ला मंडी की ओर से प्रसाद लेकर चौराहे की तरफ आ रहा था. वह सड़क किनारे खड़ा था, तभी काशीपुर की ओर से आ रहा एक डंपर अचानक अनियंत्रित हो गया. बताया जा रहा है कि चालक ने सामने चल रहे एक वाहन को बचाने का प्रयास किया, लेकिन इसी दौरान उसने नियंत्रण खो दिया और डंपर सीधे युवक को टक्कर मारते हुए उसके ऊपर से गुजर गया. हादसा इतना भीषण था कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई.

हादसे के तुरंत बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया. सूचना मिलते ही बाजार चौकी प्रभारी प्रदीप पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. इसके बाद कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को नियंत्रित किया और यातायात को सुचारु कराया. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया.

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मृतक की उम्र लगभग 22 वर्ष बताई जा रही है. स्थानीय लोगों का कहना है कि वह रम्पुरा क्षेत्र का रहने वाला है, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उसकी आधिकारिक पहचान नहीं हो सकी थी. पुलिस मृतक की पहचान कराने और उसके परिजनों को सूचना देने का प्रयास कर रही है.

ताहिर हुसैन को उम्रकैद पर कपिल मिश्रा की प्रतिक्रिया, बोले: यह न्याय की शुरूआत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में वर्ष 2020 के दंगों के दौरान खुफिया ब्यूरो के अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में ताहिर हुसैन को आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के बाद दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने न्यायालय के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने इसे न्याय की शुरूआत बताते हुए आशा व्यक्त की कि उच्च न्यायालय में इस सजा को मृत्युदंड में परिवर्तित किया जाएगा। कड़कड़डूमा न्यायालय ने ताहिर हुसैन सहित पांच दोषियों को हत्या, अपहरण, घातक हथियारों के साथ दंगा करने तथा अन्य संबंधित अपराधों में दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। न्यायालय ने ताहिर हुसैन पर 5 लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। निर्णय के बाद सामाजिक माध्यम पर प्रतिक्रिया देते हुए कपिल मिश्रा ने कहा कि अंकित शर्मा की हत्या अत्यंत क्रूर तरीके से की गई थी। उन्होंने दावा किया कि हत्या के बाद भी शव पर धारदार हथियारों से वार किए गए और उसे नाले में फेंक दिया गया। उनके अनुसार यह मामला अत्यंत विरल श्रेणी का है और इस पर उच्च न्यायालय को गंभीरता से विचार करना चाहिए। उधर, न्यायालय परिसर से बाहर ले जाए जाने के दौरान ताहिर हुसैन ने कहा कि वह इस निर्णय को उच्च न्यायालय में चुनौती देंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि उन्हें वहां न्याय मिलेगा। इस बीच दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने भी न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2020 के दंगों के दौरान ताहिर हुसैन की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी के नेताओं ने उनका समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व को इस विषय पर जनता के सामने अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए। हर्ष मल्होत्रा ने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी को यह बताना चाहिए कि उसने ताहिर हुसैन जैसे व्यक्ति को अपनी पार्टी में क्यों स्थान दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी नेतृत्व लंबे समय तक उनके समर्थन में खड़ा रहा। गौरतलब है कि वर्ष 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुई सांप्रदायिक हिंसा के दौरान खुफिया ब्यूरो के अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में न्यायालय ने ताहिर हुसैन, नाजिम, कासिम, अनस और जावेद को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वहीं ताहिर हुसैन ने निर्णय के विरुद्ध उच्च न्यायालय में अपील करने की घोषणा की है, जिससे मामले की आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी रहेगी।

पालम अग्निकांड में रेखा गुप्ता सरकार के झूठ की खुली पोल फेल हो गई थी फायर ब्रिगेड के स्काई लिफ्ट: सौरभ भारद्वाज

● चार महीने बाद आई डीएम की रिपोर्ट के मुताबिक, स्काई लिफ्ट खराब न होती तो 9 लोगों की जान नहीं जातीः सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के पालम इलाके में 18 मार्च को हुए भीषण अग्निकांड मामले में आखिरकार भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार के झूठ की पोल खुल ही गई। इस अग्निकांड में आई जिलाधिकारी की जांच रिपोर्ट साफ कहती है कि अगर फायर विभाग की स्काई लिफ्ट फेल नहीं होती तो जान गंवाने वाले 9 लोगों में से कईयों को बचाया जा सकता था। डीएम की रिपोर्ट आने के बाद आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने लगातार झूठ बोल रही रेखा गुप्ता की सरकार, उनके मंत्रियों और विधायकों को आड़े हाथ लेते हुए ये बात कही। उन्होंने कहा कि फायर विभाग की नाकामियों को छिपाने के लिए सरकार और मंत्रियों ने लगातार झूठ बोलकर दिल्ली के लोगों को गुमराह किया। शुक्रवार को आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर कहा कि पालम अग्निकांड मामले में रेखा गुप्ता सरकार की पोल खुल गई है। आम आदमी पार्टी पहले दिन से ही कह रही है कि अगर फायर ब्रिगेड के उपकरण यानी स्काई लिफ्ट फेल नहीं होते, तो पालम अग्निकांड में जान गंवाने वाले नौ लोगों की जान बचाई जा सकती थी। लेकिन मंत्री, विधायक और भाजपा सरकार लगातार झूठ बोलते रहे और दमकल विभाग की नाकामियों पर पर्दा डालते रहे। सौरभ भारद्वाज ने बताया कि मौके पर सबसे पहले उनकी ब्रोंटो स्काई लिफ्ट नहीं खुली और फिर उनकी मैनुअल सीढ़ी भी इतनी छोटी पड़ गई कि बालकनी तक नहीं पहुंच सकी। 6, 9 और 12 साल की तीन बच्चियां बालकनी से मदद के लिए चीखती रहीं और जिंदा जल गईं। हद तो तब हो गई जब पुलिस और फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने पड़ोसियों को जमीन पर गद्दे तक नहीं बिछाने दिए। जबकि आग लगने के अन्य सभी मामलों में पड़ोसियों ने जमीन पर गद्दे बिछाकर दर्जनों जानें बचाई हैं। सौरभ भारद्वाज ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि डीएम को इस रिपोर्ट को आने और सार्वजनिक होने में लगभग आधा साल लग गया, जो कि वास्तव में बेहद शर्मनाक है।

संक्षिप्त खबरें

मास्टर प्लान और कॉलोनियों के मुद्दों पर खट्टर से मिले रामवीर सिंह बिधूड़ी

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली से सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने मास्टर प्लान, ओ-जोन, एफ्लुएंट कॉलोनियों के नियमितीकरण तथा अन्य शहरी विकास संबंधी विषयों को लेकर केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की। बैठक में विभिन्न लंबित मामलों के शीघ्र समाधान की मांग रखी गई। रामवीर सिंह बिधूड़ी ने 92 कॉलोनियों और एक दर्जन प्राचीन गांवों को ओ-जोन से बाहर कर नियमित की जा रही 1511 कॉलोनियों में शामिल करने तथा 69 एफ्लुएंट कॉलोनियों के नियमितीकरण की मांग की। उन्होंने विभाजन के समय दिल्ली आए परिवारों की लीज समाप्त हो चुकी कॉलोनियों को फ्रीहोल्ड करने का भी आग्रह किया। बैठक में लैंड पूलिंग नीति में तेजी लाने, जीडीए नीति लागू करने, अधिक व्यावसायिक गतिविधियों वाली सड़कों को व्यावसायिक घोषित करने, सील पड़ी दुकानों को खोलने, गांवों की विस्तारित आबादी को नियमित करने तथा भूमि अधिग्रहण के मामलों में किसानों के सर्किल रेट बढ़ाने जैसे विषय भी उठाए गए। रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बताया कि मनोहर लाल खट्टर ने इन मुद्दों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए कहा कि सरकार इनके समाधान के लिए कार्ययोजना पर विचार कर रही है।

जापानी पार्क में 29 अगस्त से शुरू होगा श्री कृष्ण नंदोत्सव

नई दिल्ली। श्री श्री खाटू श्याम सेवा समिति ने रोहिणी के सेक्टर-13 स्थित डीडी क्लब में वार्षिक कार्यकारिणी बैठक आयोजित कर नवम् श्री कृष्ण नंदोत्सव-2026 की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष नंदोत्सव का आयोजन 29 अगस्त से 4 सितंबर तक रोहिणी सेक्टर-11 स्थित जापानी पार्क के लॉन संख्या-1 में किया जाएगा। समिति के चेयरमैन हरीश शर्मा ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी श्री कृष्ण जन्माष्टमी नंदोत्सव को भव्य स्वरूप दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सात दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में धार्मिक, सांस्कृतिक और भक्ति कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रस्तुत की जाएगी। समिति के अध्यक्ष अमित गोयल ने बताया कि पहले दिन श्री श्याम कथा महासंगम, दूसरे दिन सिया के राम, तीसरे दिन शिव विवाह की प्रस्तुति होगी। चौथे दिन गायक सुहैल कुमार, पांचवें दिन भजन गायक शेखर जायसवाल और कुंज बिहारी, छठे दिन कन्हैया मित्तल तथा हेमंत बृजवासी भजनों की प्रस्तुति देंगे।

शंकर नगर जैन मंदिर में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का भव्य आयोजन, नौ दिनों तक उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

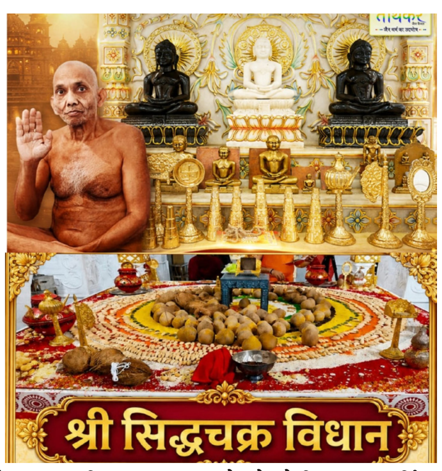

शाहदरा। जिले के गांधीनगर विधानसभा क्षेत्र स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर, शंकर नगर में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का भव्य आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन का संचालन शंकर नगर जैन समाज के तत्वावधान में भगवान महावीर सेवा समिति द्वारा किया गया, जिसमें श्री दिगंबर जैन मंदिर शंकर नगर कमेटी, महिला मंडल शंकर नगर, वर्धमान पुजारी ग्रुप शंकर नगर तथा संकल्प साधु विहार समिति सहित अन्य संस्थाओं और धर्मप्रेमियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। नौ दिनों तक चले इस महाविधान में प्रतिदिन विधिवत पूजन, मंडल स्थापना, मंत्रोच्चार और भक्ति कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। जैन परंपरा के अनुसार सिद्धचक्र मंडल में नवपद–अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय, साधु तथा ज्ञान, दर्शन, चरित्र और तप–की आराधना की जाती है, जिसे आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का श्रेष्ठ माध्यम माना जाता है। विधान के दौरान मंदिर परिसर में भक्ति, संगीत और अनुशासन का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस धार्मिक अनुष्ठान में मुनि श्री 108 ज्ञात सागर जी महाराज का सान्निध्य प्राप्त हुआ, जिनके मार्गदर्शन और प्रवचनों ने श्रद्धालुओं को धर्म, संयम और सेवा का संदेश दिया। श्रद्धालुओं ने तन, मन और धन से सहयोग कर आयोजन को सफल बनाया। विधान के सफल समापन पर भगवान महावीर सेवा समिति परिवार ने सभी सहयोगियों और श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे समाज की सामूहिक शक्ति का प्रतीक बताया। भगवान महावीर सेवा समिति द्वारा आयोजित यह ह्यश्री सिद्धचक्र महामंडल विधानह्न न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बना, बल्कि सामाजिक एकता, संस्कार और सेवा भाव को भी नई दिशा देने वाला साबित हुआ। प्रतिदिन विधान के पश्चात शुद्ध वात्सल्य भोज की व्यवस्था विधान में बैठने वालों के लिए करी गई थी जिसके लिए समाज के श्रेष्ठजनों ने अपना प्रतिदिन भोजन प्रदाता बनाकर पूर्ण सहयोग दिया संध्याकालीन विला में प्रतिदिन बैंड बाजे के साथ भक्तजन अपने घर से श्री मंदिर की आरती लेकर पहुंचे आरती के पश्चात रोज नई-नई नृत्य नाटिका का भव्य रूप में मंचन किया गया।

अदालत पहुंचते ही रची फिरौती की साजिश, 24 घंटे में टूटा अपहरण का चक्रव्यूह, सात दबोचे

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की बुराड़ी थाना पुलिस ने फिरौती के लिए रचे गए अपहरण के सनसनीखेज मामले का 24 घंटे के भीतर पदार्फाश कर सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और पीड़ित को सकुशल बरामद कर लिया। आरोपियों ने 1.20 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी और दबाव बनाकर 80 हजार रुपये भी वसूल लिए थे। जिला पुलिस उपायुक्त राजा बंथिया ने बताया कि तकनीकी निगरानी और लगातार पीछा कर पुलिस ने इस पूरे चक्रव्यूह को ध्वस्त किया। पुलिस के मुताबिक, बुराड़ी निवासी महिला का पति 23 जुलाई को मथुरा अदालत में पेशी के लिए गया था, लेकिन वापस नहीं लौटा। 24 जुलाई को गुमशुदगी दर्ज कराने के बाद महिला को उसके पति के मोबाइल से फिरौती कॉल आने लगे। आरोपियों ने 1.20 करोड़ रुपये की मांग की और धमकी दी। महिला ने डर के चलते 80 हजार रुपये पति की कार में रखकर चालक के माध्यम से द्वारका स्थित यशोभूमि मेट्रो स्टेशन भिजवाए, जहां कार आरोपियों को सौंप दी गई, लेकिन इसके बावजूद पीड़ित को नहीं छोड़ा गया। जांच के दौरान पुलिस ने चालक की पहचान कर घटनास्थल तक पहुंच बनाई और सीसीटीवी फुटेज खंगाले, लेकिन कोई ठोस सुराग नहीं मिला। इसके बाद तकनीकी निगरानी के जरिए पुलिस टीम गुरुग्राम से होते हुए मथुरा पहुंची और कई ठिकानों पर दबिश दी। अंततः वृंदावन के गोपालगढ़ इलाके में एक मकान से पीड़ित को बरामद किया गया, जहां उसे बंधक बनाकर पीटा जा रहा था। मौके से छह आरोपियों को पकड़ा गया, जबकि एक अन्य को मथुरा शहर से गिरफ्तार किया गया। वारदात में इस्तेमाल दो कारें, मोबाइल, सिम कार्ड और एटीएम कार्ड बरामद किए गए। पूछताछ में खुलासा हुआ कि पीड़ित ने सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर आरोपियों से पहले लाखों रुपये ठगे थे। इसी रंजिश में आरोपियों ने अदालत के बाहर से उसका अपहरण कर फिरौती की साजिश रची। आरोपियों ने एटीएम से करीब 65 हजार रुपये भी निकाले और गुरुग्राम ले जाकर परिजनों से पैसे की मांग की। पुलिस के अनुसार, कुछ आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है, जबकि पकड़े गए आरोपियों का कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड सामने नहीं आया है।

घायल पुलिसकर्मियों के परिजनों ने सुनाई आपबीती, संसद में मुद्दा उठाने की मांग

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों और दिल्ली पुलिस के बीच हुई झड़प में घायल पुलिसकर्मियों के परिजनों ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन कर अपनी पीड़ा साझा की। परिजनों ने कहा कि ड्यूटी के दौरान घायल हुए पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों की स्थिति पर भी संसद में चर्चा होनी चाहिए तथा उनके पक्ष को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए। घायल एक सहायक पुलिस आयुक्त की पत्नी ने बताया कि 20 जुलाई की देर रात जब उनके पति घायल अवस्था में घर लौटे तो वह उनके परिवार के लिए अत्यंत पीड़ादायक और भावनात्मक क्षण था। उन्होंने कहा कि दो वर्ष की उनकी बेटी भी पिता की स्थिति देखकर सहम गई थी। उन्होंने कहा कि ड्यूटी निभाते हुए पुलिसकर्मियों को जिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, उसे भी समाज के सामने आना चाहिए। दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा गुंजन ने बताया कि उनके पिता पहले भारतीय नौसेना में कार्यरत थे और बाद में दिल्ली पुलिस में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर उनकी तैनाती अग्रिम पंक्ति में थी।

ऑपरेशन चक्र में वाहन चोर गिरोहों पर निर्णायक चोट

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। पश्चिमी रेंज में मोटर वाहन चोरी के संगठित नेटवर्क को तोड़ने के लिए चलाया गया 72 घंटे का ऑपरेशन चक्र निर्णायक साबित हुआ है। द्वारका, पश्चिम और बाहरी जिलों में 11 से 20 जुलाई के बीच चरणबद्ध तरीके से हुए इस अभियान में पुलिस ने 66 आरोपियों को गिरफ्तार कर 256 चोरी के वाहन बरामद किए। कार्रवाई का फोकस चोरी से लेकर वाहनों के छिपाने और ठिकाने लगाने तक की पूरी कड़ी पर रहा। द्वारका जिले में 11 से 13 जुलाई के बीच 30 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 4 घोषित बदमाश शामिल हैं। इस दौरान 64 चोरी के वाहन बरामद कर उतने ही मामलों का खुलासा किया गया। बाहरी जिले में 14 से 16 जुलाई के बीच 11 आरोपियों को दबोचा गया, जिनमें 3 किशोर शामिल रहे, और 76 चोरी के वाहन बरामद कर 76 मामलों को सुलझाया गया। पश्चिम जिले में 18 से 20 जुलाई के दौरान 25 आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ 116 चोरी के वाहन बरामद किए गए। बरामदगी में 248 दोपहिया, 2 तिपहिया, 2 चारपहिया, 3 ई-रिक्शा और एक ट्रक शामिल है। तीनों जिलों की संयुक्त कार्रवाई में कुल 256 मामलों का पदार्फाश हुआ, जिससे वाहन चोरी के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। पुलिस के अनुसार, अभियान के दौरान खुफिया सूचनाओं के आधार पर छापेमारी, पिकेट चेकिंग, पार्किंग स्थलों की निगरानी, एएनपीआर विश्लेषण और संदिग्ध वाहनों का सत्यापन किया गया। अधिकारियों का कहना है कि ऑपरेशन चक्र ने तकनीक आधारित और समन्वित पुलिसिंग की प्रभावशीलता को रेखांकित किया है।

छात्र आंदोलन के दौरान पत्थरों से भरा ट्रक कहां से आया, इसकी हो व्यापक जांच : युवा कांग्रेस

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। युवा कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि छात्रों के प्रदर्शन के दौरान जंतर-मंतर, संसद मार्ग और बाद में युवा कांग्रेस कार्यालय के बाहर संदिग्ध परिस्थितियों में पत्थरों से भरा एक ट्रक आया, जिसे लेकर यह स्पष्ट होना आवश्यक है कि ट्रक कहां से, कैसे, किसके निर्देश पर और किस उद्देश्य से लाया गया था। युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में इस पूरे मामले की व्यापक स्तर पर न्यायिक जांच की मांग करते हुए कहा कि उन्होंने 20 जुलाई को अपराह्न करीब पौने चार बजे युवा कांग्रेस कार्यालय के सामने पत्थरों से भरा ट्रक खड़ा देखा था। उस समय वहां करीब 500 छात्र मौजूद थे। उन्होंने कहा कि दोपहर करीब 12 बजे संसद मार्च शुरू होने पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिससे छात्र और युवा तितर-बितर हो गए लेकिन इसके बावजूद प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान कुछ ऐसे लोग ट्रक पर चढ़े हुए थे, जिन्हें पुलिस ने नहीं रोका। उन्होंने कहा कि यह वही ट्रक था, जिसका 16 जुलाई को दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद संसद मार्ग थाने में पुलिस की अभिरक्षा में होने का दावा किया गया था। इसके बावजूद 20 जुलाई को वही ट्रक जंतर-मंतर, संसद मार्ग और बाद में युवा कांग्रेस कार्यालय के बाहर पत्थरों और अन्य वस्तुओं से भरा खड़ा दिखाई दिया। उन्होंने सवाल किया कि इतनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और बैरिकेडिंग के बीच यह ट्रक संसद मार्ग तक कैसे पहुंचा, इसे कौन चला रहा था और पुलिस की अभिरक्षा में होने के बावजूद इसे कई दिनों तक सड़कों पर किसके आदेश पर रखा गया। श्री चिब ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार की ओर से दिल्ली उच्च न्यायालय में इस ट्रक को प्रदर्शनकारियों से जोड़ने का प्रयास किया गया, जबकि 28 जुलाई को दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया पर इसको लेकर कहा कि यह ट्रक एक दुर्घटना के बाद जब्त किया गया था। उन्होंने कहा कि दोनों दावों में स्पष्ट विरोधाभास है और इससे पूरे मामले पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि संसद से करीब 100 मीटर की दूरी पर पत्थरों और अन्य वस्तुओं से भरे ट्रक को बिना निगरानी के छोड़ना एक बड़ी सुरक्षा चूक है। उन्होंने सवाल किया कि यदि असामाजिक तत्व इन पत्थरों का इस्तेमाल कर हिंसा फैलाते, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होती। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि दिल्ली पुलिस ने जानबूझकर विपक्ष के युवा संगठन के कार्यालय के बाहर यह ट्रक खड़ा किया, तो इसकी मंशा स्पष्ट की जानी चाहिए। युवा कांग्रेस अध्यक्ष ने इस पूरे मामले की स्वतंत्र एवं न्यायिक जांच कराने, ट्रक की आवाजाही से संबंधित सभी सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने, पूरे घटनाक्रम की ह्यचेन ऑफ कमांडह्न सार्वजनिक करने तथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि छात्रों के खिलाफ मामले दर्ज कर उन पर दबाव बनाया जा रहा है, लेकिन कांग्रेस और युवा कांग्रेस उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी।

सिप्ला हेल्थ का नया डब्ल्यू.एच.ओ. है तो वह ओआरएस है अभियान सही ओआरएस की जानकारी के महत्व को उजागर करता है

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

भारत। विश्व ओआरएस दिवस के अवसर पर, सिप्ला हेल्थ लिमिटेड ने प्रोलाइट ओआरएस के लिए अपना वार्षिक जागरूकता अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू. एच.ओ.) द्वारा अनुमोदित मौखिक पुनर्जलीकरण घोल (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन) के लाभों को समझने के लिए प्रोत्साहित करना है। डब्ल्यू.एच.ओ. है तो वह ओआरएस है संदेश पर आधारित यह अभियान उपभोक्ताओं को ओआरएस खरीदते समय पैक पर डब्ल्यू.एच.ओ. अनुशंसित चिह्न देखने के लिए प्रेरित करना चाहता है। हालाँकि ओआरएस को लंबे समय से निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन) के प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण सहायक के रूप में मान्यता प्राप्त है, फिर भी इसे अपनाने में कमी बनी हुई है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5) के आंकड़े बताते हैं कि दस्त (डायरिया) से पीड़ित पाँच वर्ष से कम आयु के केवल लगभग 62% बच्चों को ही ओआरएस मिला, जो निर्जलीकरण प्रबंधन के प्रति अधिक जागरूकता की आवश्यकता को रेखांकित करता है। उपयोग में आसान और अत्यधिक प्रभावी होने के बावजूद, ओआरएस से उपचार की दरें विभिन्न क्षेत्रों में काफी भिन्न बनी हुई हैं। शोध से पता चला है कि जिन क्षेत्रों में बाल दस्त का प्रसार अधिक है, वहाँ ओआरएस उपचार दरें लगातार कम पाई गई हैं और यद्यपि ओआरएस को व्यापक रूप से बचपन के दस्त के लिए प्राथमिक उपचार विकल्प माना जाता है, फिर भी इस अनुशंसा का पालन इष्टतम से बहुत दूर बना हुआ है, जिससे जागरूकता और वास्तविक उपयोग के बीच एक महत्वपूर्ण जानने-करने का अंतर उत्पन्न होता है। सिप्ला हेल्थ के आंतरिक आंकड़े ओआरएस के बारे में उपभोक्ता समझ को मजबूत करने की निरंतर आवश्यकता को और इंगित करते हैं।

गगन विहार में खामोश रात ने उगला खून का सच, घर के भीतर महिला की हत्या से सनसनी

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

शाहदरा। जिले के जगतपुरी थाना क्षेत्र के गगन विहार में गुरुवार रात एक खामोश घर के भीतर छिपा खून का सच तब सामने आया, जब देर रात पुलिस को पीसीआर कॉल के जरिए हत्या की सूचना मिली। 30 जुलाई को रात करीब 9 बजे आई इस सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो घर के फर्श पर पड़ी महिला की लहूलुहान देह ने हर किसी को सन्न कर दिया। बाहर से सामान्य दिखने वाला यह घर भीतर से एक खौफनाक वारदात की कहानी बयां कर रहा था। मृतका की पहचान कोमल (50) पत्नी कमल के रूप में हुई है। शुरूआती जांच में घरेलू विवाद की परतें सामने आई हैं और शक की सुई सीधे पति की ओर इशारा कर रही है, जिसने कथित तौर पर गला रेतकर इस वारदात को अंजाम दिया। इलाके में ट्यूशन पढ़ाकर गुजर-बसर करने वाला यह परिवार देखते ही देखते टूट गया। दो बच्चों के सिर से मां का साया उठने की खबर ने आसपास के लोगों को भी भीतर तक झकझोर दिया। सूचना मिलते ही क्राइम टीम ने मौके पर पहुंचकर हर एंगल से जांच शुरू की और घटनास्थल से अहम साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर डॉ. हेडगेवार अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पोस्टमार्टम के लिए शव को जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया गया, जहां से रिपोर्ट के आधार पर आगे की कड़ियां जोड़ी जा रही हैं। शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपी की पहचान कर ली गई है। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि इस सनसनीखेज हत्या के पीछे की पूरी कहानी जल्द सामने लाई जाएगी और दोषी को कानून के शिकंजे में लिया जाएगा।

स्ट्रीट शील्ड का बड़ा प्रहार: शाहदरा पुलिस ने झपटमार, घोषित बदमाश और सेंधमार को दबोचा, कई वारदातों का एक साथ खुलासा

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। शाहदरा जिले में अपराध के खिलाफ चल रहे अभियान ने एक बार फिर दमदार परिणाम दिए हैं। एएसबी सेल की ह्यऑपरेशन स्ट्रीट शील्डह्न टीम ने कुख्यात झपटमार आशु उर्फ आकाश उर्फ साहिल को गिरफ्तार कर चार मामलों का खुलासा किया है। आरोपी के पास से लूटा गया मोबाइल फोन और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार वह पहले भी लूट के मामले में सजा काट चुका है और उस पर नौ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। लगातार कार्रवाई से साफ है कि शाहदरा पुलिस अपराधियों पर कड़ी नजर बनाए हुए है। पुलिस जांच में सामने आया कि आनंद विहार इलाके में बुजुर्ग से मोबाइल झपटने की वारदात को इसी आरोपी ने अंजाम दिया था। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर 29 जुलाई को उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने अन्य घटनाओं में भी संलिप्तता कबूल की और बताया कि नशे की लत के कारण वह इस तरह की वारदातों को अंजाम देता था। इसी क्रम में कृष्णा नगर थाना पुलिस ने भी तेजी दिखाते हुए झपटमारी के एक मामले में बदमाश दीपक उर्फ डंटू और एक किशोर को पकड़ लिया तथा लूटा गया मोबाइल बरामद कर लिया। दीपक इलाके का घोषित बदमाश है और कई मामलों में पहले से शामिल रहा है। वहीं, गीता कॉलोनी थाना पुलिस ने ब्यूटी पार्लर में हुई सेंधमारी की घटना का पदार्फाश करते हुए बदमाश पवन कुमार उर्फ भल्ले को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 55 इंच का एलईडी टीवी, हेयर ड्रायर और कृत्रिम आभूषण समेत चोरी का पूरा सामान बरामद किया है। आरोपी पूर्व में भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। एक के बाद एक मामलों के खुलासे से यह स्पष्ट है कि शाहदरा जिले में पुलिस की सतर्कता और कार्रवाई का असर जमीन पर दिख रहा है शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि जिले में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस टीमें निरंतर सक्रिय हैं और तकनीकी जांच व फील्ड वर्क के बेहतर समन्वय से त्वरित सफलता मिल रही है। उन्होंने पुलिसकर्मियों की सराहना करते हुए कहा कि शाहदरा पुलिस नागरिकों की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और अपराधियों के खिलाफ ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

जंतर-मंतर पर यूनाइटेड हिंदू फ्रंट का प्रदर्शन, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। यूनाइटेड हिंदू फ्रंट और राष्ट्रवादी शिवसेना ने शुक्रवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर संसद कूच के दौरान हुई हिंसा के आरोपितों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की। संगठन के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, उपराज्यपाल और दिल्ली पुलिस आयुक्त को ज्ञापन भेजकर दोषियों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून सहित सख्त धाराओं में कार्रवाई करने की मांग उठाई। इस अवसर पर यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राष्ट्रवादी शिवसेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष जय भगवान गोयल ने कहा कि जंतर-मंतर पर चले आंदोलन और संसद कूच के दौरान हुई घटनाओं की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कानून के दायरे में लाया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि संसद कूच के दौरान हिंसा, सुरक्षाकर्मियों पर हमले और सार्वजनिक व्यवस्था भंग करने की घटनाएं गंभीर चिंता का विषय हैं। जय भगवान गोयल ने कहा कि आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं की पूरी सच्चाई सामने लाने तथा किसी भी प्रकार की विदेशी साजिश या अवैध गतिविधियों की जांच आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हिंसा में शामिल लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होने से भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सकेगी। प्रदर्शन में धर्मेंद्र बेदी, सुबोध बिहारी, दीपक बंसल, दिनेश जिंदल, विपिन पूरन सिंह, अजय कुमार, राजेश बहुत, पूनम, केशव प्रसाद मिश्रा, आलोक तिवारी, मुकेश गुप्ता, देवेंद्र सिंह अन्ना, अमित सैनी, आजाद कौशिक, संतोष कुशवाहा, मंजू बिष्ट, सुमित मोगा, सीमा तिवारी, मीनू वशिष्ठ, सुरेंद्र चौधरी, राम अवतार सिंगल, राजकुमार गर्ग, बॉबी वर्मा, आकाश सक्सेना तथा ज्योति वशिष्ठ सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

सामान्य से अधिक बारिश के बावजूद दिल्ली में सात साल में सबसे प्रदूषित जुलाई दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली में जुलाई का महीना मौसम के उतार-चढ़ाव वाला रहा। एक तरफ जहां लगभग 10 साल में पहली बार हवा की गुणवत्ता अच्छी रही, वहीं दूसरी ओर पिछले सात साल में जुलाई का महीना सबसे अधिक प्रदूषित भी रहा। लंबे समय तक शुष्क मौसम के बाद कुछ तेज बारिश के कारण मानसूनी बारिश सामान्य से अधिक रही, लेकिन इसके बावजूद दिल्ली में सात वर्षों का सबसे प्रदूषित जुलाई दर्ज किया गया। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के विश्लेषण के अनुसार, जुलाई के पहले 30 दिन में दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 119 रहा। यह 2019 के बाद जुलाई महीने का सबसे अधिक औसत है, जब एक्यूआई 134 दर्ज किया गया था। यह औसत पिछले साल जुलाई महीने के 78 के औसत से काफी अधिक था। मासिक औसत भले खराब रहा हो, लेकिन दिल्ली में नौ साल में पहली बार जुलाई में हवा की गुणवत्ता अच्छी रही और एक्यूआई गिरकर 48 पर आ गया।

घर पर देखभाल से कमजोर नवजातों में एनीमिया कम, दिमागी विकास बेहतर

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली में किए गए एक अहम अध्ययन में सामने आया है कि घर पर नियमित स्वास्थ्य व पोषण संबंधी देखभाल मिलने से कमजोर व कम वजन वाले नवजात बच्चों की सेहत में बड़ा सुधार होता है। सोसाइटी फॉर एप्लाइड स्टडीज (नई दिल्ली) और नॉर्वे की यूनिवर्सिटी ऑफ बर्गन के संयुक्त अध्ययन में 1,300 बच्चों को शामिल किया गया, जो गर्भावस्था की अवधि के अनुसार सामान्य से छोटे या कम वजन (स्मॉल फॉर जेस्टेशनल एज) के पैदा हुए थे। जनवरी 2023 से अगस्त 2025 के बीच दक्षिण दिल्ली के कम संसाधनों वाले क्षेत्रों पर किए गए इस शोध में एक समूह को सामान्य सरकारी स्वास्थ्य सेवा दी गई, जबकि दूसरे को घर-घर जाकर जांच, पोषण सलाह, विकासात्मक गतिविधियां व माताओं को मानसिक सहयोग मिला।

थाने में शिकायत से गुस्साए पड़ोसी ने शख्स पर किया जानलेवा हमला

नई दिल्ली। नंद नगरी इलाके में झगड़े को लेकर थाने में शिकायत करने से गुस्साए एक दंपती और उसके बेटे ने घर में घुसकर 52 साल के पड़ोसी बजरंगी पर डंडे से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल पीड़ित को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया है। पीड़ित के बयान पर पुलिस ने आरोपी रामनिवास, उसकी पत्नी शांति और बेटे रितेश पर केस किया है। पुलिस के अनुसार बजरंगी अपने परिवार के साथ नंद नगरी इलाके में रहते है। वह पेशे से चालक हैं। नंदनगरी थाने में दर्ज प्राथमिकी में उसने बताया कि 2023 में उनका पड़ोसी राम निवास से झगड़ा हो गया था।

सीसीटीवी डीवीआर चोरी में पूर्व कर्मचारी समेत तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीलमपुर में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) का सरकारी सीसीटीवी डीवीआर चोरी होने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों और चोरी का सामान खरीदने वाले एक कबाड़ी सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, वारदात का मास्टरमाइंड विभाग का पूर्व कर्मचारी निकला, जिसे सीसीटीवी प्रणाली की पूरी तकनीकी जानकारी थी। 27 जुलाई को जे-ब्लॉक, सीलमपुर से डीवीआर चोरी होने की शिकायत मिलने पर मामला दर्ज किया गया।

पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में आग लगी

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी थाना क्षेत्र स्थित डिस्ट्रिक्ट सेंटर स्थित सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में शुक्रवार सुबह आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना सुबह 11:23 बजे दमकल विभाग को मिली, जिसके बाद तीन वाटर बाउजर, एक वाटर टेंडर, एक क्विक रिस्पॉन्स व्हीकल (क्यूआरवी) और एक मिनी फायर रेस्क्यू वाहन को मौके पर भेजा गया। शुरुआती अभियान का नेतृत्व एडीओ फिरोज और एसटीओ अमित ने किया। आग की गंभीरता को देखते हुए 11:40 और 11:41 बजे एक अतिरिक्त वाटर टेंडर भी मौके पर रवाना किया गया, जिसका नेतृत्व एसटीओ सरवन लाल ने किया। दमकल विभाग के अनुसार, आग सब-रजिस्ट्रार कार्यालय के ग्राउंड फ्लोर स्थित एक कमरे में लगी थी। दमकल कर्मियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोपहर 12 बजे तक आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। फिलहाल आग लगने के कारणों और हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

आप का नेशनल टाउनहॉल अगेंस्ट ई-20 शनिवार को, देश भर के लोग रखेंगे अपने विचार

● दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में दोपहर 12 बजे से शुरू होगा टाउनहॉल, ऑनलाइन-ऑफलाइन हजारों लोग लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की ओर से शनिवार को दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में नेशनल टाउनहॉल अगेंस्ट ई-20 का आयोजन किया जाएगा। इस टाउनहॉल में ई-20 से प्रभावित देश भर लोग ऑनलाइन या ऑफलाइन शामिल होकर अपने विचार रखेंगे। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बताया कि नेशनल टाउनहॉल अगेंस्ट ई-20 में लोगों की समस्याएं सुनने के लिए और ई-20 पर निर्णय लेने के लिए मेरे साथ देश की एक जानी मानी शख्सियत मौजूद होगी। उन्होंने देश के लोगों से अपील की है कि आप भी अपनी बात रखने के लिए टाउनहॉल में ऑफलाइन या ऑनलाइन जरूर जुड़ें। उल्लेखनीय है कि आम आदमी पार्टी ई-20 पेट्रोल से गाड़ियों पर पड़ रहे असर के मुद्दे को लगातार उठा रही है। केंद्र सरकार ई-20 को पुरानी गाड़ियों के लिए भी सुरक्षित बता रही है, जबकि इसके इस्तेमाल से पुरानी गाड़ियां खराब हो रही हैं और माइलेज भी गिर रही है। इस बाबत आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने देश में स्थित 29 ऑटो निमार्ता कंपनियों को पत्र लिखकर उन्हें लिखित में स्पष्ट करने की भी अपील की थी कि क्या ई-20 पुरानी गाड़ियों के लिए सुरक्षित है, क्या इसके इस्तेमाल से गाड़ियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है। उन्होंने पूछा था कि अगर ई-20 के इस्तेमाल से गाड़ियां खराब होती हैं तो उसका हर्जाना कौन देगा? अरविंद केजरीवाल के इस पत्र का किसी भी ऑटो निमार्ता कंपनी ने जवाब नहीं दिया है। हालांकि 9 कंपनियों ने अरविंद केजरीवाल के साथ हुई मीटिंग में मौखिक तौर पर बताया कि ई-20 पुरानी गाड़ियों के लिए सुरक्षित नहीं है। वहीं, बीते सोमवार को अरविंद केजरीवाल ने प्रेसवार्ता कर ई-20 के मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा करने को लेकर नेशनल टाउन हॉल अगेंस्ट ई-20 आयोजित करने का एलान किया था। इसमें ऑनलाइन और ऑफ लाइन दोनों तरह से लोग जुड़ सकते हैं। पार्टी ने ऑनलाइन जुड़ने के लिंक जारी किया था। हजारों लोगों ने टाउनहॉल से ऑनलाइन जुड़ने को लेकर दिलचस्पी दिखाई है, जबकि दिल्ली और एनसीआर से बड़ी संख्या में लोग टाउनहॉल में फिजिकली शामिल होंगे।

राहुल गांधी पर मनोज तिवारी का प्रहार, जंतर-मंतर हिंसा की निष्पक्ष जांच की उठाई मांग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर हुए हमले को लेकर उत्तर-पूर्वी दिल्ली से सांसद मनोज तिवारी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा राजनीतिक प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों पर हमला करने वाले छात्र नहीं, बल्कि अवांछनीय तत्व थे। साथ ही उन्होंने पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष और गहन जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। मनोज तिवारी ने कहा कि शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों को हिंसा से जोड़ना उचित नहीं है। उनके अनुसार प्रदर्शन के बीच कुछ अवांछनीय तत्व शामिल हो गए, जिन्होंने पुलिसकर्मियों पर हमला किया और स्थिति को तनावपूर्ण बना दिया। उन्होंने कहा कि घायल पुलिसकर्मियों के प्रति भी समान संवेदना दिखाई जानी चाहिए। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए मनोज तिवारी ने कहा कि यदि कांग्रेस नेतृत्व घायल पुलिसकर्मियों के प्रति संवेदना व्यक्त नहीं करता है, तो देश इस व्यवहार को देख रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने ऐसे मामलों में संतुलित दृष्टिकोण नहीं अपनाया है और इससे जनता में नाराजगी है। मनोज तिवारी ने यह भी कहा कि प्रश्नपत्र लीक रोकने के लिए बनाए गए कठोर कानून का समर्थन किया जाना चाहिए था, क्योंकि यह विद्यार्थियों के भविष्य की सुरक्षा से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कानून का विरोध करना विद्यार्थियों के हित में नहीं माना जा सकता। उन्होंने दोहराया कि प्रदर्शन के दौरान घायल हुए छात्रों और पुलिसकर्मियों, दोनों के प्रति समान संवेदना होनी चाहिए। उनके अनुसार पुलिस ने कठिन परिस्थितियों में व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया और पूरे घटनाक्रम में शामिल अवांछनीय तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। गौरतलब है कि 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद की ओर निकाले गए मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव की स्थिति बन गई थी। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने बल प्रयोग किया, जिसमें कई छात्र घायल हुए। इस दौरान कुछ पुलिसकर्मी भी चोटिल हुए थे। इसी बीच शुक्रवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में घायल पुलिसकर्मियों के परिजनों ने अपनी पीड़ा साझा करते हुए मांग की कि उनकी स्थिति और समस्याओं पर भी संसद में चर्चा होनी चाहिए।

रुचिका सिंह के समर्थन में उतरी सीजेपी, प्राथमिकी को बताया अनुचित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में रुचिका सिंह के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने इस कार्रवाई का विरोध करते हुए इसे अनुचित बताया है। पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि इस मामले में आपराधिक प्रावधानों का उपयोग उचित नहीं है और युवाओं को अनावश्यक रूप से परेशान करना बंद किया जाना चाहिए। सौरव दास ने सामाजिक माध्यम पर जारी अपने वक्तव्य में कहा कि विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रयुक्त भाषा की आलोचना की जा सकती है, लेकिन केवल इसी आधार पर आपराधिक कार्रवाई करना न्यायसंगत नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में दंडात्मक कार्रवाई के बजाय अभिव्यक्ति की प्रकृति और परिस्थितियों को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। सीजेपी प्रवक्ता ने दावा किया कि देश की संसद में बड़ी संख्या में ऐसे जनप्रतिनिधि हैं, जिनके विरुद्ध विभिन्न आपराधिक मामले लंबित हैं। उनका कहना था कि पुलिस को अपनी ऊर्जा गंभीर आरोपों वाले मामलों पर केंद्रित करनी चाहिए, न कि एक युवा महिला के विरुद्ध इस प्रकार की कार्रवाई में। सौरव दास ने कहा कि नोएडा निवासी रुचिका सिंह के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को लेकर उनकी पार्टी असहमति व्यक्त करती है। उन्होंने प्रश्न उठाया कि क्या किसी विरोध प्रदर्शन के दौरान आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग अपने आप में ऐसा अपराध है, जिसके लिए आपराधिक कानून का सहारा लिया जाए। उनके अनुसार इस प्रकार की कार्रवाई से युवाओं में भय का वातावरण उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी व्यक्ति की भाषा अनुचित है तो उसकी सार्वजनिक रूप से निंदा की जा सकती है, लेकिन उसे निशाना बनाने के उद्देश्य से आपराधिक प्रक्रिया का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए।

श्रद्धा वाल्कर हत्याकांड: मुकदमे की समय सीमा तय करने की मांग खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने श्रद्धा वाल्कर हत्याकांड में आरोपी आफताब पूनावाला के खिलाफ चल रहे मुकदमे के लिए समय-सीमा तय करने की मांग वाली याचिका बुधवार को खारिज कर दी। श्रद्धा के भाई ने याचिका दायर कर अदालत से अनुरोध किया था कि मामले की सुनवाई तय अवधि में पूरी कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने कहा कि ट्रायल कोर्ट पहले से ही मामले की रोजाना सुनवाई कर रहा है और मुकदमा शीघ्र पूरा करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में अतिरिक्त निर्देश देने की आवश्यकता नहीं है। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि कुल 222 गवाहों में से 157 के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। अब केवल छह गवाहों की परीक्षा शेष है, जिनमें गूगल और बम्बल से जुड़े चार विदेशी डाटा गवाह भी शामिल हैं। दिल्ली पुलिस की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अमित प्रसाद ने कहा कि मुकदमे की सुनवाई दैनिक आधार पर जारी है।

राजधानी में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर घटी वाहनों की गति सीमा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की सीमा में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर वाहनों की गति सीमा कम कर दी गई है। अब कार अधिकतम 70 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ सकेगी। वहीं ट्रक, बस समेत सभी भारी वाहनों के लिए गति सीमा 60 किलोमीटर प्रति घंटा सीमित कर दी गई है। दुर्घटना की आशंका को कम करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। एक्सप्रेसवे पर लगे स्पीड रडार में नई गति सीमा को अपडेट कर दिया गया है। अब पुरानी गति सीमा पर वाहन दौड़े तो चालान कट जाएगा। दिल्ली की सीमा में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे अक्षरधाम मंदिर से शुरू होकर लोनी बॉर्डर तक 14.75 किलोमीटर लंबा है। इसी वर्ष 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री ने इसका लोकार्पण किया था। तब राष्ट्रीय राजधानी की सीमा में गांधी नगर से लोनी बॉर्डर तक इसके 6.5 किलोमीटर के एलिवेटेड खंड पर धीमी गति के वाहनों में शामिल दोपहिया वाहन और ई-रिक्शा को प्रतिबंधित कर दिया गया था। तभी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने दिल्ली ट्रैफिक पुलिस से बाकी वाहनों की गति सीमा को लेकर सुझाव मांगा था। उस वक्त इस पर निर्णय नहीं होने के कारण एनएचएआई ने एक्सप्रेसवे पर उसकी डिजाइन स्पीड के अनुसार वाहनों का परिचालन लागू किया गया था। कार के लिए 100 और भारी वाहनों के लिए 80 किलोमीटर प्रति घंटा की गति सीमा रखी गई थी। शास्त्री पार्क के पास तीव्र मोड़ वाले स्थानों पर गति सीमा 85 और 65 किलोमीटर प्रति घंटा रखी गई थी। अब दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एनएचएआई को इस एक्सप्रेसवे पर कार के लिए गति सीमा घटाकर 70 और भारी वाहनों के लिए 60 किलोमीटर प्रति घंटा करने की संस्तुति की है।

स्कूल वाहन कर्मियों के सत्यापन की व्यवस्था लागू करने की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने राजधानी में स्कूली छात्रा के साथ कथित यौन शोषण की घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी विद्यालयों के लिए एक समान कार्यप्रणाली लागू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों की बसों और निजी वाहनों के चालकों तथा सहायकों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य किया जाना चाहिए। देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली सरकार शिक्षा निदेशालय, दिल्ली पुलिस और यातायात पुलिस को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर विद्यालयी परिवहन व्यवस्था की नियमित निगरानी सुनिश्चित करे।

महिला से दुर्व्यवहार के मामले में आआपा विधायक वीरेन्द्र कादयान पर भाजपा का हमला, कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली के प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक नितिन त्यागी ने दिल्ली कैंट से आम आदमी पार्टी (आआपा) के विधायक वीरेन्द्र कादयान और उनके पुत्र अंकित कादयान पर एक महिला फूल विक्रेता के साथ कथित मारपीट और उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की। नितिन त्यागी ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में दावा है कि आआपा विधायक के स्टाफ ने महिला के स्टॉल से फूलों का एक गुलदस्ता मंगवाया, लेकिन भुगतान नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब महिला ने अपने पैसे मांगे तो उसका फूलों का स्टॉल दिल्ली कैंट बोर्ड के अधिकारियों से हटवा दिया गया। नितिन त्यागी ने बताया कि जब महिला शिकायत लेकर विधायक के आवास पहुंची, जहां विधायक के पुत्र अंकित कादयान और उनके साथियों ने कथित तौर पर महिला से मारपीट की। त्यागी ने यह भी आरोप लगाया कि महिला के साथ उसका दो वर्षीय बच्चा भी मौजूद था। उन्होंने दावा किया कि इस मामले में पुलिस ने कई दिनों तक एफआईआर दर्ज नहीं की और बाद में स्थानीय भाजपा कार्यकताओं के दबाव के बाद मामला दर्ज किया गया। नितिन त्यागी ने कहा कि शनिवार सुबह करोल बाग भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) से मुलाकात कर विधायक और उनके पुत्र के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग करेगा। उन्होंने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से भी सवाल करते हुए कहा कि यदि आरोप सही हैं, तो संबंधित विधायक के खिलाफ पार्टी कब कार्रवाई करेगी।

यौन प्रताड़ना मामले में डीयू के शिक्षक को जबरन सेवानिवृत्ति

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने यौन प्रताड़ना के मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति पर अमल करते हुए राजनीति विज्ञान विभाग के एक शिक्षक को जबरन सेवानिवृत्त करने का फैसला किया है। यह निर्णय गुरुवार को हुई विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद (ईसी) की बैठक में लिया गया। कार्यकारी परिषद की बैठक में मौजूद एक सदस्य के अनुसार, संबंधित शिक्षक के खिलाफ विभाग की एक शोधार्थी ने यौन प्रताड़ना की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) ने की। जांच के बाद समिति ने शिक्षक के खिलाफ कठोर कार्रवाई की सिफारिश करते हुए उन्हें सेवा से हटाने की अनुशंसा की थी। इसी सिफारिश के आधार पर कार्यकारी परिषद ने शिक्षक को जबरन सेवानिवृत्ति देने का निर्णय लिया। सूत्रों के अनुसार, बैठक के दौरान कुछ सदस्यों ने आरोपी शिक्षक के पक्ष में अपनी बात रखी, लेकिन कुलपति सहित अधिकांश सदस्यों का मत था कि यह मामला केवल एक कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई का नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय परिसर में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और संस्थान की गरिमा से जुड़ा है। इस कारण मामले में किसी भी प्रकार की नरमी बरतने से स्पष्ट इनकार किया गया और सख्त कार्रवाई पर सहमति बनी। विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि डीयू यौन उत्पीड़न के मामलों में किसी भी स्तर पर समझौते की नीति नहीं अपनाएगा और शिकायतों के निस्तारण में निर्धारित प्रक्रिया के तहत सख्त कदम उठाए जाएंगे। गौरतलब है कि हाल के वर्षों में दिल्ली विश्वविद्यालय ने ऐसे मामलों में कई कड़े फैसले लिए हैं। रामजस कॉलेज, सत्यवती कॉलेज सहित अन्य कॉलेजों में भी शिकायतों के आधार पर शिक्षकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। हाल ही में सत्यवती कॉलेज में एक शिक्षक पर छात्रा की पीछे से फोटो खींचने के आरोप के बाद उन्हें निलंबित किया गया था।

200 करोड़ वसूली मामला: मकोका आरोपों के खिलाफ सुकेश की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने पुलिस से मांगा जवाब

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। 200 करोड़ रुपए कीवसूली और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में आरोपी सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सुकेश ने महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून (मकोका) के तहत अपने खिलाफ आरोप तय किए जाने के निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी है। दिल्ली हाईकोर्ट ने सुकेश चंद्रशेखर की याचिका पर दिल्ली पुलिस से अपना पक्ष रखने को कहा है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 23 सितंबर की तारीख तय की है। सुकेश चंद्रशेखर ने अपनी याचिका में कहा कि उसके खिलाफ लगाए गए मकोका के आरोपों पर दोबारा विचार किया जाना चाहिए। हाईकोर्ट में अब इस मामले में दिल्ली पुलिस के जवाब के बाद आगे की सुनवाई होगी। यह मामला करीब 200 करोड़ रुपए की ठगी और वसूली से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि सुकेश चंद्रशेखर ने खुद को सरकारी अधिकारी बताकर एक कारोबारी परिवार से बड़ी रकम वसूली। जांच एजेंसियों के अनुसार, उसने प्रभावशाली लोगों से संपर्क होने और कानूनी मामलों को सुलझाने का भरोसा देकर पैसे मांगे थे। मामला तब सामने आया जब फोर्टिस के पूर्व प्रमोटर शिविंदर सिंह की पत्नी अदिति सिंह ने शिकायत दर्ज कराई। आरोप है कि उन्हें एक व्यक्ति ने फोन किया और खुद को केंद्र सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में बताया और भरोसा दिलाया कि उनके पति से जुड़े कानूनी मामलों में मदद की जा सकती है। इसके बदले उनसे करोड़ों रुपए की मांग की गई। जांच एजेंसियों के मुताबिक, इस पूरी साजिश में कई लोग शामिल थे और सरकारी अधिकारियों की पहचान का गलत इस्तेमाल किया गया। जांच में आरोप लगाया गया कि करीब 217 करोड़ रुपए तक की रकम अलग-अलग माध्यमों से ली गई। इसी आधार पर दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। जांच के दौरान सुकेश चंद्रशेखर की भूमिका सामने आने के बाद उसे गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने दावा किया था कि सुकेश जेल के अंदर से भी अपनी गतिविधियां चला रहा था। उसके पास से मोबाइल फोन मिलने की बात भी जांच एजेंसियों ने कही थी। इसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ मकोका के तहत कार्रवाई की। मकोका एक ऐसा कानून है, जिसका इस्तेमाल संगठित अपराध से जुड़े मामलों में किया जाता है।

डीयू कार्यकारी परिषद ने विरोध के बीच सेमेस्टर अवे प्रोग्राम और सीधे पीएचडी प्रवेश को मंजूरी दी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की कार्यकारी परिषद ने बृहस्पतिवार को विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ मिलकर स्नातक छात्रों के लिए सेमेस्टर अवे प्रोग्राम शुरू करने को मंजूरी दे दी। साथ ही, परिषद ने चार साल के स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रम से सीधे पीएचडी में दाखिले को भी मंजूरी दे दी। ये फैसले ऐसे समय में लिए गए, जब परिषद के निर्वाचित सदस्यों ने इन प्रस्तावों पर चिंता जताई और आशंका व्यक्त की कि इससे विश्वविद्यालय की डिग्रियों की गरिमा और मान्यता कमजोर हो सकती है। ये फैसले कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह की अध्यक्षता में हुई दिल्ली विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद की बैठक में लिए गए। स्नातक पाठ्यचर्या रूपरेखा (यूजीसीएफ)-2022 के तहत प्रस्तावित सेमेस्टर अवे प्रोग्राम (एसएपी) पर विश्वविद्यालय पहले भी विचार कर चुका था और इस पर शैक्षणिक परिषद में भी चर्चा हुई थी।

संत रविदास की 650वीं जयंती पर भाजपा मनाएगी सात माह लंबा उत्सव

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। संत रविदास की 650वीं जन्म जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देशभर में सात माह लंबे उत्सव का आयोजन करने जा रही है। इसी क्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने वाराणसी में संत रविदास की जन्मस्थली पर आयोजित कार्यक्रम में देशभर से पहुंचे भाजपा के प्रदेश संगठनों को उनकी जन्मस्थली की पवित्र मिट्टी से भरे कलश सौंपे। इन कलशों को संबंधित राज्यों के गांव-गांव और गली-गली तक ले जाया जाएगा। दिल्ली भाजपा की 11 सदस्यीय टीम भी संत रविदास की जन्मस्थली की पवित्र मिट्टी का कलश लेकर शुक्रवार को दिल्ली पहुंची। दिल्ली-नोएडा सीमा पर दिल्ली सरकार के मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम, दिल्ली भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष लाजपत राय, विधायक राजकुमार भाटिया एवं रविकांत, दिल्ली भाजपा के उपाध्यक्ष विनोद बछेती एवं कौशल शर्मा, मंत्री गौरव खारी, प्रदेश प्रवक्ता यासिर जिलानी, कार्यालय मंत्री कैलाश जैन, मयूर विहार जिलाध्यक्ष विजेन्द्र धामा और शाहदरा जिलाध्यक्ष दीपक गाबा सहित अन्य नेताओं ने 11 सदस्यीय टीम का स्वागत किया। भाजपा के अनुसार आज दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा और अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्या 11 सदस्यीय टीम का संत रविदास विश्रामधाम, करोलबाग में अभिनंदन करेंगे।

सीजेपी प्रदर्शन के दौरान घायल पुलिसकर्मियों के परिजनों ने बताई आपबीती

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के घायल कर्मियों के परिवार वालों ने शुक्रवार को कांस्टीट्यूशन क्लब में पत्रकार वार्ता कर 20 और 25 जुलाई को कोकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और संसद चलो मार्च के दौरान हुए क्रूर हमलों का ब्योरा दिया। एक सब-इंस्पेक्टर की बेटी ने बताया कि कैसे असामाजिक तत्वों ने छात्रों का साथ दिया और उसके पिता को बैरिकेड से खींचकर घंटों तक बेहोश छोड़ दिया। एक सहायक आयुक्त की पत्नी ने अपने पति के घर लौटने को अपने और अपनी दो साल की बेटी के लिए दर्दनाक रात बताया। जबकि एक अन्य महिला ने बताया कि उनके पति के हेलमेट को पत्थरों और गमलों से क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। दिल्ली में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में घायल हुए दिल्ली पुलिस के एक सब-इंस्पेक्टर की बेटी का कहना था, 25 तारीख को, मेरे पिता को उपद्रवियों की भीड़ ने खींच लिया और जंतर-मंतर पर मंच के पास लगभग पीट-पीटकर मार डाला। यह घटना 25 जुलाई को दोपहर लगभग 2:00 बजे हुई। वे आरएमएल अस्पताल में लगभग चार घंटे तक बेहोश रहे। रात लगभग 10:00 बजे, उनके साथी उन्हें घर लाए। उनकी वर्दी पूरी तरह से खून से सनी हुई थी। उन्हें उस हालत में देखना हमारे लिए बेहद दर्दनाक था। उसने कहा कि दुख के साथ उन्होंने फैसला किया कि उन्हें भी अपने पिता के लिए न्याय मांगना चाहिए। उन्हें अन्य पुलिसकर्मियों के परिवारों से समर्थन मिला और वे सुप्रीम कोर्ट गए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अपना मामला पेश करने के लिए एक वकील से अनुरोध किया। वकील ने उन्हें आश्वासन दिया कि देश के नागरिक होने के नाते उन्हें भी समान अधिकार प्राप्त हैं और उन्हें भी न्याय मिलेगा।

दिल्ली दंगे: उमर खालिद की जमानत याचिका पर उच्च न्यायालय ने पुलिस से जवाब मांगा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 2020 में हुए दंगों से जुड़े मामले के आरोपी उमर खालिद की जमानत याचिका पर शुक्रवार को दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने मामले में नोटिस जारी करते हुए दिल्ली पुलिस को दो सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा। खालिद के वकील ने कहा कि गिरफ्तारी के बाद यह उसकी तीसरी जमानत याचिका है और उसने मामले में अंतरिम जमानत का भी अनुरोध किया है। पीठ ने कहा कि वह खालिद की याचिका पर 27 अगस्त को सुनवाई करेगी। इसी दिन सह-आरोपी शरजील इमाम की जमानत याचिका भी सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। खालिद ने अधीनस्थ अदालत के चार जुलाई के उस फैसले को चुनौती दी है जिसमें उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। दिल्ली पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू ने कहा कि अधीनस्थ अदालत ने इसी आदेश में इमाम की जमानत याचिका भी खारिज कर दी थी इसलिए पीठ दोनों मामलों पर एक साथ सुनवाई कर सकती है। सितंबर 2020 में गिरफ्तार खालिद के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। उस पर फरवरी 2020 के दंगों के मुख्य साजिशकताओं में शामिल होने का आरोप है। इन दंगों में 53 लोगों की मौत हुई थी और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 और राष्ट्रीय नागरिक पंजी के विरोध में हुए प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़की थी। दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा उस कथित व्यापक साजिश के मामले की जांच कर रही है जिसमें शरजील इमाम और खालिद सैफी तथा आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत कई लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है अधीनस्थ अदालत ने चार जुलाई को उमर खालिद की जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था कि उसके पास उच्चतम न्यायालय के पांच जनवरी के आदेश का पालन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है और इसलिए वह न तो याचिका पर विचार कर सकती है और न ही उन्हें राहत दे सकती है।

राज्यसभा में उठी गुरुग्राम में हाईकोर्ट सर्किट बेंच की मांग

ढ़ संजय भाटिया बोले-दक्षिण हरियाणा से चंडीगढ़ दूर, समय-खर्च बचेगा, फिजिबिलिटी स्टडी की जाए

प्रात : किरण संवाददाता

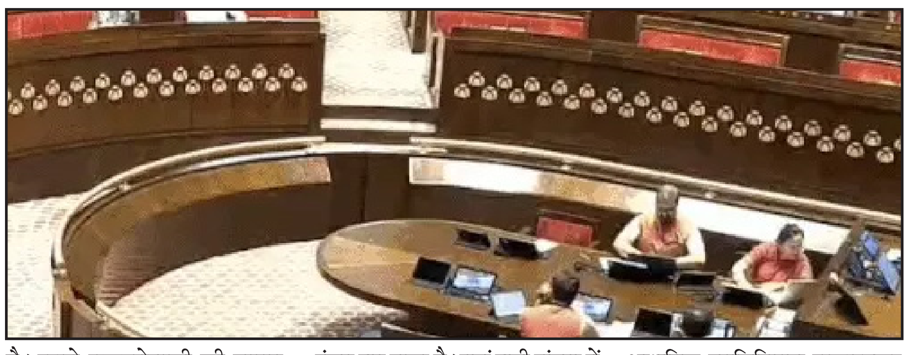

गुरुग्राम। हरियाणा से राज्यसभा सदस्य संजय भाटिया ने शून्यकाल के दौरान गुरुग्राम में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की सर्किट बेंच स्थापित करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि यह एक्सेस टू जस्टिस, ज्यूडिशियल डिसेंट्रालाइजेशन और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से जुड़ा राष्ट्रीय महत्व का मुद्दा है सदन में मुद्दा उठाते हुए सांसद ने कहा कि वर्तमान में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट केवल चंडीगढ़ में स्थित होने के कारण गुरुग्राम, फरीदाबाद, नूंह, पलवल, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़ तथा दक्षिण हरियाणा के अन्य जिलों के लाखों लोगों, वकीलों, उद्योगों, एमएसएमई और कॉर्पोरेट संस्थानों को चंडीगढ़ जाना पड़ता है। इससे मुकदमेबाजी की लागत, यात्रा का समय और अवसर लागत में अनावश्यक वृद्धि होती है और समयबद्ध न्याय प्राप्त करने में कठिनाई आती है।

देश का प्रमुख आईटी हब, कॉर्पोरेट केंद्र

संजय भाटिया ने कहा कि गुरुग्राम आज देश का प्रमुख आईटी हब, कॉर्पोरेट केंद्र, वित्तीय सेवाओं का महत्वपूर्ण केंद्र, स्टार्टअप इकोसिस्टम तथा औद्योगिक विकास का प्रमुख इंजन बन चुका है। यहां बड़ी संख्या में वाणिज्यिक विवाद, श्रम संबंधी मामले, भूमि अधिग्रहण, मध्यस्थता, कर विवाद, दिवालियापन तथा संवैधानिक मामलों से जुड़े मामले होते हैं। ऐसे में यहां हाईकोर्ट की सर्किट बेंच स्थापित होना समय की आवश्यकता है।

टॉवर ऑफ जस्टिस बनाया गया

उन्होंने बताया कि हाल ही में यहां अत्याधुनिक टॉवर ऑफ जस्टिसह्व का उद्घाटन किया गया है, जिसमें आधुनिक ज्यूडिशियल इन्फ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल कोर्टरूम और ई-कोर्ट सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह परिसर हाईकोर्ट की सर्किट बेंच के संचालन के लिए उपयुक्त आधार प्रदान करता है।

ज्यूडिशियल का डिसेंट्रालाइजेशन

सांसद ने संविधान के अनुच्छेद 39अ का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य का दायित्व है कि प्रत्येक नागरिक को समान न्याय उपलब्ध कराया जाए। वहीं अनुच्छेद 21 के अंतर्गत त्वरित न्याय को भी जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का अभिन्न हिस्सा माना गया है। इसलिए ज्यूडिशियल का डिसेंट्रालाइजेशन केवल प्रशासनिक आवश्यकता नहीं बल्कि संवैधानिक दायित्व भी है।

फिजिबिलिटी स्टडी जल्द शुरू की मांग

उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि हरियाणा सरकार, पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट तथा अन्य संबंधित विभागों के साथ परामर्श कर गुरुग्राम में हाईकोर्ट की सर्किट बेंच स्थापित किए जाने की फिजिबिलिटी स्टडी जल्द शुरू की जाए। इससे न्याय तक आसान, सुलभ और समयबद्ध पहुंच सुनिश्चित होगी, लंबित मामलों का बोझ कम होगा तथा दक्षिण हरियाणा में कानून के शासन, निवेशकों के विश्वास और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को नई गति मिलेगी।

फरीदाबाद में पार्षद-एठ विवाद में केंद्रीय मंत्री की एंट्री

बोले-कानून हाथ में लेने का अधिकारी नहीं, विधायक या सीएम से करते शिकायत

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद । जिले के बल्लभगढ़ में पार्षद दीपक यादव और नगर निगम के एठ के बीच चल रहे विवाद में अब केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर की एंट्री हो चुकी है। गुर्जर ने कहा कि किसी को भी कानून को हाथ में लेने का कोई हक नहीं है। मंत्री ने कहा कि पार्षद को अगर कोई परेशानी थी तो वो संबंधित विधायक, नगर निगम कमिश्नर, मंत्री या सीएम किसी से भी शिकायत कर सकते थे। देश में लोकतंत्र है सबको अपनी बात रखने का हक है, लेकिन सरकारी ऑफिस पर ताला लगाना गलत है। 28 जुलाई को वार्ड-42 के निर्दलीय पार्षद दीपक यादव ने बल्लभगढ़ नगर निगम जोन कार्यालय में पहुंचकर नगर निगम के कार्यकारी अभियंता (XEN) डालचंद शर्मा के कार्यालय के बाहर जंजीर और ताला लगाकर उसे बंद कर दिया। उनका कहना था कि वार्ड-43 में सुषमा स्वराज कॉलेज से लेकर तिरखा कॉलोनी की गली होते हुए तिगांव रोड तक मुख्य सीवर लाइन डालने का कार्य स्वीकृत हुआ था। करीब 15 दिन पहले इस कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया था और ठेकेदार को वर्क ऑर्डर भी जारी कर दिया गया था। वर्क ऑर्डर जारी होने के बाद 4 दिन के भीतर काम शुरू हो जाना चाहिए था, लेकिन कई दिन बीतने के बाद भी मौके पर कोई काम शुरू नहीं हुआ। एठ डालचंद के साथ कथित अभद्र व्यवहार के विरोध में बुधवार से कर्मचारी नगर निगम मुख्यालय पर अधिकारियों और कर्मचारियों ने कामकाज बंद कर धरना दे रहे हैं। उनकी मांग की है कि पार्षद पवन यादव ने एक अधिकारी के साथ गलत बर्ताव किया है। कर्मचारियों ने मांग की है कि पवन यादव के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज किया जाए।

मंत्री गुर्जर बोले- कानून को हाथ में लेने का हक नहीं

इस मामले पर बोलते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि देश में लोकतंत्र है। सबको अपनी बात रखने का पूरा हक है। लेकिन किसी को कानून हाथ में लेने का हक नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर पार्षद को कोई शिकायत थी कि पहले स्थानीय विधायक और उच्च अधिकारियों से मिलना चाहिए था। लेकिन इस तरह से ताला लगाना गलत है।

फरीदाबाद में करंट लगने से 2 लोगों की मौत

सीवर लाइन का गड्ढा खोदते समय बिजली की तार छू हुई; मकान मालिक पर केस दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। के सेक्टर-14 में सीवर लाइन पाइप को जोड़ने के लिए गड्ढा खोदते समय करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने दोनों के शव पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर मकान मालिक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि सेक्टर-14 स्थित कोठी नंबर-692 के बाहर सीवर लाइन को जोड़ने के लिए गड्ढा खोदने का काम चल रहा था। इसी दौरान जमीन के अंदर से गुजर रही बिजली लाइन के संपर्क में आने से दो मजदूरों करंट लग गया। करंट इतना तेज था कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान मनीष (55), निवासी सेक्टर-3 और शहंशाह (29), निवासी सेक्टर-2 के रूप में हुई है। दोनों ही मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं।

साथी मजदूरों ने मकान मालिक पर लगाए आरोप

हादसे के समय मजदूर राम रहीशा, सूरज और रतीराम भी मौके पर मौजूद थे। उनका आरोप है कि मकान मालिक सुशील को जमीन के अंदर से गुजर रही बिजली की लाइन की जानकारी थी, लेकिन काम शुरू कराने से पहले इसकी सूचना मजदूरों को नहीं दी गई। उनका कहना है कि यदि पहले से जानकारी दी जाती तो यह हादसा टाला जा सकता था।

पुलिस ने केस दर्ज किया, जांच शुरू

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बादशाह खान नागरिक अस्पताल की मॉर्च्युरी में भिजवा दिया। जहां पर शव को पोस्टमार्टम कराकर शव को परिजनों को हवाले कर दिया। सेंट्रल थाना इंचार्ज ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने मकान मालिक सुशील के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

CJP स्टूडेंट्स पर दर्ज FIR वापस लो, कोर्ट-स्कूल उड़ा देंगे

गुरुग्राम में क्लासरूम खाली कराए, कोर्ट में काम रुका; खालिस्तान नेशनल आर्मी के नाम पर थ्रेट

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा के कई कोर्ट परिसरों और गुरुग्राम के डीसी ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। खुद को खालिस्तान नेशनल आर्मी बताने वाले संगठन की ओर से भेजे गए ई-मेल में गुरुग्राम के सभी स्कूलों और संसद भवन में भी बम धमाके करने की धमकी दी गई है। ई-मेल में लिखा गया है कि कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के छात्रों पर दर्ज त्रक्र वापस ली जाए। ऐसा नहीं होने पर 5 अगस्त तक सिलसिलेवार बम धमाके किए जाएंगे। धमकी मिलने के बाद हरियाणा की सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर आ गई हैं। सूचना मिलते ही गुरुग्राम पुलिस ने जिला कोर्ट परिसर और लघु सचिवालय को तत्काल खाली करा दिया। एहतियात के तौर पर कोर्ट की

कार्यवाही भी कुछ समय के लिए रोक दी गई। डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते ने पूरे परिसर की गहन तलाशी ली। वहीं, पंचकूला, फतेहाबाद, जींद में भी कोर्ट परिसरों में सर्च अभियान चलाया गया। फतेहाबाद की रढ निकिता खट्टर ने कोर्ट परिसर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था और तलाशी अभियान का जायजा लिया।

मेल में क्या धमकी दी गई

खालिस्तान नेशनल आर्मी की तरफ से शुक्रवार सुबह 8 बजकर 20 मिनट पर धमकी भरा मेल भेजा गया। इसमें गुरुग्राम डीसी ऑफिस में 3:11 बजे, गुरुग्राम के स्कूलों में 1:11 बजे, हरियाणा की कोर्ट में 2:11 बजे और दिल्ली में संसद में 4:11 बजे धमाके करने की धमकी दी गई। मेल में लिखा- स्कूलों में वंदे मातरम बोलना बंद करो, अगर ऐसा नहीं हुआ तो 15 अगस्त तक स्कूलों में धमाके किए जाएंगे। स्कूलों में कोई भी 15 अगस्त न मनाने की भी धमकी दी गई है। मेल के लास्ट में खालिस्तान नेशनल आर्मी के तरफ से इंजीनियर गुरांख सिंह और रुकन सहवाला का नाम लिखा गया है। गुरुग्राम जिला कोर्ट परिसर और लघु सचिवालय को तुरंत खाली करा दिया गया। डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते ने पूरे परिसर की तलाशी ली। कुछ स्कूलों ने एहतियातन क्लासरूम खाली करा दिए, जबकि कई अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल से घर ले गए। मेल में दिल्ली के संसद भवन का भी जिक्र होने के बाद गुरुग्राम पुलिस ने इसकी सूचना तुरंत दिल्ली पुलिस और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को दी। फतेहाबादः कोर्ट परिसर खाली, एसपी ने संभाला मोर्चा फतेहाबाद कोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पूरे परिसर को खाली करा दिया गया।

फरीदाबाद में करंट लगने से 12वीं की छात्रा की मौत

कपड़े प्रेस करते समय हादसा; दिल्ली की रहने वाली, मामा की बरसी पर आई थी

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। पुलिस जांच अधिकारी जयसिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मिली जानकारी के अनुसार तान्या (20) गांव मच्छगर में अपने ननिहाल आई हुई थी। यहां पर उसके मामा की बरसी का प्रोग्राम था। सुबह परिवार के सभी लोग घर के बाहर काम कर रहे थे। सब प्रोग्राम की तैयारी में जुटे हुए थे। तान्या के मामा ने बताया कि वह सभी दिल्ली रहते हैं और एक दिन पहले ही बरसी के लिए अपने गांव आए थे।

कपड़े प्रेस करते समय लगा करंट

मामा जयवीर के मुताबिक, तान्या कमरे में कपड़े प्रेस कर रही थी। इसी दौरान उसे अचानकर करंट लग गया। चीखने की आवाज

सुनकर वह कमरे में गए तो तान्या बेहोश पड़ी मिली। तुरंत उसे प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शव परिजनों को सौंपा

आईएमटी चौकी पुलिस जांच अधिकारी जयसिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें अस्पताल से हादसे की जानकारी मिली थी। जिसके बाद पुलिस ने शव का बीके अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया और शव को परिजनों के हवाले कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गुरुग्राम में 40 दुकानदारों के काटे गए चालान

32 हजार 500 रुपए का जुमार्ना लगाया, डस्टबिन और सिंगल-यूज प्लास्टिक पर कार्रवाई

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। नगर निगम ने शहर को स्वच्छ और प्लास्टिक-मुक्त बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को ट्रंक मार्केट क्षेत्र में एक विशेष अभियान चलाया। इस दौरान व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर डस्टबिन न होने और प्रतिबंधित सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग के मामलों में कार्रवाई की गई। कुल 40 दुकानदार एवं ठेली चालकों के चालान काटे गए और 32 हजार 500 रुपए का जुमार्ना लगाया गया। यह कार्रवाई संयुक्त आयुक्त-6 डॉ. प्रीतपाल सिंह के निर्देश पर जोन-6 में सफाई निरीक्षक और सहायक सफाई निरीक्षक की टीम द्वारा की गई। टीम ने बाजार क्षेत्र का गहन निरीक्षण किया और उन दुकानदारों व प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की, जिन्होंने नगर निगम के स्वच्छता और प्लास्टिक प्रतिबंध संबंधी नियमों का उल्लंघन किया था। दुकानदारों को डस्टबिन रखने के दिए निर्देश अभियान के दौरान अधिकारियों ने व्यापारियों और दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिए। उन्हें बताया गया कि प्रत्येक प्रतिष्ठान पर डस्टबिन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए और प्रतिबंधित सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह बंद किया जाए। साथ ही, उन्हें स्वच्छता नियमों का पालन करने के लिए भी जागरूक किया गया। नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया ने इस संबंध में कहा कि गुरुग्राम को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक-मुक्त बनाने के लिए निगम लगातार अभियान चला रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने सभी नागरिकों, व्यापारियों और प्रतिष्ठान संचालकों से अपील की कि वे अपने परिसर में डस्टबिन की व्यवस्था सुनिश्चित करें, प्रतिबंधित सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें और स्वच्छ गुरुग्राम के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनें।

फरीदाबाद में गाड़ी की टक्कर से युवक की मौत

शोरूम में सेल्स एजेंट था, बाइक पर ड्यूटी से लौट रहा, ड्राइवर हुआ मौके से फरार

फरीदाबाद। के पल्ला थाना क्षेत्र में पल्ला पुल से बाइपास रोड जाने वाले रास्ते पर हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पल्ला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बादशाह खान सिविल अस्पताल भिजवाया। शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस अज्ञात वाहन ड्राइवर की तलाश में जुटी है और मामले की जांच कर रही है। मृतक की पहचान 36 वर्षीय अजीत कुमार निवासी पॉप कॉलोनी, हरकेश नगर, पल्ला के रूप में हुई

है। वह एक निजी कंपनी के शोरूम में सेल्स एजेंट के पद पर कार्यरत था। ड्यूटी समाप्त कर घर लौट रहा था युवक परिजनों के अनुसार गुरुवार रात करीब 10 बजे अजीत अपनी ड्यूटी समाप्त कर बाइक से घर लौट रहा था। जब वह पल्ला पुल से बाइपास रोड की ओर जा रहा था, तभी किसी अज्ञात बड़े वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अजीत सड़क पर गिर गया और उसके सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने फोन कर दी परिजनों को सूचना मृतक के भाई सोनू ने बताया कि रात करीब साढ़े नौ से दस बजे के बीच उन्हें पुलिस ने फोन कर हादसे की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे, जहां पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल भिजवा दिया था। उन्होंने बताया कि परिवार को यह नहीं पता कि किस वाहन ने अजीत की बाइक को टक्कर मारी। इस हादसे के बाद परिवार में मातम का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पल्ला थाना प्रभारी सत्य प्रकाश ने बताया कि सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बादशाह खान सिविल अस्पताल में रखवाया। सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हरकेश नगर की पॉप कॉलोनी निवासी अजीत कुमार की मौत किसी अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से हुई है। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और अज्ञात वाहन चालक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

गुरुग्राम में इखढ नेता ने ज्वाइंट सेक्रेटरी को पीटा

सड़क पर दौड़ा-दौड़ा कर लाठियां बरसाईं, कपड़े फाड़े, थप्पड़ मारे; पड़ोसी खड़े देखते रहे

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम के पॉश इलाके सेक्टर-67E में बीजेपी नेता की दबंगई का मामला सामने आया है। अंसल वर्सालिया सोसाइटी के एच ब्लॉक में रहने वाले भाजपा ओर उसके परिवार ने मामूली विवाद में आरडब्ल्यूए के ज्वाइंट सेक्रेटरी और उसकी पत्नी पर लाठी-डंडों और लात-घूसों से जानलेवा हमला कर दिया। इसका एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हमलावर बीच सड़क पर दंपती को सड़क पर दौड़ा-दौड़ा कर पीटती दिखाई दे रही है। कपड़े फाड़ने का भी आरोप है। हैरानी की बात यह रही कि शोर शराबा सुनकर पड़ोसी बाहर तो आए, लेकिन हमलावरों की गुंडागर्दी देख किसी ने बीच बचाव की कोशिश नहीं की। गुरुवार की देर रात हुई इस वारदात के बाद पीड़ित दंपती ने डायल

112 पर कॉल कर पुलिस को मौके पर बुलाया लिया और पूरी कहानी बताई। पीड़ित ने ज्वाइंट सेक्रेटरी ने जिस मनीष हरसाना की शिकायत दी है, वह भाजपा का सक्रिय कार्यकर्ता है और वार्ड 15 से उसकी पत्नी भारती पार्षद है।

यहां सिलसिलेवार ढंग से जानिए पूरा मामला

सड़क पर कूड़ा डालने का विरोध किया था : प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक एक युवक आरडब्ल्यूए के ज्वाइंट सेक्रेटरी प्रयाग और उसकी पत्नी शालिनी गुप्ता के घर के पास कूड़ा डाल रहा था। परिवार ने घर के पास कूड़ा डालने से मना किया था। यह बात आरोपियों को इतनी नागवार गुजरी कि उन्होंने आव देखा न ताव और गाली-गलौज शुरू कर दी। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी पक्ष के कई लोग लाठी, डंडे और सरिए लेकर बाहर निकल आए और प्रयाग के परिवार पर टूट पड़े।

सड़क पर दौड़ा-दौड़ा कर पीटा : वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि हमलावर किस कदर बेखौफ होकर गुंडागर्दी कर रहे हैं। दबंगों ने ज्वाइंट सेक्रेटरी परिवार के पुरुष ही नहीं, बल्कि महिला को भी नहीं बख्शा। बीच सड़क पर पूरे परिवार को दौड़ा-दौड़ा कर लात-घूसों और डंडों से पीटा गया। पीड़ित जान बचाने के लिए भागते रहे, लेकिन हमलावर उन्हें घेरकर मारते रहे।

पड़ोसियों ने बचाने की कोशिश नहीं की : देर रात हुई इस हिंसक झड़प और पीड़ित परिवार की चीख-पुकार से अंसल वर्सालिया सोसाइटी में दहशत का माहौल बन गया। शोर सुनकर कुछ पड़ोसी बाहर जरूर आए, लेकिन हमलावरों के गुस्से और लाठी-डंडों को देखकर किसी की बीच-बचाव करने की हिम्मत नहीं हुई।

पुलिस बुलाने के बाद भी कार्रवाई नहीं : वारदात के तुरंत बाद पीड़ित प्रयाग ने किसी तरह खुद को बचाया और तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना देकर पुलिस बुलाई। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाला। हालांकि, इस मामले में हैरान करने वाली बात यह है कि पुलिस का रवैया सुस्त रहा। पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना को कई घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस ने अभी तक हमलावरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की है।

पुलिस बोली- जांच के बाद की जाएगी कार्रवाई

इस संबंध में सेक्टर-65 थाना के एसएचओ रामबीर का कहना है कि रात को पुलिस कंट्रोल रूम की टीम मे माध्यम से झगड़े की शिकायत मिली थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक टीम मौके पर गई थी। आज सुबह ज्वाइंट सेक्रेटरी की तरफ से लिखित में शिकायत दी गई है। इस मामले की निष्पक्ष तरीके से जांच की जा रही है और जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

अल-फलाह में स्पॉन्सर नोट प्रक्रिया पूरी करने की मांग

फरीदाबाद। दिल्ली लाल किला ब्लास्ट के बाद चर्चा में आई फरीदाबाद की अल-फलाह स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर के एक एमबीबीएस छात्र के अभिभावक ने यूनिवर्सिटी प्रशासन से विश्व स्तर पर मान्यता से जुड़ी प्रक्रिया जल्द पूरी करने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में यूनिवर्सिटी के डीन, प्रिंसिपल और रजिस्ट्रार को ई-मेल भेजकर आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। साल 2023 बैच के एक एमबीबीएस छात्र के पिता दिल्ली के द्वारका निवासी जसवीर सिंह देसवाल ने अपने पत्र में कहा है कि यूनिवर्सिटी को वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मेडिकल स्कूल्स (WDOMS) में ईसीएफएमजी स्पॉन्सर नोट (ECFMG Sponsor Note) से जुड़ी प्रक्रिया जल्द पूरी करनी चाहिए। ईसीएफएमजी स्पॉन्सर नोट एक आधिकारिक मान्यता संबंधी टिप्पणी (मान्यता नोट) होती है, जो विश्व चिकित्सा महाविद्यालय निर्देशिका (वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मेडिकल स्कूल्स-हऊ्डटर) में किसी मेडिकल कॉलेज की प्रोफाइल पर दर्ज की जाती है। यह दशार्ती है कि उस मेडिकल कॉलेज से स्नातक होने वाले विद्यार्थी एजुकेशनल कमिशन फॉर फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट्स (ECFMG) द्वारा निर्धारित पात्रता शर्तों के अनुसार प्रमाणन (ECFMG Certification) के लिए आवेदन करने के योग्य हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कई भारतीय मेडिकल कॉलेजों के छात्रों को विदेश में मेडिकल लाइसेंस की परीक्षाएं, जैसे यूएसएमएलई (USMLE) और पीएलएबी (PLAB), देने में परेशानी हो रही है।

फरीदाबाद में PNB लॉकर से 25 लाख के गहने गायब

चाबी नहीं लगी तो लॉकर तोड़ा, पुलिस बोलीं- फोरेंसिक जांच होगी

फरीदाबाद शहर में बैंक लॉकर की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। ओल्ड फरीदाबाद स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की शाखा के एक लॉकर से करीब 25 लाख रुपए मूल्य के सोने के आभूषण गायब हो गए। लॉकर धारक ने बैंक प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए ओल्ड थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। सेक्टर-28 निवासी महिला सुदेश कपूर के अनुसार उन्होंने वर्ष 2013 में पीएनबी की ओल्ड फरीदाबाद शाखा में लॉकर लिया था। परिवार के उपयोग के लिए उन्होंने उसमें अपने और परिजनों के सोने के आभूषण सुरक्षित रखे थे। किसी पारिवारिक समारोह या शादी के अवसर पर जरूरत पड़ने पर वे लॉकर से गहने निकालती थीं। सुदेश कपूर ने बताया कि उन्होंने अब तक करीब 40 बार लॉकर संचालित किया है। अंतिम बार उन्होंने 18 मई 2024 को लॉकर खोला था। इसके बाद 7 मार्च को बेटे आशीष के साथ बैंक पहुंचीं, लेकिन उनकी चाबी लॉकर में नहीं लगी, जबकि बैंक की मास्टर चाबी लग गई। बैंक अधिकारियों ने तकनीकी समस्या बताकर बाद में आने को कहा। इसके बाद 21 जुलाई को दोबारा प्रयास किया गया, लेकिन इस बार भी लॉकर नहीं खुला। बैंक की सलाह पर लॉकर तोड़ने की सहमति दी गई। सुदेश कपूर का आरोप है कि 28 जुलाई को बैंक द्वारा लॉकर तुड़वाया गया तो उसके अंदर रखे सभी सोने के आभूषण गायब थे।

गुरुग्राम में गुरु रविदास की कलश यात्रा का स्वागत

विधायक मुकेश बोले-वाराणसी से लाई गई पवित्र मिट्टी; 4 अगस्त को मुख्यमंत्री जिलाध्यक्षों को सौंपेंगे

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। गुरु रविदास की 650वीं जयंती को जन-जन का उत्सव बनाने के उद्देश्य से निकाली जा रही पवित्र कलश यात्रा का गुरुग्राम पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। इस पवित्र कलश यात्रा का विभिन्न स्थानों पर नागरिकों, सामाजिक संगठनों एवं श्रद्धालुओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। एंबिएंस मॉल से प्रारंभ होकर यात्रा शंकर चौक, सिग्नेचर टावर, राजीव चौक, सोहना चौक, प्रेम मंदिर, न्यू कॉलोनी मोड़, सेक्टर-4-7 होते हुए शीतला माता मंदिर पहुंची। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर कलश यात्रा का अभिनंदन किया और गुरु रविदास के जयघोष के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सत्य प्रकाश जरावता के नेतृत्व में सर्वसमाज

का प्रतिनिधिमंडल वाराणसी से पवित्र कलश एवं गुरु रविदास की जन्मस्थली की पवित्र मिट्टी लेकर गुरुग्राम पहुंचा है। दिल्ली बॉर्डर पर स्वागत करने पहुंचे मंत्री और विधायक इस यात्रा का स्वागत करने के लिए विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जातियां एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, पूर्व मंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़, सोहना के विधायक तेजपाल तंवर, गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा पहलवान दिल्ली बॉर्डर पर पहुंचे। समाज को जोड़ने का माध्यमः विधायक विधायक मुकेश शर्मा पहलवान ने बताया कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी का जीवन सामाजिक समरसता, समानता, मानवता और भाईचारे का संदेश देता है। उनकी 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में निकाली जा रही यह यात्रा समाज को उनके विचारों से जोड़ने और सामाजिक एकता को मजबूत करने का माध्यम बनेगी। मुख्यमंत्री सभी जिलाध्यक्षों को सौंपेंगे विधायक ने बताया कि वाराणसी से लाई गई संत शिरोमणि गुरु रविदास की जन्मस्थली की पवित्र मिट्टी एवं कलश को माता शीतला देवी मंदिर में विधिवत स्थापित किया गया। इसके बाद 4 अगस्त को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता द्वारा यह पवित्र मिट्टी प्रदेश के सभी 27 संगठनात्मक जिलों के जिला अध्यक्षों एवं सामाजिक प्रतिनिधियों को सौंपी जाएगी। जयंती कार्यक्रमों में होगा प्रयोग सभी जिलों में गुरु रविदास की 650वीं जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में इस पवित्र मिट्टी का उपयोग किया जाएगा, ताकि संत गुरु रविदास जी के सामाजिक समरसता, समानता और मानवता के संदेश को जन-जन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण जानकारी

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों की संचालन अवधि में बढ़ोतरी

सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों की संचालन अवधि को निम्नानुसार बढ़ाने का निर्णय लिया गया है :—

रेलगाड़ी सं.	से	तक	फ्रीक्वेंसी	पूर्व घोषित तिथि	विस्तारित तिथि	फेरे
02563	बरौनी जं.	नई दिल्ली	प्रतिदिन	31.07.2026	31.08.2026	31
02564	नई दिल्ली	बरौनी जं.	प्रतिदिन	01.08.2026	01.09.2026	31
02569	दरभंगा	नई दिल्ली	प्रतिदिन	31.07.2026	31.08.2026	31
02570	नई दिल्ली	दरभंगा	प्रतिदिन	01.08.2026	01.09.2026	31
03639	धनबाद	शकूर बस्ती	सोम, शुक्र	31.07.2026	31.08.2026	09
03640	शकूर बस्ती	धनबाद	मंगल, शनि	01.08.2026	01.09.2026	09
05579	पूर्णियाँ कोर्ट	आनन्द विहार (ट.)	शुक्र, रवि	31.07.2026	30.08.2026	09
05580	आनन्द विहार (ट.)	पूर्णियाँ कोर्ट	रवि, मंगल	02.08.2026	01.09.2026	09
05575	सहरसा	आनन्द विहार (ट.)	मंगलवार	28.07.2026	25.08.2026	04
05576	आनन्द विहार (ट.)	सहरसा	गुरूवार	30.07.2026	27.08.2026	04

नोट : अन्य विवरण पूर्ववत रहेंगे।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलवे पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें ।

2653/26

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें:– www.railmadad.indianrailways.gov.in

रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे

सदैव आपकी सेवा में

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सम्पादकीय

जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन: विरोध का पांच हफ्ते का दौर

दीपांकर भट्टाचार्य

धर्मेंद्र प्रधान के कार्यकाल में बार-बार पेपर लीक होने की घटनाओं के लिए उनसे इस्ती$फे की मांग उठी थी। अब सरकार पेपर लीक की समस्या से निपटने के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने और दोषियों को सख्त सजा देने का प्रस्ताव कर रही है। यह तथाकथित ह्यफास्ट-ट्रैकह्न उपाय असल में पेपर लीक की असली समस्या का समाधान नहीं है। जरा कुछ जरूरी तथ्यों पर गौर करें। युवाओं के पांच हफ्ते तक चले अभूतपूर्व विरोध प्रदर्शनों ने मोदी सरकार के अहंकार और 2014 में सत्ता में आने के बाद से नरेंद्र मोदी के अजेय होने के भ्रम को सबसे बड़ा झटका दिया है। पुलिस की बर्बरता से लेकर लोगों की सोच को प्रभावित करने की तमाम तरकीबों तक, सरकार ने नाकाम शिक्षा मंत्री को बचाने के लिए हर मुमकिन कोशिश की, लेकिन इस बार कोई भी तरीका काम नहीं आया। खासकर पिछले एक हफ्ते में, आंदोलन को रोकने की कोशिशें - जैसे 18 जुलाई को जंतर-मंतर से सोनम वांगचुक का सुबह-सुबह आपत्तिजनक तरीके से उठाकर ले जाना और 20 जुलाई को संसद तक ऐतिहासिक मार्च पर पुलिस की चौंकाने वाली कार्रवाई के बाद मोदीजी की आधी रात को बार-बार वीडियो अपील- उल्टी पड़ गईं और विरोध-प्रदर्शनों की तीव्रता और देशव्यापी विस्तार को और बढ़ा दिया, जिससे सरकार के पास धर्मेंद्र प्रधान की बलि देने के अलावा कोई चारा नहीं बचा। हालांकि विरोध आंदोलन ने अपनी सबसे तात्कालिक मांग पूरी कर ली है, लेकिन पूरे भारत में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अत्याचार और उत्पीड़न में कोई कमी नहीं आई है। सैंकड़ों कार्यकर्ता अभी भी बिहार की जेलों में बंद हैं और लोगों को फंसाकर गिरफ्तार किया जा रहा है। गिरफ्तार प्रमुख नेताओं में जेएनयू एसयू के पूर्व महासचिव और पालीगंज से फिर से चुने गए सीपीआई (एमएल) विधायक संदीप सौरभ, जेएनयू एसयू के पूर्व अध्यक्ष धनंजय कुमार, बिहार एआईएसए नेता सबा आफरीन और दीपांकर, पटना विश्वविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष शांतनु शेखर और कई अन्य शामिल हैं। पश्चिम बंगाल में, भाजपा सरकार प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार करने के लिए हाल ही में बने कठोर ह्यगुंडा दमन कानूनह्न का इस्तेमाल कर रही है, जिसमें खासकर मुस्लिम युवाओं को निशाना बनाया जा रहा है। सरकार के साथ सीजेपी की घोषित समझ के अनुसार, यह हिरासत में लिए गए सभी प्रदर्शनकारियों को रिहा करने और उन पर लगाए गए आरोपों और मामलों को वापस लेने के आश्वासन का उल्लंघन है। दिल्ली पुलिस द्वारा बर्बर बल और पैलेट गन के इस्तेमाल और सादे कपड़ों में लोगों द्वारा आरएएफ कर्मियों और अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर प्रदर्शनकारियों की पिटाई करने के भी पर्याप्त दस्तावेजी सबूत हैं। बिहार से पुलिस द्वारा एके-47 असॉल्ट राइफल के इस्तेमाल की खबरें हैं। खबरों के अनुसार, आरएएफ की महानिरीक्षक सीमा धुंधिया ने एक आंतरिक समीक्षा में भीड़ को नियंत्रित करने के नाम पर जरूरत से ज्यादा और अनावश्यक बल के इस्तेमाल को स्वीकार किया है। पुलिस के अपने नियमों के इस खुलेआम उल्लंघन के लिए कौन जवाबदेही लेगा? दिल्ली पुलिस अमित शाह के गृह मंत्रालय के अधीन काम करती है। गलती करने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई, अमित शाह की जवाबदेही और पूरे भारत में युवा आंदोलन के प्रदर्शनकारियों के लिए आम माफी लागू किए बिना आंदोलन के मौजूदा चरण का कोई अंत नहीं हो सकता। धर्मेंद्र प्रधान के कार्यकाल में बार-बार पेपर लीक होने की घटनाओं के लिए उनसे इस्ती$फे की मांग उठी थी। अब सरकार पेपर लीक की समस्या से निपटने के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने और दोषियों को सख्त सजा देने का प्रस्ताव कर रही है। यह तथाकथित ह्यफास्ट-ट्रैकह्न उपाय असल में पेपर लीक की असली समस्या का समाधान नहीं है। जरा कुछ जरूरी तथ्यों पर गौर करें। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी एनटीए ने हाल ही में अपने लगभग 200 कर्मचारियों में से 47 को नौकरी से निकाल दिया है, लेकिन उनके नाम, पद और लीक में उनकी कथित भूमिका का खुलासा नहीं किया है। जब हर चार में से एक कर्मचारी के लीक में शामिल होने का शक हो, तो यह एनटीए की ईमानदारी पर ही सवाल खड़े करता है। अब समय आ गया है कि एनटीए को भंग कर दिया जाए और उसकी जगह एक नई एजेंसी बनाई जाए, जो संसदीय कानून के तहत काम करे और पारदर्शिता व जवाबदेही के नियमों का पालन करे।

करप्शन अगेंस्ट इंडिया

2004 से लेकर 2014 तक देश में यूपीए शासन रहा, जिसकी अगुवाई कांग्रेस ने की। इस सरकार पर 2010 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स, कोयला ब्लॉक आबंटन और 2जी स्पेक्ट्रम के आबंटन में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे। 2011 में अन्ना हजारे ने भ्रष्टाचार मिटाने के लिए लोकपाल लाने के नाम पर ही लंबा आंदोलन किया। जिसमें भाजपा और मीडिया का पूरा साथ रहा। तब फिल्म जगत के लोगों ने भी डॉ.मनमोहन सिंह का खूब मजाक उड़ाया। तब केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई पर भी सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए उसे पिंजरे का तोता कहा था। कांग्रेस के खिलाफ बने इस माहौल का ही असर था कि 2014 में भाजपा की सरकार बनी और इसके बाद कभी कांग्रेसमुक्त भारत तो कभी विपक्षमुक्त भारत बनाने की कोशिशें हुईं। यह और बात है कि भाजपा की ये कोशिशें नाकाम रहीं, मगर देश के लोकतांत्रिक ढांचे को इसमें जबरदस्त नुकसान हुआ है। ये सारी बातें इस समय करने की जरूरत पड़ रही है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कोयला ब्लॉक आबंटन मामले में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के खिलाफ आपराधिक मामले को बंद कर दिया और उन्हें समन जारी करने के आदेश को रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीबीआई ने 2014 में दो बार क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर साफ कहा था कि मनमोहन सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला चलाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं हैं। इसके बावजूद विशेष अदालत ने क्लोजर रिपोर्ट खारिज कर दी थी और 2015 में उन्हें आरोपी के रूप में तलब कर लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने अब कहा कि विशेष अदालत के पास सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को ठुकराने का कोई ठोस कारण नहीं था, इसलिए अदालत ने उस आदेश को रद्द करते हुए मामला गुण-दोष के आधार पर बंद कर दिया। चूंकि 27 दिसंबर 2024 में मनमोहन सिंह का निधन हो चुका था, इसलिए यह फैसला उन्हें मरणोपरांत कानूनी राहत देने वाला माना जा रहा है। डा. सिंह अपने निर्दोष होने के फैसले को सुनने के लिए इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन जनवरी 2014 में अपनी आखिरी प्रेस कांफ्रेंस में मनमोहन सिंह ने भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े सवाल पर कहा था, ह्यमैं इस मामले में थोड़ा दुःखी महसूस करता हूं क्योंकि मैंने ही इस बात पर जोर दिया था कि स्पेक्ट्रम आबंटन पारदर्शी और निष्पक्ष हो। मैं ही था जिसने जोर देकर कहा था कि कोल ब्लॉक का आबंटन नीलामी के आधार पर हो, लेकिन इन तथ्यों को भुला दिया गया। इस मामले में विपक्ष का अपना स्वार्थ निहित था। कुछ मौकों पर मीडिया उनके हाथ का खिलौना भी बन गया। उन्होंने कहा था कि इसलिए मेरे पास इसकी हर वजह है कि जब भी इस समय का इतिहास लिखा जाएगा, हम बेदाग बाहर आएंगे। मनमोहन सिंह ने कहा, ह्यमैं मानता हूं कि इतिहास मेरे प्रति आज के मीडिया के मुकाबले ज्यादा उदार होगा। मनमोहन सिंह ने कहा कि यह फैसला इतिहासकारों को करना है कि मैंने क्या किया और क्या नहीं किया। महज 12 साल पहले का ऐसा राजनैतिक माहौल अब सपने जैसा नजर आता है कि प्रधानमंत्री प्रेस कांफ्रेंस किया करते थे, अपने ऊपर और अपनी सरकार पर लगे आरोपों को लेकर जवाब देते थे। अब न तो प्रधानमंत्री प्रेस कांफ्रेंस करते हैं, न मीडिया के लोग उनसे भ्रष्टाचार पर बातें करते हैं। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी तो ताजा प्रकरण है, पिछले बारह बरसों में कई और ऐसे प्रकरण हुए, लेकिन हर बार नैरेटिव बदल कर सरकार को जवाबदेही से निकलने का मौका मीडिया देता रहा। फिलहाल नरेन्द्र मोदी तो यह कहने की स्थिति में नहीं हैं कि इतिहास मेरे साथ न्याय करेगा। लेकिन डॉ.मनमोहन सिंह जानते थे कि सच कभी पराजित नहीं होता, इसलिए उन्होंने पहले ही अपने साथ होने वाले न्याय की बात कह दी थी। दरअसल कोयला ब्लॉक आबंटन में यह आरोप लगाए गए कि सरकार ने निजी कंपनियों को बिना बोली लगाए आबंटन कर दिया, इससे कम से कम 10 लाख करोड़ का नुकसान हुआ है। यूपीए सरकार में कोयला सचिव रहे पी.सी. पारेख, इस मामले में व्हिसलब्लोअर माने जाते हैं। पारेख ने दावा किया था कि उन्होंने 2004 में ही प्रधानमंत्री को विवेकाधीन आबंटन प्रक्रिया में धोखाधड़ी की संभावना के बारे में लिखित रूप में सूचित किया था और खुली नीलामी की वकालत की थी।

युवाओं के सत्याग्रह ने अपने पीछे कुछ सबक छोड़े

प्रधान के इस्तीफे से निश्चय ही दूसरे मंत्री सतर्क हो जाएंगे। दरअसल, यह सुरक्षा के अघोषित और अदृश्य कवच में दरार आने का संकेत है। भाजपा सरकार में किसी मंत्री का इस्तीफा नहीं होने का मिथक टूट गया है। जंतर-मंतर पर एक माह तक चले युवाओं के आंदोलन ने कुछ सबक सिखाए हैं, कुछ मुद्दों पर रोशनी डाली है, कुछ उम्मीदें जगाई हैं और साहस, सत्याग्रह की अहमियत को सामने रखा है। यह आंदोलन कई मायनों में अद्वितीय है। उसने लोकतंत्र, संविधान के बुनियादी सिद्धांतों की अनदेखी और सत्ता का दुरुपयोग करने वाली सरकार को अपने कदम पीछे हटाने के लिए विवश किया है। इससे पहले किसान आंदोलन के कारण सरकार को तीन कृषि कानून वापस लेना पड़े थे। लेकिन दोनों आंदोलनों में कुछ फर्क है। किसान आंदोलन का प्रभाव पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, पश्चिम उत्तरप्रदेश में अधिक था। वहीं युवाओं की हलचल तेजी से फैल रही थी। उसमें छात्रों के परिजन शामिल हो रहे थे। भाजपा का समर्थन करने वाले मध्यम वर्ग में भी बेचैनी थी।

राजेश पांडेय
लेखक

आंदोलन ने सत्ता में बैठे लोगों को अपनी कार्यशैली में जरूरी बदलाव पर विचार का मौका दिया है। सत्ता के दुरुपयोग, उसके केंद्रीकरण के खिलाफ लोगों के उठ खड़े होने के बारे में चेतावनी दी है। प्रधान के इस्तीफे से निश्चय ही दूसरे मंत्री सतर्क हो जाएंगे। दरअसल, यह सुरक्षा के अघोषित और अदृश्य कवच में दरार आने का संकेत है। भाजपा सरकार में किसी मंत्री का इस्तीफा नहीं होने का मिथक टूट गया है। जंतर-मंतर पर एक माह तक चले युवाओं के आंदोलन ने कुछ सबक सिखाए हैं, कुछ मुद्दों पर रोशनी डाली है, कुछ उम्मीदें जगाई हैं और साहस, सत्याग्रह की अहमियत को सामने रखा है। यह आंदोलन कई मायनों में अद्वितीय है। उसने लोकतंत्र, संविधान के बुनियादी सिद्धांतों की अनदेखी और सत्ता का दुरुपयोग करने वाली सरकार को अपने कदम पीछे हटाने के लिए विवश किया है। इससे पहले किसान आंदोलन के कारण सरकार को तीन कृषि कानून वापस लेना पड़े थे। लेकिन दोनों आंदोलनों में कुछ फर्क है। किसान आंदोलन का प्रभाव पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, पश्चिम उत्तरप्रदेश में अधिक था। वहीं युवाओं की हलचल तेजी से फैल रही थी। उसमें छात्रों के परिजन शामिल हो रहे थे। भाजपा का समर्थन करने वाले मध्यम वर्ग में भी बेचैनी थी। बहुत कम लोगों को शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की उम्मीद थी। राजनीतिक पर्यवेक्षक सत्ताधारी दल के एक वरिष्ठ नेता के बयान का जिक्र करते थे कि भाजपा में इस्तीफे नहीं होते हैं। संतोष का विषय है कि युवाओं ने सरकार को जवाबदेही और जिम्मेदारी का अहसास कराया है। उनके आंदोलन के कारण पहली बार शिक्षा राजनीतिक प्राथमिकताओं के केंद्र में आ गई है। छात्रों ने संदेश दिया है कि अब भी अहिंसक और शांतिपूर्ण तरीकों से मनमानी करने वाली सरकार पर अंकुश लगाना संभव है। शासकों के इशारों पर चलने वाली संस्थाओं को सचेत होने का अवसर दिया है। भारत में संवाद, विरोध और अहिंसक तरीके से अपनी अपेक्षाओं को जाहिर करने की परंपरा पुरानी है। इसके सबसे बड़े प्रतीक महात्मा गांधी हैं। उनके सत्याग्रह ने भारत से ब्रिटिश साम्राज्य को उखाड़ने में प्रमुख भूमिका निभाई थी। आजादी के बाद कई मौकों पर जनमत जगाने वाले आंदोलन हुए हैं। 1970 के दशक में गुजरात से शुरू हुए छात्रों के नवनिर्माण आंदोलन ने जयप्रकाश नारायण के आंदोलन की जमीन तैयार की थी। फिर 2011-12 के अन्ना आंदोलन ने यूपीए सरकार की चुनावी हार का रास्ता बनाया। इन आंदोलनों में गैर-राजनीतिक संगठनों, आम लोगों के अलावा राजनीतिक दलों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। छात्रों के मौजूदा आंदोलन के पीछे सुनियोजित रणनीति और कार्यक्रम नहीं था। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की एक टिप्पणी के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी अस्तित्व में आई। उसने दिल्ली में धरना शुरू किया और इसकी गूंज पूरे देश तक पहुंच गई। चंद दिनों के भीतर हजारों युवा दिल्ली में जुट गए। सरकार के दमन ने आग में घी डाला। पुलिस ने आंसू गैस, पैलेट गन, लाठीचार्ज के जरिये जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग किया। इंटरनेट बंद करने का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। युवा शक्ति की क्रिएटिविटी से उपजे हास्य, व्यंग्य की पैनी धार के सामने तमाम तरीके बेअसर हो गए। छात्रों के पोस्टर और मीम भारी पड़े। सोशल मीडिया ने आंदोलन की हलचल को हर जगह पहुंचा दिया। सरकार की जी-हुजूरी करने और विपक्षी पार्टियों को हमेशा निशाना बनाने वाले गोदी मीडिया के पैंतरे बेकार गए। आंदोलन का स्वरूप और उसकी रफ्तार सरकार की कल्पना से परे थी। उसने छात्रों से लगातार बातचीत की। लेकिन छात्र अपने रुख पर अडिग रहे। आंदोलन के पीछे पाकिस्तान, चीन का हाथ होने जैसे पुराने नकारात्मक दांव भी काम नहीं आए। विरोध को देशद्रोह और राष्ट्रविरोधी बताने का जाना-पहचाना हथियार भी कुंद साबित हुआ। यहां प्रमुख विपक्षी दलों कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने छात्रों का समर्थन करने के साथ थोड़ी दूरी बनाए रखने की सावधानी बरती। इस चतुराई के कारण आंदोलन को पूरी तरह राजनीति से प्रेरित घोषित नहीं किया जा सका है। सोनम वांगचुक के लंबे अनशन ने आंदोलन को नैतिक समर्थन दिया। छात्रों के विरोध ने शिक्षा व्यवस्था की कई मूलभूत समस्याओं, उच्च शिक्षण संस्थाओं की नियुक्तियों में पेशेवर मापदंडों को दरकिनार रखने सहित कई खामियों पर फिर बहस की जरूरत बताई है। पिछले कुछ वर्षों में उच्च शिक्षण संस्थाओं में अहम पदों पर नियुक्तियों में योग्यता, विद्वता, पेशेवर क्षमता की बजाय विचारधारा को तवज्जो दी गई है। स्कूली पाठ्यक्रम में बदलाव पर भी विचारधारा हावी है। परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर गहराते संकट ने छात्रों को उद्वेलित किया है। साल दर साल तैयारियों के बाद जब पेपर लीक हो जाएं, समय पर रिजल्ट आने का कोई भरोसा न रहे तब असंतोष का विस्फोट होना स्वाभाविक है। सत्याग्रह ने शिक्षा और रोजगार से जुड़े कुछ बिंदुओं को चर्चा के केंद्र में रख दिया है। यहां हम युवाओं के मुद्दों पर गौर करेंगे। युवाओं की हताशा बढ़ती बेरोजगारी से जुड़ी है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकानॉमी के अनुसार- जॉब्स में 15 साल और उससे अधिक आयु के लोगों की हिस्सेदारी 2016-17 के 42.7प्रतिशत से घटकर मार्च 2026 में 38.7 प्रतिशत रह गई। इसलिए समस्या के सभी पहलुओं पर गौर करने की जरूरत है। मई में नीट की पहली परीक्षा में बीस लाख से अधिक छात्र बैठे थे। प्रश्नपत्र लीक होने के बाद परीक्षा रद्द कर दी गई। इसके बाद एक दर्जन से अधिक छात्रों के आत्महत्या करने की खबरें आईं। भारत में दुर्घटनाओं और आत्महत्याओं से मौतों पर नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक 2014 में 8068 छात्रों ने आत्महत्या की थी। यह संख्या 2024 में 14288 रही। अंग्रेजी अखबार हिंदू में प्रकाशित खबर में बताया गया है, संसद में शिक्षा मंत्रालय ने जानकारी दी कि छात्रों की आत्महत्या के कारणों में अकादमिक तनाव, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक स्वास्थ्य, धन की तंगी और व्यक्तिगत टकराव शामिल हैं।

26 कब्रों के बीच मिलती है चाय और भोजन

कहीं समुद्र के भीतर भोजन कराया जाता है, कहीं पहाड़ों की चोटियों पर तो कहीं घने जंगलों के बीच। लेकिन भारत के गुजरात राज्य के अहमदाबाद शहर में स्थित न्यू लकी रेस्तरां इन सभी से अलग पहचान रखता है। यह ऐसा रेस्तरां है जहां लोग स्वादिष्ट चाय, बन-मक्खन और अन्य व्यंजनों का आनंद 16वीं सदी के सूफी संतों की वास्तविक कब्रों के बीच बैठकर लेते हैं। पहली बार यह बात सुनने वाला व्यक्ति शायद विश्वास न करे, लेकिन यह पूरी तरह सच है। यही कारण है कि यह रेस्तरां वर्षों से देश-विदेश के पर्यटकों, शोधकताओं, पत्रकारों और सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर्स के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यह स्थान केवल खाने-पीने का केंद्र नहीं है, बल्कि यह इस बात का जीवंत उदाहरण भी है कि आधुनिक विकास और ऐतिहासिक विरासत एक साथ सुरक्षित रह सकते हैं। अहमदाबाद भारत के सबसे पुराने और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध शहरों में से एक है। यहां की गलियों, मस्जिदों, मंदिरों, बावड़ियों और ऐतिहासिक इमारतों में सदियों पुराना इतिहास जीवित दिखाई देता है। इसी शहर के व्यस्त इलाके में स्थित है न्यू लकी रेस्तरां। बाहर से देखने पर यह एक सामान्य रेस्तरां जैसा लगता है

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

दुनिया में हजारों ऐसे रेस्तरां हैं जो अपने स्वादिष्ट भोजन, आलीशान इंटीरियर, अनोखी थीम या ऐतिहासिक महत्व के कारण प्रसिद्ध हैं। कहीं समुद्र के भीतर भोजन कराया जाता है, कहीं पहाड़ों की चोटियों पर तो कहीं घने जंगलों के बीच। लेकिन भारत के गुजरात राज्य के अहमदाबाद शहर में स्थित न्यू लकी रेस्तरां इन सभी से अलग पहचान रखता है। यह ऐसा रेस्तरां है जहां लोग स्वादिष्ट चाय, बन-मक्खन और अन्य व्यंजनों का आनंद 16वीं सदी के सूफी संतों की वास्तविक कब्रों के बीच बैठकर लेते हैं। पहली बार यह बात सुनने वाला व्यक्ति शायद विश्वास न करे, लेकिन यह पूरी तरह सच है। यही कारण है कि यह रेस्तरां वर्षों से देश-विदेश के पर्यटकों, शोधकताओं, पत्रकारों और सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर्स के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यह स्थान केवल खाने-पीने का केंद्र नहीं है, बल्कि यह इस बात का जीवंत उदाहरण भी है कि आधुनिक विकास और ऐतिहासिक विरासत एक साथ सुरक्षित रह सकते हैं। अहमदाबाद भारत के सबसे पुराने और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध शहरों में से एक है। यहां की गलियों, मस्जिदों, मंदिरों, बावड़ियों और ऐतिहासिक इमारतों में सदियों पुराना इतिहास जीवित दिखाई देता है। इसी शहर के व्यस्त इलाके में स्थित है न्यू लकी रेस्तरां। बाहर से देखने पर यह एक सामान्य रेस्तरां जैसा लगता है, लेकिन जैसे ही कोई अंदर प्रवेश करता है, उसकी नजर फर्श के बीच बनी लोहे की रेलिंगों से घिरी कब्रों पर पड़ती है। यहीं से शुरू होता है आश्चर्य का सिलसिला। एक ओर लोग आराम से बैठकर चाय की चुस्कियां लेते हैं, तो दूसरी ओर उन्हीं के पास सदियों पुरानी कब्रें मौजूद हैं। यह दृश्य पहली बार आने वाले किसी भी व्यक्ति को कुछ क्षणों के लिए सोचने पर मजबूर कर देता है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, यहां लगभग 26 कब्रें हैं, जो 16वीं सदी के सूफी संतों से जुड़ी मानी जाती हैं। समय के साथ इन संतों के नाम और विस्तृत इतिहास के बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध रह गई है, लेकिन स्थानीय समाज इन कब्रों को अत्यंत सम्मान की दृष्टि से देखता है। इन कब्रों को किसी साधारण स्मारक की तरह नहीं माना जाता है, बल्कि इन्हें आध्यात्मिक महत्व का स्थान समझा जाता है। इसलिए रेस्तरां बनने के बाद भी इनके साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं की गई है। आज से कई दशक पहले जब इस स्थान पर रेस्तरां बनाने की योजना तैयार हुई, तब सबसे बड़ा प्रश्न यही था कि यहां पहले से मौजूद कब्रों का क्या किया जाए। व्यवसायिक दृष्टि से देखा जाए तो अधिकांश लोग शायद इन कब्रों को हटाने या किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की कोशिश करते। लेकिन रेस्तरां के संस्थापक कृष्णन कुट्टी ने बिल्कुल अलग सोच दिखाई। उन्होंने तय किया कि व्यवसाय के लिए इतिहास या आस्था का अपमान नहीं किया जाएगा। यही निर्णय आगे चलकर न्यू लकी रेस्तरां की सबसे बड़ी पहचान बन गया। कब्रों को हटाने के बजाय उनके चारों ओर मजबूत लोहे की रेलिंग बनाई गई। इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि ग्राहकों की आवाजाही से कब्रों को कोई नुकसान न पहुंचे। रेस्तरां का पूरा लेआउट इस प्रकार तैयार किया गया कि कब्रें अपनी मूल स्थिति में सुरक्षित रहें और ग्राहकों के बैठने की व्यवस्था भी हो सके। आज भी वहां पहुंचने वाला प्रत्येक व्यक्ति देख सकता है कि किस प्रकार आधुनिक फर्नीचर और सदियों पुरानी कब्रें एक ही परिसर में मौजूद हैं। रेस्तरां की सबसे बड़ी विशेषता केवल कब्रों का वहां होना नहीं है, बल्कि उनका सम्मानपूर्वक संरक्षण भी है। प्रतिदिन कर्मचारियों द्वारा कब्रों की सफाई की जाती है। उन पर ताजे फूल चढ़ाए जाते हैं। आसपास का क्षेत्र स्वच्छ रखा जाता है। किसी भी ग्राहक को कब्रों के ऊपर बैठने, पैर रखने या उनका अनादर करने की अनुमति नहीं होती है। यही कारण है कि यहां आने वाले अधिकांश लोग भी इस स्थान की गरिमा बनाए रखते हैं। पहली बार आने वाला व्यक्ति क्या महसूस करता है? कल्पना कीजिए कि आप अपने मित्रों के साथ चाय पीने किसी रेस्तरां में पहुंचे हैं। वेटर आपको टेबल तक ले जाता है। आप बैठते हैं और अचानक आपकी नजर सामने बनी एक पुरानी कब्र पर पड़ती है। कुछ क्षणों के लिए मन में आश्चर्य, जिज्ञासा और अनेक प्रश्न उठते हैं। क्या सचमुच यहां लोग भोजन करते हैं? क्या यह उचित है? क्या स्थानीय लोग इसे स्वीकार करते हैं? लेकिन जैसे-जैसे आप वहां का वातावरण देखते हैं, आपको महसूस होता है कि वहां किसी प्रकार की असहजता नहीं है। चारों ओर शांति रहती है। लोग सामान्य ढंग से बातचीत करते हैं। कोई शोर-शराबा नहीं होता है। कब्रों के आसपास सम्मानजनक दूरी बनाए रखी जाती है। धीरे-धीरे यह अनुभव किसी सामान्य रेस्तरां से कहीं अधिक गहरा और यादगार बन जाता है। भारत विविध संस्कृतियों और धार्मिक परंपराओं का देश है। यहां प्राचीन मंदिरों के पास आधुनिक बाजार मिल जाते हैं, ऐतिहासिक किलों के आसपास आधुनिक शहर बस चुके हैं और कई धार्मिक स्थलों के निकट व्यापारिक गतिविधियां भी चलती हैं। लेकिन न्यू लकी रेस्तरां का उदाहरण इन सबसे अलग है। यहां न तो इतिहास को मिटाया गया है और न ही आधुनिक विकास को रोका गया। दोनों को साथ लेकर चलने की कोशिश की गई। यही कारण है कि यह स्थान केवल रेस्तरां नहीं है बल्कि विरासत संरक्षण का जीवंत उदाहरण माना जाता है। आज के दौर में लोग केवल घूमने नहीं जाते हैं, बल्कि ऐसे अनुभवों की तलाश भी करते हैं।

ज्ञान पर एकाधिकार का प्रश्न

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

इतिहास को जन भाषा में सम्प्रेषित करने वाला भी ब्राह्मण है और उसका विरोध करने वाले भी ब्राह्मण हैं। दरअसल समुदाय/जाति को लेकर समस्या नहीं थी, मूल समस्या तो ज्ञान के एकाधिकार की थी। लेकिन डा. भीमराव रामजी अंबेडकर ने तो ज्ञान के एकाधिकार प्रश्न पर एक नए स्थान से एक नई बहस शुरू कर दी थी। ज्ञान पर एकाधिकार किस समुदाय का था/है? अधिकांश शास्त्रों के लेखक महर्षि वेद व्यास जी माने जाते हैं और महाकाव्य के रचयिता आदि कवि महर्षि वाल्मीकि। इसी पृष्ठभूमि का जिक्र करते हुए अंबेडकर ने लिखा कि भारत के शास्त्र एक शूद्र वेद व्यास ने लिखे, महाकाव्य, मसलन रामायण महर्षि वाल्मीकि ने लिखे और आज की सबसे महत्वपूर्ण स्मृति, भारतीय संविधान की रचना अंबेडकर के हाथों ही हुई आज देश में सब जगह से, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों, पर्वतीय क्षेत्रों, पिछड़े वर्गों से मांग उठ रही है कि ज्ञान पर कुछ समुदायों का ही एकाधिकार नहीं होना चाहिए। समाज के हर वर्ग को ज्ञान प्राप्ति का संवैधानिक अधिकार है। लेकिन दुर्भाग्य से कुछ लोगों का कहना है कि भारतीय भाषाओं में ज्ञान नहीं दिया जा सकता। यदि किसी की ज्ञान प्राप्ति की इच्छा है तो उसे उन लोगों की ही भाषा सीखनी होगी जिनके पास ज्ञान की कुंजी है। ज्ञान पर एकाधिकार वालों की भाषा अंग्रेजी है। यह विवाद आज का नहीं है बल्कि युगों से चला आ रहा है। प्रयागराज में कुंभ के मेले का अवसर था। कुंभ पर्व में देश के दूरस्थ स्थानों से श्रद्धालु आए हैं। तमिलनाडु से भी और असम से भी। बंगाल से भी और सप्त सिन्ध क्षेत्र से भी। पेशावर, बलोचिस्तान, पंजाब, असम, तमिल प्रदेश जैसे सारा भारत ही प्रयागराज में जुट गया हो। गुरु रविदास जी भी अपने कुछ शिष्यों के साथ कुंभ मेले में आए हुए थे। शिविर लग गया था, नित्य प्रति सत्संग होने लगा। रविदास जी तन्मयता से गाते तो संगत सुध बुध भूल जाती। सब लोग साथ मिलकर गाने लगते। साधु संतों के भी अपने अपने अखाड़े हैं, अपनी अपनी मयार्दा है। लेकिन भीड़ रविदास जी के अखाड़े में इतनी ज्यादा क्यों जुटती है? रविदास जन भाषा में गाते हैं। सभी से लोक भाषा में ही संवाद करते हैं। आभिजात्य भाव का तो सवाल ही नहीं उठता। स्वाभाविक है कि ह्यलोकह्न तो वही कहलाएगा जहां लोक मानस ध्वनित हो रहा हो। रविदास जी का शिविर इसका प्रतीक था। आश्रम में शालिग्राम को भी स्थापित किया हुआ था। शालिग्राम, विष्णु का विग्रह है। इस प्रकार की स्थिति में आम तौर पर जो हो सकता था, वही होने लगा। कुछ दूसरे अखाड़ों को ईर्ष्या होने लगी। वाराणसी के रविदास प्रयागराज के कुछ अहंकारी पंडितों की आंख की किरकरी बन गए थे। तनातनी बढ़ चुकी थी। प्रयागराज के कुंभ में सब जगह रविदास की चर्चा हो रही है। जलन तो होती ही। सबसे बड़ी बात कि रविदास जी स्वयं ही उच्च स्वर में घोषणा कर रहे हैं कि वे चमार समाज से ताल्लुक रखते हैं। दोनों समाज शालिग्राम की पूजा करते हैं। लेकिन कुछ लोगों को अपने ज्ञान का अभिमान भी तो हो सकता है। वही अभिमान कुछ पंडितों का पीछा नहीं छोड़ रहा था। कहा भी गया है कि अभिमान और अहंकार सद्गुणों का नाश कर देता है और आपके ज्ञान को भी निष्फल कर देता है। थोथा ज्ञान तो भार बन जाता है। यह तो सभी जानते हैं कि अंत में भार ही डुबो देता है। शर्त लग गई दोनों अपने अपने शालिग्राम को गंगा जी में छोड़ेंगे। जिसका शालिग्राम गंगा जी में तैर गया, वही सच्चा। लेकिन यहां भी एक चालाकी। किसी पंडित ने अपना शालिग्राम खोखली लकड़ी से बना लिया। देखने में बिल्कुल पत्थर का लगे ताकि कोई पहचान भी न सके। उसको लगा कि रविदास जी का शालिग्राम तो पत्थर का है तो निश्चय ही डूब जाएगा। गंगा के तट पर भीड़ जुट गई है। सब उत्सुक हैं। देखें क्या होता है। रविदास के चेहरे पर मुस्कान है। वे आश्वस्त हैं। उन्हें विश्वास है। उधर लकड़ी का खोखला शालिग्राम हाथ में लिए सज्जन के चेहरे पर धूर्ततापूर्ण मुस्कान है। एक का शालिग्राम नकली है और दूसरे का असली है। नकली कुछ देर तक जनमानस को प्रभावित कर सकता है। विजय तो असली की, सत्य की ही होती है। दोनों ने अपने अपने शालिग्राम गंगा जी को अर्पित कर दिए। लेकिन सभी देखते हैं रविदास जी का शालिग्राम गंगा में तैर रहा है। लकड़ी का खोखला शालिग्राम देखते देखते गंगा जी में डूब गया। चारों ओर रविदास जी की जय जयकार होने लगी। इस कथा का महात्म्य क्या है? इससे क्या शिक्षा मिलती है? ज्ञान पर किसी का एकाधिकार नहीं हो सकता। कोई भी व्यक्ति पुरखों से प्राप्त ज्ञान को अपने पास ही रख लेता है और उसे अगली पीढ़ी को हस्तांतरित नहीं करता तो वह ज्ञान डुबो देता है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शनिवार, 01 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

वाराणसी में वृद्धि के बाद स्थिर हुआ गंगा का जलस्तर

वाराणसी। बढ़ोतरी के बाद वाराणसी में गंगा का जलस्तर स्थिर हो गया है। शुक्रवार की सुबह जलस्तर 61.93 मीटर रिकॉर्ड किया गया। फिलहाल जलस्तर चेतावनी बिंदु से लगभग 9 मीटर नीचे है। ऐसे में घबराने की जरूरत नहीं, लेकिन सावधानी जरूरी है। प्रशासन ने गंगा में तेज बहाव और लहरों को देखते हुए नौका संचालन पर रोक लगा दी है। बुधवार से गंगा के जलस्तर में वृद्धि हो रही थी। गुरुवार को भी एक सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से पानी बढ़ रहा था। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार शुक्रवार को जलस्तर स्थिर पाया गया। शुक्रवार को जलस्तर 61.93 मीटर रिकॉर्ड किया गया। गंगा के जलस्तर में वृद्धि के चलते घाटों तक पानी पहुंच गया है। वहीं घाट किनारे के मंदिर भी जलमग्न हो गए हैं। प्रशासन ने गंगा के जलस्तर में वृद्धि को देखते हुए गुरुवार से एहतियात के तौर पर नौका संचालन पर रोक लगा दी है। गंगा में तेज बहाव और लहरों के प्रवाह को देखते हुए प्रशासन ने यह निर्णय लिया। एनडीआरएफ और जल पुलिस की टीम जलस्तर की लगातार निगरानी कर रही है। साथ ही स्नानार्थियों को भी गहरे पानी में न जाने के लिए आगाह किया जा रहा है।

वाराणसी से नेपाल सीमा तक दौड़ेगी ट्रेन, नेपालगंज रोड स्टेशन तक विस्तार की तैयारी

वाराणसी। वाराणसी से नेपाल सीमा के निकट स्थित नेपालगंज रोड रेलवे स्टेशन तक ट्रेन सेवा शुरू करने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। इसके तहत वाराणसी सिटी-गोरखपुर एक्सप्रेस का विस्तार नेपालगंज रोड स्टेशन तक किए जाने का प्रस्ताव को रेलवे बोर्ड ने मंजूरी प्रदान कर दी है। वर्तमान में वाराणसी से नौतनवा तक पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन होता है। नौतनवा रेलवे स्टेशन से यात्री सड़क मार्ग के जरिए सोनौली सीमा पार कर नेपाल पहुंचते हैं। वहीं, वाराणसी से नेपाल की राजधानी काठमांडू के लिए सीधी रोडवेज बस सेवा भी उपलब्ध है। अब रेलवे वाराणसी सिटी-गोरखपुर एक्सप्रेस (संख्या 15132) का विस्तार नेपालगंज रोड स्टेशन तक करने की तैयारी में है। इस संबंध में सांसद एवं केंद्रीय राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने रेल मंत्री से मांग की थी, जिसके बाद प्रस्ताव को स्वीकृति मिल चुकी है। ट्रेन सेवा के विस्तार से पूर्वांचल के यात्रियों को नेपाल सीमा तक सीधी रेल सुविधा मिलेगी। इससे धार्मिक पर्यटन, व्यापार और दोनों देशों के बीच आवागमन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

पुलिस लाइन से काशी विश्वनाथ धाम तक कहीं भी हो सकती है मॉक ड्रिल

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अगस्त के दूसरे सप्ताह में संभावित वाराणसी दौरे को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में गुरुवार (31 जुलाई) सुबह 8 बजे से 11 बजे तक पुलिस लाइन से श्री काशी विश्वनाथ मंदिर तक व्यापक सुरक्षा व्यवस्था का अभ्यास (मॉक ड्रिल) किया जाएगा। प्रशासन के अनुसार यह फुल-स्केल एक्सरसाइज विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के समन्वय, आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता और सुरक्षा प्रबंधन की तैयारियों को परखने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। मॉक ड्रिल के दौरान पुलिस लाइन से काशी विश्वनाथ मंदिर के बीच किसी भी स्थान पर सुरक्षा अभ्यास किया जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि इस सिमुलेशन एक्सरसाइज का उद्देश्य किसी संभावित आकस्मिक घटना से प्रभावी ढंग से निपटने की तैयारियों का परीक्षण करना है। इसके माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था में तैनात कर्मियों की त्वरित प्रतिक्रिया, समन्वय और संचार व्यवस्था की भी समीक्षा की जाएगी। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि मॉक ड्रिल के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और न ही उसे फैलाएं। यदि पुलिस या सुरक्षा एजेंसियां किसी प्रकार की कार्रवाई करती हुई दिखाई दें तो इसे नियमित सुरक्षा अभ्यास का हिस्सा समझें तथा प्रशासन का सहयोग करें।

कार्य में लापरवाही पर चौकी प्रभारी निलंबित

जेवर। थाना जेवर क्षेत्र की जहांगीरपुर चौकी के प्रभारी को आज निलंबित कर दिया गया। बताया जा रहा है कि एक घर के बाहर फायरिंग के मामले में चौकी प्रभारी पर यह कार्रवाई हुई। ग्रेटर नोएडा के डीसीपी रवि शंकर निम ने गुरुवार को बताया कि करीब दो महीने पहले जहांगीरपुर कस्बे में एक घर के बाहर दो लोगों ने फायरिंग की थी। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद अब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर जेवर कोतवाली पुलिस टीम द्वारा गुरुवार को एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। वहीं, पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर इस मामले की विभागीय जांच कराई गई।

मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना का दायरा बढ़ाया जाए, अधिक से अधिक किसानों के मेधावी पाल्यों को किया जाए आच्छादित : मुख्यमंत्री

-मुख्यमंत्री योगी की अध्यक्षता में राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के संचालक मंडल की 172वीं बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों के मेधावी बच्चों (पाल्यों) के लिए संचालित मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना का दायरा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं, ताकि अधिक से अधिक पात्र विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के संचालक मंडल की 172वीं बैठक हुई। बैठक में वर्ष 2026-27 के 3025.49 करोड़ के बजट सहित किसान कल्याण, कृषि विपणन एवं मंडी व्यवस्था से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिए कि प्रदेश की मंडियों का आधुनिकीकरण एवं पुनरोद्धार करते हुए उन्हें आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाए, ताकि किसानों को बेहतर, पारदर्शी एवं सुविधाजनक विपणन व्यवस्था उपलब्ध हो सके। उन्होंने मंडियों में पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था सहित सभी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया। मुख्यमंत्री ने मंडी स्थलों में पीपीपी मॉडल पर कृषि उपज प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। उन्होंने इसके लिए नियमों को अधिक व्यवहारिक एवं निवेश अनुकूल बनाने के निर्देश दिए। ताकि किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य, मूल्य संवर्धन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर उपलब्ध हो सकें। उन्होंने अधिकाधिक मंडियों को ई-नाम (राष्ट्रीय कृषि बाजार) प्लेटफॉर्म से जोड़ने, राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन से अधिकाधिक किसानों को जोड़ने तथा प्रत्येक जनपद में ऑर्गेनिक उत्पादों के सर्टिफिकेशन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के संशोधित आय-व्यय अनुमान तथा वर्ष 2026-27 के बजट को अनुमोदित किया गया। वर्ष 2026-27 के लिए 2228.59 करोड़ की अनुमानित प्राप्तियों तथा 3025.49 करोड़ के व्यय प्रावधान को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में बताया गया कि प्रदेश की मंडी समितियों की आय वर्ष 2024-25 के 1991.33 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 2305.80 करोड़ पहुंच गई है। यह 15.79 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है। बजट में मंडी स्थलों के निर्माण एवं विस्तार, संपर्क मार्गों के निर्माण एवं मरम्मत, ग्रामीण हाट, किसान बाजार, गोवंश आश्रय स्थलों, छात्रावास निर्माण, मंडी समितियों के लिए भूमि क्रय तथा अन्य विकास कार्यों के लिए पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं। पूर्व से स्वीकृत निर्माण कार्यों को गति देने के लिए 1212.02 करोड़ का प्रावधान भी किया गया है। संचालक मंडल ने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना सहायता योजना तथा मुख्यमंत्री खेत-खलिहान अग्निकांड दुर्घटना सहायता योजना की अवधि एक जुलाई 2025 से 30 जून 2030 तक बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की।

वीवीआईपी सुरक्षा को लेकर वाराणसी में हाईलेवल मॉक ड्रिल

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। वीवीआईपी सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वाराणसी में हाईलेवल मॉक ड्रिल आयोजित की गई। एडीजी सिक्योरिटी के निर्देश पर आयोजित इस अभ्यास में एनएसजी कमांडो समेत केंद्रीय एवं स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने संयुक्त रूप से हिस्सा लिया। मॉक ड्रिल के दौरान वीवीआईपी मूवमेंट, भीड़ प्रबंधन, रूट डायवर्जन और मेडिकल इमरजेंसी सहित विभिन्न परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को परखा गया। मॉक ड्रिल के दौरान पुलिस लाइन स्थित हेलीपैड से सर्किट हाउस, काल भैरव मंदिर और काशी विश्वनाथ धाम तक निर्धारित मार्ग पर ट्रैफिक को पूरी तरह जीरो कर सुरक्षा व्यवस्था का अभ्यास किया गया। स्थानीय पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की टीमों ने अपने-अपने निर्धारित दायित्वों के अनुसार कार्रवाई की। इस दौरान यह देखा गया कि किसी संभावित अप्रिय घटना की स्थिति में विभिन्न एजेंसियां कितनी तेजी और प्रभावी तरीके से एक-दूसरे के साथ समन्वय स्थापित कर सकती हैं अपर पुलिस आयुक्त शिवहरी मीणा ने बताया कि कुछ प्रमुख शहरों के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की गई है। इसका उद्देश्य वीवीआईपी मूवमेंट, स्थानीय तीज-त्योहारों और विशेष आयोजनों के दौरान एनएसजी समेत विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों और स्थानीय पुलिस के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में सभी एजेंसियां अपने निर्धारित रोल के अनुसार तेजी से कार्रवाई करें, इसी उद्देश्य से यह रिहर्सल कराया गया। उन्होंने बताया कि एनएसजी के डीआईजी समेत विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी वाराणसी पहुंचे थे। सबसे पहले अधिकारियों की ओर से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ब्रीफिंग की गई। इसके बाद निर्धारित परिदृश्य के अनुसार मॉक ड्रिल कराई गई। अभ्यास पूरा होने के बाद डी-ब्रीफिंग सेशन आयोजित किया गया, जिसमें पूरी कार्रवाई की समीक्षा की गई और सामने आई कमियों को चिन्हित किया गया।मॉक ड्रिल में स्थानीय भीड़ की स्थिति को ध्यान में रखते हुए रूट को जीरो करने, विभिन्न टीमों की तैनाती और उनके रिस्पांस टाइम का अभ्यास किया गया।

वाराणसी: जर्जर बिजली के खंभे दुर्घटना को दे रहे दावत, बिजली विभाग बेपरवाह, लोगों में आक्रोश

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। सुसुवाही क्षेत्र में जर्जर और पुराने बिजली के खंभे लोगों के लिए गंभीर खतरे का कारण बने हुए हैं। क्षेत्र का दायरा काफी बड़ा होने के कारण बड़ी संख्या में लोग बिजली आपूर्ति के लिए वर्षों पुराने खंभों और विद्युत लाइनों पर निर्भर हैं। समय बीतने के साथ कई खंभे पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद बिजली विभाग की ओर से उन्हें बदलने या उनकी मरम्मत कराने को लेकर प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बिजली के खंभे इतने पुराने और कमजोर हो चुके हैं कि कभी भी टूटकर गिर सकते हैं। इन खंभों पर विद्युत तारों का भारी दबाव है। ऐसे में यदि कोई खंभा अचानक गिरता है तो बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों का कहना है कि बिजली विभाग किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही जागेगा या समय रहते जर्जर खंभों को बदलकर हादसे को रोकने की कार्रवाई करेगा। स्थानीय पार्षद गुड्डू पटेल की ओर से भी बिजली विभाग के अधिकारियों को क्षेत्र में मौजूद जर्जर बिजली के खंभों की स्थिति के बारे में कई बार अवगत कराया जा चुका है। पार्षद का कहना है कि क्षेत्र में कई ऐसे पोल हैं जो काफी पुराने हो चुके हैं और उनकी स्थिति देखकर कभी भी हादसे की आशंका बनी रहती है। इसके बावजूद शिकायत और सूचना दिए जाने के बाद भी संबंधित विभाग की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली विभाग को किसी दुर्घटना का इंतजार नहीं करना चाहिए। यदि किसी खंभे की हालत खराब है तो उसे समय रहते बदलना विभाग की जिम्मेदारी है। खासकर आबादी वाले इलाकों में जर्जर विद्युत पोल लोगों की जान के लिए खतरा बन सकते हैं। सुसुवाही क्षेत्र में अंजलि सेट हाउस और हैदराबाद गेट के आसपास भी कुछ बिजली के पोलों की हालत बेहद खराब बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार इन पोलों का निचला हिस्सा काफी हद तक सड़ चुका है, जबकि इन्हीं पर हाईटेंशन बिजली के तार भी गुजर रहे हैं।

मजदूर की करंट लगने से मौत वेल्डिंग कराते समय हुआ हादसा

प्रात : किरण संवाददाता

कानपुर । रावतपुर थाना क्षेत्र में एक निमार्णाधीन मकान में काम करने के दौरान करंट लगने से मजदूर की मौत हो गई। मृतक के परिजनों का आरोप है कि उसे पेंट-पुट्टी का कार्य करने के लिए बुलाया गया था, लेकिन मौके पर उससे वेल्डिंग का काम कराया जाने लगा। इसी दौरान करंट प्रवाहित होने से उसकी मौत हो गई। उन्नाव निवासी उमेश सोनी (40) मजदूरी का काम करते थे। शुक्रवार उन्हें रावतपुर स्थित गोपाल टावर के पास स्थित एक मकान में पेंट-पुट्टी के कार्य के लिए बुलाया गया था। परिजनों का आरोप है कि मकान मालिक, जो बरेली में जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) के पद पर तैनात हैं, ने मौके पर पहुंचने के बाद उनसे लोहे के ढांचे की वेल्डिंग करानी शुरू कर दी। परिजनों का कहना है कि उमेश ने काम शुरू करने से पहले बिजली सुरक्षा को लेकर आशंका जताई थी। इस पर उन्हें भरोसा दिलाया गया कि लोहे के ढांचे में करंट नहीं है और काम पूरी तरह सुरक्षित है। आरोप है कि जैसे ही उन्होंने वेल्डिंग शुरू की, लोहे के ढांचे में करंट दौड़ गया और वह उसकी चपेट में आ गए। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर रावतपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी कमलेश राय ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला करंट लगने से मौत का प्रतीत होता है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, परिजनों की ओर से लगाए गए आरोपों की भी जांच की जा रही है।

लोक परीक्षा संशोधन विधेयक पारित होना ऐतिहासिक कदम : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राज्यसभा में “लोक परीक्षा संशोधन विधेयक, 2026” के पारित होने का ऐतिहासिक कदम बताया है। उप मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्यसभा में “लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026” का पारित होना देश के करोड़ों मेहनती एवं प्रतिभाशाली युवाओं के हितों की रक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उप मुख्यमंत्री के अनुसार यह विधेयक परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष एवं विश्वसनीय बनाने की मजबूत प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह महत्वपूर्ण कदम परीक्षा माफियाओं और अनुचित साधनों पर प्रभावी अंकुश लगाकर योग्य अभ्यर्थियों के परिश्रम को उनका उचित सम्मान दिलाने का कार्य करेगा। एक मजबूत, ईमानदार और जवाबदेह परीक्षा व्यवस्था ही विकसित भारत के निर्माण की मजबूत नींव है, और यह विधेयक उसी संकल्प को नई शक्ति प्रदान करता है।

सावन मास के दूसरे दिन भी काशी विश्वनाथ धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

–कैंट रेलवे स्टेशन से लेकर बाबा विश्वनाथ के दरबार तक गूंजा “हर-हर महादेव” का जयघोष

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी में श्रावण मास के दूसरे दिन शुक्रवार को भी श्री काशी विश्वनाथ धाम में शिवभक्तों और कांवड़ियों की भारी भीड़ उमड़ी। अलसुबह से ही श्रद्धालु पवित्र गंगा में स्नान कर गंगाजल लेकर बाबा विश्वनाथ के जलाभिषेक के लिए कतारबद्ध होकर मंदिर पहुंचते रहे। वहीं, चौबेपुर के कैथी स्थित प्रसिद्ध मार्कंडेय महादेव धाम में भी दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। कैंट रेलवे स्टेशन से लेकर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर तक कांवड़ियों के जत्थे “हर-हर महादेव” और “बोल बम” के जयघोष के साथ आगे बढ़ते दिखाई दिए। पूरे मार्ग और धाम परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर परिसर में रेड कार्पेट बिछाया गया है, जिससे कांवड़ियों और दर्शनार्थियों को सुगमता से आवागमन में मदद मिल रही है। श्रावण मास में उमड़ रही भारी भीड़ को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। मंदिर प्रशासन, पुलिस और अन्य विभागों के अधिकारी लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी में जुटे हैं। उल्लेखनीय है कि सावन के पहले दिन श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन-पूजन किए थे। प्रशासन का अनुमान है कि पूरे सावन माह में श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार बढ़ोतरी होगी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के अनुसार श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से धाम परिसर और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए सभी प्रवेश और निकास द्वारों पर प्रशिक्षित कर्मियों की तैनाती की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को व्यवस्थित एवं सहज दर्शन मिल सकें। स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों से निपटने के लिए एम्बुलेंस, प्राथमिक उपचार केंद्र, चिकित्सकों तथा पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर शुद्ध पेयजल, ग्लूकोज, ओआरएस, विश्राम स्थल तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप हो ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस की सुरक्षा: जिलाधिकारी

–जिलाधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में किया मासिक निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने शुक्रवार को तहसील सदर स्थित निर्वाचन कार्यालय के ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में मासिक बाह्य निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था का गहन जायजा लेते हुए भारत निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस परिसर में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की संख्या, उनकी कार्यशीलता, कंट्रोल रूम की व्यवस्था, कक्षवार विद्युत आपूर्ति, खिड़कियों एवं रोशनदानों की सुरक्षा सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं का विस्तार से निरीक्षण किया। उन्होंने वेयरहाउस के बाहरी हिस्से में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था की सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने उप जिला निर्वाचन अधिकारी समेत संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा के दृष्टिगत भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सुरक्षा गार्डों की शिफ्टवार तैनाती, प्रवेश नियंत्रण तथा वेयरहाउस की समग्र सुरक्षा व्यवस्था का भी अवलोकन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

वार्ड प्रवास कार्यक्रम में विधायक डॉ. नीलकंठ ने झाड़ू लगाकर दिया स्वच्छता का संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी दक्षिणी विधानसभा में 76 दिवसीय वार्ड प्रवास कार्यक्रम में 13 वें दिन शुक्रवार को विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल के दुगार्कुंड वार्ड में स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने पार्कों, सड़कों, धार्मिक स्थलों के बाहर झाड़ू लगाया। स्वच्छता अभियान कार्यक्रम के दौरान विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी ने क्षेत्र के नागरिकों की समस्या और परेशानी को सुना एवं सुझाव के निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित भी किया। विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में गली वॉक करते हुए स्वच्छता कार्यक्रम का यह एक और चरण चल रहा है। जिसमें वार्ड वार्ड जाकर के वहां की स्वच्छता व्यवस्था को देखने के साथ ही वह स्वयं भी झाड़ू चला रहे हैं। उनके साथ में भाजपा के कार्यकर्ता और स्थानीय लोग भी शामिल हो रहे हैं।

वाराणसी में फर्जी ट्रेडिंग कंपनी का भंडाफोड़, साइबर टीम ने की छापेमारी, 32 गिरफ्तार

वाराणसी। कमिश्नरेट वाराणसी की साइबर क्राइम थाना पुलिस और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए भेलूपुर थाना क्षेत्र के महमूरगंज स्थित शाही टावर में संचालित एक संदिग्ध कॉल सेंटर पर छापेमारी कर बड़े साइबर ठगी गिरोह का पदार्फाश किया। कार्रवाई के दौरान मौके से 21 युवतियों और 11 युवकों सहित कुल 32 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस सभी से गहन पूछताछ कर रही है और मामले में साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी शाही टावर में फर्जी ट्रेडिंग कंपनी का कार्यालय संचालित कर रहे थे। यहां से ऑनलाइन ट्रेडिंग, निवेश योजनाओं और डिजिटल मार्केटिंग के नाम पर लोगों को अधिक मुनाफे का झांसा देकर ठगी की जा रही थी। गिरोह न केवल भारत के विभिन्न राज्यों के लोगों को बल्कि विदेशी नागरिकों को भी अपने जाल में फंसाकर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करता था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरोह के सदस्य खुद को प्रतिष्ठित मल्टीनेशनल कंपनियों का अधिकृत एजेंट या निवेश सलाहकार बताकर लोगों का विश्वास जीतते थे। इसके बाद उन्हें ऑनलाइन निवेश, शेयर ट्रेडिंग और अन्य वित्तीय योजनाओं में मोटे लाभ का लालच देकर धनराशि निवेश कराने के लिए प्रेरित किया जाता था। एक बार पैसा जमा होने के बाद पीड़ितों से संपर्क समाप्त कर दिया जाता था या उन्हें लगातार नए निवेश के लिए दबाव बनाया जाता था। बताया जा रहा है कि साइबर क्राइम थाना की टीम ने पहले ट्रेडर बनकर गिरोह से संपर्क स्थापित किया और पूरे नेटवर्क की गतिविधियों की गोपनीय तरीके से जानकारी जुटाई। पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद पुलिस ने योजनाबद्ध ढंग से शाही टावर स्थित कार्यालय पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान कार्यालय से कंप्यूटर सिस्टम, डिजिटल डाटा, महत्वपूर्ण दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा कई अन्य अहम साक्ष्य कब्जे में लिए गए हैं। पुलिस अब जब्त किए गए कंप्यूटर और डिजिटल डाटा की फॉरेंसिक जांच करा रही है ताकि ठगी के पूरे नेटवर्क, लेन-देन, पीड़ितों की संख्या और गिरोह के सरगनाओं तक पहुंचा जा सके।

लखनऊ-वाराणसी हाइवे पर टूरिस्ट क्रूजर खंभे से टकराई, 12 घायल

प्रात : किरण संवाददाता

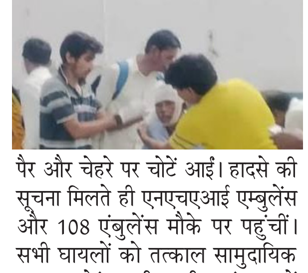

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में शुक्रवार सुबह लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के मदनपुर पनियार के पास एक टूरिस्ट क्रूजर का टायर पंचर होने से वह अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई। इस हादसे में वाहन में सवार 12 यात्री घायल हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी वाराणसी से अयोध्या दर्शन करने जा रहे थे। वाराणसी से अयोध्या जा रही टूरिस्ट क्रूजर (वढ 65 ऋछ 6079) का पिछला टायर फट गया, जिससे वाहन चालक का नियंत्रण खो गया और गाड़ी सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि क्रूजर में बैठे अधिकांश यात्रियों को सिर, हाथ-पैर और चेहरे पर चोटें आईं। हादसे की सूचना मिलते ही एनएचएआई एम्बुलेंस और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं। सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लंभुआ में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल चार यात्रियों - पुदधूलाल (65), बलराम, कल्लू और बतीसिया को बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। ये सभी मध्य प्रदेश के निवासी हैं। अन्य घायलों में जगराम (49,) केनकड़ा करेली, एमपी, नुखिया बाई, लखन मसकोले, बाती झरिया, रजनी, सकुन, कुटुलाल, दिव्या झारिया (मोहगांव सिवनी, एमपी) और चालक साहिद (धमरिया लोहता, वाराणसी) शामिल हैं। शेष घायलों का इलाज सीएचसी लंभुआ में जारी है। हादसे की सूचना पर एडिशनल एसपी, एसडीएम सीओ ऋतिक कपूर, नायब तहसीलदार और कोतवाली प्रभारी अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। अपर पुलिस अधीक्षक वृज नारायण सिंह ने शुक्रवार को बताया कि क्रूजर गाड़ी वाराणसी से अयोध्या जा रही थी, जिसमें मध्य प्रदेश के शिवनी के कुछ लोग सवार थे। कुल 15 लोगों के बैठने की सूचना है।

प्रेमचन्द की रचनाएं आज भी देती हैं समाज को नई सोच : नेहा गुप्ता

प्रात : किरण संवाददाता

प्रयागराज। कथासम्राट मुंशी प्रेमचन्द की रचनाएं आज भी समाज को नई सोच और सही दिशा देती हैं। प्रेमचन्द ने अपनी यथार्थवादी लेखनी के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार किया और मानवीय मूल्यों को साहित्य के केंद्र में स्थापित किया। प्रेमचन्द ने अपनी यथार्थवादी लेखनी से सामाजिक आडंबरों और कुरीतियों पर प्रभावी प्रहार किया। उनकी रचनाएं केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि समाज को सही दिशा देने और जीवन को समझने की प्रेरणा भी देती हैं। उक्त विचार शुक्रवार को कथासम्राट मुंशी प्रेमचन्द की जयंती के अवसर पर “सर्जनपीठ”, प्रयागराज के तत्वावधान में प्रेमचन्द कथा-लेखन की प्रासंगिकता विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य वक्ता आकाशवाणी प्रयागराज की कार्यक्रम प्रमुख एवं सहायक निदेशक (कार्यक्रम) नेहा गुप्ता ने कहा। उन्होंने कहा कि “गोदान”, “गबन”, “कफन” और “सेवासदन” जैसी रचनाएं प्रेमचन्द की गहरी सामाजिक समझ और विश्लेषण क्षमता का परिचय देती हैं। उनकी कहानियों की भाषा सरल होने के साथ-साथ पाठकों के मन को सीधे प्रभावित करती है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा देती है।

प्रेमचन्द का साहित्य समाज का सजीव दर्पण

इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक एवं भाषाविद् आचार्य पं. पृथ्वीनाथ पाण्डेय ने कहा कि प्रेमचन्द का साहित्य समाज का सजीव दर्पण है। उन्होंने सामाजिक विषमताओं और अन्याय का यथार्थ चित्रण करते हुए साहित्य को जनचेतना का प्रभावी माध्यम बनाया। यही कारण है कि प्रेमचन्द का कथा-साहित्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उनके समय में था। परिसंवाद में देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े शिक्षाविदों और साहित्यकारों ने प्रेमचन्द के साहित्य में निहित सामाजिक चेतना, मानवता, समानता और नैतिक मूल्यों पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में उनके साहित्य को आज के समय में भी समाज के लिए प्रेरणादायी और मार्गदर्शक बताया गया। कथासम्राट मुंशी प्रेमचन्द की जयंती के अवसर पर “सर्जनपीठ”, प्रयागराज के तत्वावधान में “प्रेमचन्द कथा-लेखन की प्रासंगिकता” विषय पर प्रयागराज और बलिया से संयुक्त रूप से राष्ट्रीय ऑनलाइन बौद्धिक परिसंवाद का आयोजन किया गया। इसमें देश के विभिन्न राज्यों से साहित्यकारों, शिक्षाविदों और विद्वानों ने अपने विचार रखे।

पारिवारिक विवाद से तंग आकर थाना में तैनात सिपाही ने विषाक्त पदार्थ खाया

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के बरसठी थाने में तैनात एक सिपाही ने शुक्रवार को पारिवारिक विवाद के बाद विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। साथी पुलिसकर्मियों ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए वाराणसी रेफर कर दिया गया। परिजन वाराणसी न ले जाकर जनपद के एक निजी नर्सिंग होम में इलाज करवा रहे हैं। मिजार्पुर निवासी सिपाही विवेक गौड़ पिछले दो वर्षों से बरसठी थाना में मुंशी के पद पर तैनात हैं। साथियों का कहना है कि शुक्रवार विवेक अपने परिजनों से वीडियो कॉल पर बातचीत कर रहा था।कुछ देर बाद उसने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। साथ में मौजूद एक अन्य सिपाही ने उन्हें रोकने का प्रयास किया और अधिकांश पदार्थ गिरा दिया, लेकिन बताया जा रहा है कि विवेक गौड़ ने बचा हुआ कुछ हिस्सा पी लिया। घटना की जानकारी मिलते ही थाना परिसर में अफरा-तफरी मच गई। पुलिसकर्मियों ने तत्काल उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया। जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. अशोक यादव ने बताया कि सिपाही को प्राथमिक उपचार देने के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया गया है। हालत ठीक नहीं है। घटना से पहले सिपाही ने अपने सोशल मीडिया स्टेटस पर एक भावनात्मक संदेश साझा किया था, जिसमें लिखा था कि इस जीवन में कोई नहीं अपना, सब मतलब के हैं।

यूपी में संगठन विस्तार पर लोजपा (रामविलास) का फोकस, 2027 चुनाव में मजबूत दावेदारी का दावा

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने उत्तर प्रदेश में संगठन विस्तार के साथ 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों को तेज कर दिया है। पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश संगठन सचिव एवं प्रदेश प्रवक्ता (उत्तर प्रदेश पूर्वी) अभिनव श्रीवास्तव ने कहा कि लोजपा (रामविलास) बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत कर आगामी विधानसभा चुनाव में प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराएगी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के उत्तर प्रदेश दौरे की शुरूआत धर्मनगरी काशी से कराने का प्रयास किया जा रहा है। वाराणसी में मीडिया से बातचीत के दौरान अभिनव श्रीवास्तव ने अपनी नई जिम्मेदारी के लिए पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान, उत्तर प्रदेश प्रभारी अरुण भारती, धीरेंद्र मुन्ना और प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासी ने उन पर जो विश्वास जताया है, वह उसके अनुरूप पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाना और जनता की आवाज को संगठन एवं मीडिया के माध्यम से प्रभावी ढंग से सामने लाना होगी। उन्होंने बताया कि पार्टी इस समय उत्तर प्रदेश के सभी जिलों और 403 विधानसभा क्षेत्रों में संगठन विस्तार अभियान चला रही है। बूथ स्तर तक कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ-साथ नए सदस्यों को जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके अलावा आम जनता से सीधे संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से दलित चौपाल, प्रबुद्ध चौपाल और चाणक्य चौपाल जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उनका कहना है कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से जनता की समस्याओं और सुझावों को सीधे पार्टी नेतृत्व तक पहुंचाया जा रहा है। विधानसभा चुनाव में गठबंधन और सीट बंटवारे के सवाल पर अभिनव श्रीवास्तव ने कहा कि इस विषय पर अंतिम निर्णय पार्टी का शीर्ष नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा कि एनडीए के संबंध में जो भी निर्णय लिया जाएगा, वह सभी कार्यकताओं के लिए स्वीकार्य होगा और पार्टी उसी के अनुरूप चुनावी रणनीति बनाएगी। युवाओं के बीच पार्टी की स्वीकार्यता पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि चिराग पासवान आज देश के युवाओं के बीच एक लोकप्रिय नेता के रूप में स्थापित हो चुके हैं। वे किसी एक वर्ग या जाति की नहीं, बल्कि सर्वसमाज की बात करते हैं। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश के युवाओं में भी उनके प्रति व्यापक समर्थन देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि 2027 विधानसभा चुनाव में पार्टी रोजगार सृजन, किसानों की आय में वृद्धि, महिला सशक्तिकरण तथा गरीब, दलित, पिछड़े और वंचित वर्गों के सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा जैसे मुद्दों को प्रमुखता से जनता के बीच लेकर जाएगी। अभिनव श्रीवास्तव ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश में आयोजित चौपाल कार्यक्रमों से प्राप्त जनभावनाओं से राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को अवगत करा दिया गया है। पार्टी का प्रयास है कि उनके आगामी उत्तर प्रदेश दौरे की शुरूआत काशी से हो, जहां एक विशाल जनसभा आयोजित कर चुनावी अभियान का आगाज किया जाएगा।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

नई दिल्ली, शनिवार, 01 अगस्त, 2026

जिले में बाल संरक्षण को मिलेगी मजबूती, धामपुर वन स्टॉप सेंटर में बनेगी स्थायी पुलिस चौकी

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जनपद में महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। तहसील धामपुर स्थित वन स्टॉप सेंटर में स्थायी पुलिस चौकी स्थापित किए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए पुलिस प्रशासन ने संबंधित विभाग को आवश्यक पत्रावली प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। यह निर्देश शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आयोजित जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक में पुलिस अधीक्षक नगर के.जी. सिंह ने दिए। उन्होंने प्रोबेशन विभाग के अधिकारियों से कहा कि धामपुर वन स्टॉप सेंटर में स्थायी पुलिस चौकी के निर्माण एवं स्थापना के लिए आवश्यक प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत किया जाए। बैठक के दौरान प्रभारी जिला प्रोबेशन अधिकारी विमल चौबे ने समिति के कार्यों, अब तक की गई कार्रवाई तथा समिति के सदस्यों के विभिन्न दायित्वों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बाल संरक्षण व्यवस्था को ग्राम एवं ब्लॉक स्तर तक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से बाल कल्याण समितियों के गठन की दिशा में कार्य किया जाएगा। उन्होंने बाल अपचारियों (किशोर अपराधियों) के मामलों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को उनकी वर्तमान स्थिति एवं पुनर्वास संबंधी सूचनाओं का नियमित संधारण करने के निर्देश दिए। साथ ही बाल श्रम उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियानों की जानकारी भी साझा की। प्रभारी जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि धामपुर तहसील के नगीना रोड स्थित चक शहजानी में 100 बेड के सरकारी अस्पताल परिसर में संचालित वन स्टॉप सेंटर में स्थायी पुलिस चौकी स्थापित की जाएगी, जिससे महिलाओं एवं बच्चों को त्वरित सुरक्षा और सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी। बैठक में किशोर न्याय बोर्ड की कार्यप्रणाली पर भी चर्चा की गई। इसके अलावा जिले में भिक्षावृत्ति एवं बच्चों में बढ़ती नशाखोरी की रोकथाम के लिए व्यापक जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाने पर बल दिया गया। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति के सदस्य उपस्थित रहे। पुलिस चौकी की स्थापना से वन स्टॉप सेंटर की सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होने के साथ ही पीड़ित महिलाओं एवं बच्चों को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने में सुविधा होगी।

मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर लोनी की जर्जर हालत पर करी चिंता व्यक्त

लोनी। लोनी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अधिवक्ता सुरेंद्र कुमार ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं अन्य संबंधित उच्च अधिकारियों को पत्र प्रेषित कर दिल्ली-सहारनपुर मार्ग (PWD RoÔd), लोनी की अत्यंत जर्जर एवं चिंताजनक स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित किया है। एडवोकेट सुरेंद्र कुमार ने पत्र में उल्लेख किया है कि लोनी नगर पालिका परिषद क्षेत्र की लगभग 15-20 लाख आबादी वर्षों से जलभराव, प्रदूषण, धूल, सड़क धंसने, गहरे गड्ढों तथा अवैध रूप से डाले जा रहे उङ्खल्लर३१४ृ३ड्डल्ल & ॅड्ढ३ङ्खल्ल (उ&ड) हंरड्डी की गंभीर समस्या से जूझ रही है। बरसात के समय दिल्ली-सहारनपुर मुख्य मार्ग एवं आसपास का क्षेत्र तालाब का रूप धारण कर लेता है, जिससे दुर्घटनाएं, यातायात अवरोध, जलजनित रोग, वायु प्रदूषण तथा सार्वजनिक संपत्ति को व्यापक क्षति होती है। उन्होंने यह भी लिखा है कि स्थानीय नागरिकों द्वारा केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (उढउइ) को की गई शिकायतों तथा विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचारों से भी इस समस्या की गंभीरता स्पष्ट होती है। लोनी क्षेत्र में स्थायी एवं वैज्ञानिक तरीके से जल निकासी व्यवस्था के अभाव में प्रत्येक वर्ष नागरिकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। प्रार्थना-पत्र के अनुसार वर्तमान स्थिति एल्ल५्र१ङ्मल्लेील्ल३ (ढ१ङ्म३ीू३्रङ्मल्ल) अूं, 1986, ॅं३ी१ (ढ१ी५ील्ल३्रङ्मल्ल & उङ्मल्ल३१ङ्म’) अू३, 1974, ॅं३ी१ (ढ१ीॅ...) एवं उङ्मल्ल३१ङ्म’ ङ्मा ढ्रीूेँ१्र’ (ढ) अू३, 1981, एवं रङ्गंरल्ल हंरड्डी रङ्गी३ ढ्र‘ी, 2016 तथा भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत प्रत्येक नागरिक को प्राप्त सुरक्षित एवं स्वच्छ पर्यावरण में जीवन जीने के अधिकार की भावना के विपरीत है। बार एसोसिएशन अध्यक्ष ने प्रार्थना पत्र के माध्यम से मांग की है कि संपूर्ण लोनी क्षेत्र का वैज्ञानिक ल्ल्रा्रीि ऊ१ं्रल्लंॅी रङ्गुी१ ढ’ंल्ल एवं उङ्मेिस्रीरी (उएट्र) टंरल्ल कराया जाए तथा भविष्य की जनसंख्या, शहरीकरण एवं वर्षा को ध्यान में रखते हुए स्थायी रङ्घुी१ँीं१्र ऊ१ंरल्ल छंर३ ४ँल्ल तैयार किया जाए। मुख्य रूप से दिल्ली सहारनपुर मार्ग के दोनों ओर न्यूनतम 3-3 मीटर चौड़े आर.सी.सी. (पक्के) नालों का निर्माण भारतीय मानकों (कफउ, करफ अथवा ढहऊ इ्र१ूीेङ्मा ेस्री’ी) के अनुरूप कराया जाए, जिससे पूरे लोनी क्षेत्र की जल निकासी का स्थायी समाधान सुनिश्चित हो सके। पारदर्शी एवं भ्रष्टाचार-मुक्त के मध्य नजर ई-टेंडरिंग, थर्ड पार्टी गुणवत्ता परीक्षण, ड्रोन मॉनिटरिंग, सोशल ऑडिट तथा समयबद्ध निगरानी व्यवस्था लागू की जाए।

प्रभारी मंत्री ने विकास कार्यों की समीक्षा में कसे अफसरों पर शिकंजा, दिए सख्त निर्देश

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता: गुलाब देवी

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जनपद के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गुलाब देवी ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों एवं विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का क्रियान्वयन केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि उसका प्रभाव धरातल पर स्पष्ट दिखाई देना चाहिए। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, शिक्षक विधायक डॉ. हरि सिंह ढिल्लों, विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी, विधायक राजीव तरारा, जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़, पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव तथा मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र मौजूद रहे। बैठक की शुरूआत में प्रभारी मंत्री ने मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत दो बच्चों को आर्थिक सहायता के प्रमाण-पत्र तथा कोविड से प्रभावित आठ बच्चों को लैपटॉप वितरित किए। समीक्षा के दौरान प्रभारी मंत्री ने ग्रामीण शौचालयों का स्थलीय निरीक्षण कराने, वृक्षारोपण के साथ पौधों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देने और प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजनाओं में केवल वास्तविक पात्रों को लाभ देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह योजना में लाभार्थियों के चयन में पूरी पारदर्शिता बरती जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश देते हुए उन्होंने नकली दवाओं की बिक्री रोकने, मेडिकल स्टोरों की नियमित जांच कराने तथा झोलाछाप चिकित्सकों के खिलाफ प्रभावी अभियान चलाने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन कार्यों से क्षतिग्रस्त सड़कों की शीघ्र मरम्मत कराने और निर्माण कार्यों के शिलापट्टों पर जनप्रतिनिधियों के नाम शासनादेश के अनुसार अंकित करने को भी कहा। प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों के साथ नियमित समन्वय बनाए रखने और योजनाओं की जानकारी साझा करने के निर्देश दिए। वहीं जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने भरोसा दिलाया कि बैठक में दिए गए सभी निर्देशों का समयबद्ध और शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

बिजनौर में कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस अलर्ट, एएसपी ग्रामीण ने किया बॉर्डर क्षेत्रों का निरीक्षण

बिजनौर। श्रावण कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल एवं सुरक्षित संपन्न कराने के लिए बिजनौर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) प्रकाश कुमार ने शुक्रवार को जनपद के विभिन्न कांवड़ मार्गों एवं शिविर स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) ने क्षेत्राधिकारी चांदपुर, थाना प्रभारी नूरपुर एवं शिवालाकला की उपस्थिति में ग्राम बलदाना (नूरपुर-नहटौर बॉर्डर) से शहीद तिराहा नूरपुर, अब्दुल्लापुर दाहना (नूरपुर-नौगावां सादात, अमरोहा बॉर्डर), दौरानी तिराहा, भवानी बॉर्डर (शिवालाकला-नौगावां सादात, अमरोहा बॉर्डर) तथा रुस्तमपुर मुस्तफाबाद (धनौरा बॉर्डर) तक कांवड़ मार्गों एवं शिविर स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कांवड़ यात्रा मार्गों पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों की सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित करना पुलिस प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की लापरवाही के लिए कोई स्थान नहीं है। एएसपी ग्रामीण ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ मार्गों पर निरंतर निगरानी बनाए रखी जाए तथा संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए। उन्होंने यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने, निर्धारित रूट डायवर्जन का प्रभावी ढंग से पालन कराने तथा श्रद्धालुओं की आवाजाही में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न होने देने के निर्देश भी दिए। इसके अतिरिक्त, शिविर स्थलों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और आवश्यकता पड़ने पर त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराई जाए। कांवड़ यात्रा के दौरान जनपद की सीमाओं से गुजरने वाले मार्गों को ध्यान में रखते हुए अमरोहा जनपद से लगने वाले बॉर्डर क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी विशेष जोर दिया गया है। पुलिस प्रशासन द्वारा अंतरजनपदीय समन्वय के साथ सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन की तैयारियों को मजबूत किया जा रहा है। श्रावण मास में लाखों शिवभक्तों की आस्था से जुड़ी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए बिजनौर पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार स्थलीय निरीक्षण और सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की जा रही है।

आई एम इंटर कॉलेज में पीटीए बैठक, बच्चों के सर्वांगीण विकास पर हुआ मंथन

मानसिक, शारीरिक स्वास्थ्य, नैतिक मूल्यों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर अभिभावकों व शिक्षकों ने साझा किए सुझाव

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। नगर स्थित आई एम इंटर कॉलेज में शनिवार को अभिभावक-शिक्षक संघ (पीटीए) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नियमित उपस्थिति, मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य, नैतिक मूल्यों और विद्यालय के समग्र विकास पर विस्तार से चर्चा की गई। शिक्षकों और अभिभावकों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए आपसी समन्वय और नियमित संवाद को आवश्यक बताया। प्रधानाचार्य डॉ. जमशेद कमाल ने कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य के निर्माण में शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावकों की भी समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रखने की अपील करते हुए कहा कि यदि आवश्यकता पड़ने पर मोबाइल देना भी पड़े, तो उसकी गतिविधियों पर अवश्य निगरानी रखें। साथ ही बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने और घर पर पढ़ाई का अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने का आग्रह किया। बैठक में बच्चों के परीक्षा परिणाम, उनकी कमजोरियों और सुधार के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। शिक्षकों ने अभिभावकों से बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने, स्वच्छ व निर्धारित पोशाक में भेजने तथा अनुशासन का पालन कराने का अनुरोध किया। वहीं अभिभावकों ने भी बच्चों को समय पर विद्यालय भेजने और उनकी पढ़ाई में सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए अभिभावकों से सुझाव भी लिए गए। शिक्षकों ने कहा कि शिक्षक, अभिभावक और बच्चों के बीच बेहतर संवाद से बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है। साथ ही सरकारी विद्यालयों के प्रति सकारात्मक सोच अपनाने और बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

साधु-संतों के वेश में प्रदर्शन पर लोनी विधायक ने करी पप्पू यादव की सदस्यता रद्द करने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। अजमेर शरीफ और मस्जिदों में अनियमितता पर टोपी लगाकर प्रदर्शन करके दिखाएं पप्पू यादव। यह बात लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को प्रेषित पत्र में कही है। विधायक नंद गुर्जर द्वारा लोकसभा परिसर में सांसद पप्पू यादव द्वारा साधु-संतों का वेश धारण कर किए गए प्रदर्शन को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पत्र लिखकर पप्पू यादव की सदस्यता रद्द करने एवं कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। विधायक ने पत्र में लिखा है कि इस कृत्य से सनातन परंपरा, साधु-संतों एवं करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं तथा संसद की गरिमा को ठेस पहुंची है। उन्होंने मामले में जांच कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है ताकि भविष्य में हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं एवं प्रतीकों का अपमान करने का कोई दुस्साहस न कर सकें।

21 बोरी डीएपी खाद चोरी का खुलासा, छह आरोपी गिरफ्तार

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। थाना कोतवाली देहात पुलिस ने डीएपी खाद चोरी के मामले का सफल खुलासा करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई 21 बोरी डीएपी खाद तथा घटना में प्रयुक्त तीन पहिया वाहन बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम रोशनपुर प्रताप निवासी विदित कुमार सिंह ने 30 जुलाई को थाना कोतवाली देहात में तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात चोरों ने उनके गोदाम का ताला तोड़कर वहां रखी 21 बोरी डीएपी खाद चोरी कर ली है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी थी। जांच के दौरान थाना कोतवाली देहात पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अरबाज पुत्र राशिद, अकरार पुत्र अनवर, रिजवान उर्फ रैंचो पुत्र सलीम निवासीगण आदमपुर थाना कोतवाली शहर, लक्की पुत्र देवेंद्र सिंह निवासी छलरा थाना कोतवाली शहर, दीप कुमार पुत्र ओमपाल सिंह निवासी महेश्वरी जट्ट थाना कोतवाली देहात तथा नितेन्द्र पुत्र रामनाम सिंह निवासी ईशापुर थाना हल्दौर के रूप में हुई है।

प्रभारी मंत्री ने किया संविलियन विद्यालय जोया का निरीक्षण, स्मार्ट क्लास देख बांटीं पुस्तकें

छात्र-छात्राओं से किया संवाद, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक शिक्षण व्यवस्था पर दिया जोर

प्रातः किरण संवाददाता अमरोहा। उत्तर प्रदेश सरकार की माध्यमिक शिक्षा मंत्री एवं जनपद प्रभारी मंत्री श्रीमती गुलाब देवी ने शुक्रवार को विकास खंड जोया स्थित संविलियन विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया, छात्र-छात्राओं से संवाद किया तथा स्मार्ट क्लास का अवलोकन कर शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने विभिन्न कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों की ड्रेस, पाठ्यपुस्तकों, पठन-पाठन और शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन और स्वच्छता अपनाने की प्रेरणा देते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने का संदेश दिया। इसके बाद उन्होंने विद्यालय की स्मार्ट क्लास का निरीक्षण किया और संबंधित शिक्षिका से इसके संचालन एवं डिजिटल शिक्षण व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री ने छात्र-छात्राओं को पाठ्यपुस्तकों का वितरण कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। साथ ही विद्यालय प्रशासन और शिक्षकों को शासन की सभी शैक्षिक योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. मोनिका, खंड शिक्षा अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संपूर्ण उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष पद पर पुनः मनोनीत हुए कुंवर विनीत अग्रवाल

प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम दास गर्ग ने की घोषणा, नए पदाधिकारियों का हुआ स्वागत, सदस्यता अभियान को मिलेगा विस्तार

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। संपूर्ण उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम दास गर्ग ने प्रदेश दौरे के दौरान अमरोहा में आयोजित समीक्षा बैठक में कुंवर विनीत अग्रवाल को पुनः जिला अध्यक्ष मनोनीत किया। वहीं हर्ष माहेश्वरी को नगर अध्यक्ष, नितिन शंकर को युवा जिलाध्यक्ष तथा सुमित सरन को युवा नगर अध्यक्ष के पद पर पुनः जिम्मेदारी सौंपी गई। अन्य प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी पूर्ववत बने रहेंगे। नगर के मधुरम बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम दास गर्ग का व्यापारियों ने फूलमालाएं पहनाकर एवं शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि संगठन का नाम पहले पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल था, लेकिन अब पूरे प्रदेश में विस्तार होने के बाद इसका नाम बदलकर संपूर्ण उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल कर दिया गया है। इसी क्रम में अमरोहा जिला एवं नगर इकाई का पुनर्गठन किया गया। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष कुंवर विनीत अग्रवाल के नेतृत्व में कई नए व्यापारियों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की। इनमें नितिन दीक्षित, संजीव बंसल, नमन जैन, वहाब सैफी, तनिष्क गोयल, लव खंडेलवाल एवं खुर्शीद सैफी प्रमुख रहे। इन्हें संगठन में विभिन्न दायित्व भी सौंपे गए। जिलाध्यक्ष ने शेष कार्यकारिणी का गठन बाद में किए जाने की बात कही। प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम दास गर्ग ने कहा कि अमरोहा की इकाई हमेशा से मजबूत रही है और व्यापारियों के हितों के लिए संघर्ष करती रही है। उन्होंने बताया कि संगठन के प्रयासों से जीएसटी में पंजीकृत व्यापारियों के लिए 10 लाख रुपये की दुर्घटना बीमा योजना लागू कराई गई है। साथ ही व्यापारी पेंशन योजना, व्यापारियों के स्टॉक की सरकारी बीमा योजना, प्राथमिकता के आधार पर शस्त्र लाइसेंस तथा व्यापारियों के लिए अलग विधायक क्षेत्र बनाए जाने की मांग सरकार से की जा रही है। उन्होंने लखनऊ में व्यापार भवन निर्माण की मांग भी दोहराई और सदस्यता अभियान को तेज करने का आह्वान किया।जिलाध्यक्ष कुंवर विनीत अग्रवाल ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करेंगे। व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए संगठन हमेशा संघर्षरत रहेगा तथा किसी भी व्यापारी का उत्पीड़न नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने जिले के सभी नगरों और कस्बों में संगठन का विस्तार करने की भी घोषणा की। बैठक में राधेश्याम गुप्ता, अशोक रस्तोगी, मुकेश रस्तोगी, प्रवीण आर्य, सिद्धराज यादव, सलिल नाथ गोयल, परवेज आरिफ टीटू, खालिद सिद्दीकी, विनोद भार्गव, विनय तनेजा, सचिन यादव, निशिल सरन, प्रणीत आर्य, दीपक कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

14 साल बाद प्रबल हत्याकांड में आया बड़ा फैसला, सात दोषियों को उम्रकैद; तत्कालीन एसपी समेत कई पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई के आदेश

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जिले के बहुचर्चित प्रबल हत्याकांड में 14 वर्ष बाद अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए सातों दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। फास्ट ट्रैक कोर्ट-द्वितीय के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश शाहजाद अली ने प्रत्येक दोषी पर करीब एक लाख 25 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अदालत ने अर्थदंड की कुल राशि का 90 प्रतिशत हिस्सा पीड़ित परिवार को दिए जाने के आदेश दिए हैं। वहीं, मामले की विवेचना में गंभीर खामियां पाए जाने पर तत्कालीन पुलिस अधीक्षक समेत कई पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई के आदेश भी दिए गए हैं। प्रबल की हत्या करीब 14 वर्ष पूर्व नगर में आयोजित अग्रसेन जयंती समारोह के दौरान हुई थी। समारोह के दौरान हुए विवाद में प्रबल पर जानलेवा हमला किया गया था, जिसके बाद उसकी मौत हो गई थी। घटना के बाद से यह मामला जिले के सबसे चर्चित आपराधिक मामलों में शामिल रहा। मृतक के परिजनों ने न्याय के लिए लगातार कानूनी लड़ाई लड़ी और आखिरकार अदालत ने सातों आरोपियों को दोषी मानते हुए उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई।

इन सात दोषियों को मिली उम्रकैद

अदालत ने संजय गुप्ता (अधिवक्ता), विनय अग्रवाल, अपूर्व अग्रवाल, निखिल अग्रवाल, अनुज अग्रवाल, राहुल गुप्ता और आशीष उर्फ आशु को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मामले में दोषी ठहराए गए विनय अग्रवाल वर्तमान में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य संगीता जैन के पति हैं। इस कारण फैसले को राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रत्येक दोषी पर लगा 1.25 लाख रुपये का अर्थदंड

न्यायालय ने सातों दोषियों पर लगभग एक लाख 25 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि अर्थदंड की कुल राशि का 90 प्रतिशत हिस्सा पीड़ित परिवार को प्रतिकर के रूप में दिया जाएगा।

कांग्रेस ने 10 हजार पौधों का निःशुल्क वितरण कर 10 लाख पौधे लगाने का लिया संकल्प

जौनपुर। जौनपुर में पर्यावरण संरक्षण और हरित अभियान को गति देने के उद्देश्य से कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को शहर में पौध वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान के नेतृत्व में बड़ी मस्जिद के निकट आयोजित कार्यक्रम में 10 हजार पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि, कांग्रेस पूरे जनपद में अपने स्तर से 10 लाख पौधे लगाने का अभियान चलाएगी। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए आवश्यक कदम है।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/सामान्य, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली निम्नलिखित रेलवे स्टेशनों/स्थानों पर खानपान इकाईयों हेतु सामान्य लघु इकाइयाँ (GMU) और विशेष लघु इकाइयाँ (SMU) के अनुबंधों के आवंटन के लिए आईआरईपीएस (https://ireps.gov.in/) के माध्यम से ई–नीलामी आमंत्रित करता है:

क्र. सं.	ई-नीलामी कैटलॉग संख्या	ई-नीलामी के लिए दिनांक और समय	रेलवे स्टेशन	लॉट संख्या	इकाई का प्रकार
1	CTG-JULY-01-26	14.08.2026 को 11:00 बजे	मोदीनगर	Catg-DLI-MDNR-GMU-125-25-1	सामान्य लघु इकाई (GMU)
2			घडी हरसरू	Catg-DLI-GHH-GMU-99-25-1	
3			मानसा	Catg-DLI-MSZ-GMU-140-25-1	
4				Catg-DLI-MSZ-GMU-138-25-1	
5			बेहता हाजीपुर	Catg-DLI-BHHZ-GMU-157-25-1	
6				Catg-DLI-BHHZ-GMU-90-25-1	
7			खेकड़ा	Catg-DLI-KEX-GMU-105-25-1	
8			नया गाज़ियाबाद	Catg-DLI-GZN-GMU-132-25-1	
9			गन्नौर	Catg-DLI-GNU-GMU-146-25-1	
10				Catg-DLI-GNU-GMU-133-25-1	
11			शिवाजी ब्रिज	Catg-DLI-CSB-GMU-139-25-1	
12			खतौली	Catg-DLI-KAT-GMU-103-25-1	
13				Catg-DLI-KAT-GMU-129-25-1	
14			मंगोलपुरी	Catg-DLI-MGLP-GMU-108-25-1	
15			जुलाना	Catg-DLI-JNA-GMU-98-25-1	
16			बागपत रोड	Catg-DLI-BPM-GMU-102-25-1	
17			असोती	Catg-DLI-AST-GMU-148-25-1	
18				Catg-DLI-AST-GMU-100-25-1	
19			बुढलाडा	Catg-DLI-BLZ-GMU-171-25-1	
20			होलंबी कलां	Catg-DLI-HUK-GMU-114-25-1	
21			बरेटा	Catg-DLI-BRZ-GMU-88-25-1	
22			फखरपुर	Catg-DLI-FAP-GMU-95-25-1	
23			मौर	Catg-DLI-MAUR-GMU-151-25-1	
24			गोत्रा हाल्ट	Catg-DLI-GTRA-GMU-158-25-1	
25			खलीलपुर	Catg-DLI-KIP-GMU-92-25-1	
26			घरौंदा	Catg-DLI-GRA-GMU-97-25-1	
क्र. सं.	ई-नीलामी कैटलॉग संख्या	ई-नीलामी के लिए दिनांक और समय	रेलवे स्टेशन	लॉट संख्या	इकाई का प्रकार
1	CTG-JULY-02-26	17.08.2026 को 11:00 बजे	समालखा	Catg-DLI-SMK-GMU-87-25-1	सामान्य लघु इकाई (GMU)
2			ओखला	Catg-DLI-OKA-GMU-170-25-1	
3			तुगलकाबाद	Catg-DLI-TKD-GMU-169-25-1	
4			सांपला	Catg-DLI-SPZ-GMU-150-25-1	
5				Catg-DLI-SPZ-GMU-149-25-1	
6			मोहिउद्दीनपुर	Catg-DLI-MUZ-GMU-154-25-1	
7			मंडावली चन्देर विहार हॉल्ट	Catg-DLI-MWC-GMU-113-25-1	
8			सुजरा हॉल्ट	Catg-DLI-SUJR-GMU-112-25-1	
9			तिलक ब्रिज	Catg-DLI-TKJ-GMU-111-25-1	
10			ताज नगर	Catg-DLI-TNJR-GMU-176-25-1	
11			पटेल नगर	Catg-DLI-PTNR-GMU-142-25-1	
12			सुनेहरा	Catg-DLI-SFA-GMU-107-25-1	
13			विवेक विहार	Catg-DLI-VVB-GMU-109-25-1	
14			शाहबाद मारकंडा	Catg-DLI-SHDM-GMU-131-25-1	
15			राथधना	Catg-DLI-RDDE-GMU-155-25-1	
16			मुरादनगर	Catg-DLI-MUD-GMU-91-25-1	
17				Catg-DLI-MUD-GMU-128-25-1	
18			उचाना	Catg-DLI-UCA-GMU-110-25-1	
19			परतापुर	Catg-DLI-PRTP-GMU-156-25-1	
20			दया बस्ती	Catg-DLI-DBSI-SMU-116-25-1	विशेष लघु इकाई (SMU)
21			साहिबाबाद	Catg-DLI-SBB-SMU-174-25-1	
22			दिल्ली आजादपुर	Catg-DLI-DAZ-SMU-122-25-1	
23			मोदीनगर	Catg-DLI-MDNR-SMU-115-25-1	
24			पलवल	Catg-DLI-PWL-SMU-166-25-1	
25			तिलक ब्रिज	Catg-DLI-TKJ-SMU-121-25-1	
26			तुगलकाबाद	Catg-DLI-TKD-SMU-117-25-1	

वेबसाइट विवरण जहां ई-नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है : https://ireps.gov.in/ (E-Auction-Leasing)

आईआरईपीएस के ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के माध्यम से आयोजित ई-नीलामी में भाग लेने के इच्छुक सभी ठेकेदारों को अपनी बोलियां जमा करने से पहले निम्नलिखित अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करना चाहिए:

➢ ई–नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के लिए आईआरईपीएस पंजीकरण – ई–नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के लिए सक्रिय आईआरईपीएस उपयोगकर्ता खाता। ➢ एक मुश्त पंजीकरण शुल्क का भुगतान; भारतीय स्टेट बैंक में चालू खाता; IREPS खाते के साथ SBI बैंक खाते का एकीकरण; निधियों का ग्रहणाधिकार अंकन; टर्नओवर विवरण का अद्यतनीकरण। ➢ ई–नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के लिए अब वर्चुअल अकांउट नंबर (VAN) नाम से एक नया तंत्र शुरू किया गया है, जिसका उपयोग बोलीदाताओं द्वारा लियन मार्किंग तंत्र के विकल्प के रूप में किया जा सकता है। ➢ बोलीदाता, किसी भी समय लियन मार्किंग मैकेनिज्म (यदि सक्रिय है) और VAN तंत्र के बीच स्विच करने के लिए स्वतंत्र हैं। VAN तंत्र के लिए बोली लगाने वाले के पास भारतीय स्टेट बैंक में चालू खाता होना आवश्यक नहीं है। उपयोगकर्ता किसी भी बैंक में अपने किसी भी मौजूदा बैंक खाते से अपने VAN खाते में धन स्थानांतरित करने के लिए स्वतंत्र हैं, जो उन्हें IREPS ई–नीलामी में भाग लेने में सक्षम बनाता है। ➢ जिन ठेकेदारों के पास IREPS के किसी भी मोड्यूल के लिए IREPS खाता नहीं है, वे IREPS होम पेज पर नए विक्रेताओं/ठेकेदारों (ई–निविदा/ई–नीलामी पट्टे) लिंक पर क्लिक करके पंजीकरण के लिए अपना ऑनलाइन अनुरोध प्रस्तुत कर सकते हैं।

किसी भी प्रश्न के मामले में संपर्क करने के लिए रेलवे प्राधिकरण : मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, वाणिज्य शाखा, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली-110055, **ई-मेल:** catering.delhidivision@gmail.com, **टेलीफोन:** 011-23743084.

सं.: 23 AC/Ctg./e-Auction/GMU & SMU/2026 दिनांक: 30.07.2026 **2652/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त खबरें

उदयपुर में कार की टक्कर से पति-पत्नी और 8 वर्षीय बेटे की मौत, बड़ा बेटा गंभीर

उदयपुर। जिले में गोगुंदा-पिंडवाड़ा हाईवे पर गुरुवार रात एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि परिवार का बड़ा बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद कार चालक और उसमें सवार अन्य लोग वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार बेकरिया थाना क्षेत्र में आकियावड़ के पास गुरुवार रात करीब साढ़े आठ बजे तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी के परखच्चे उड़ गए और उस पर सवार चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को तत्काल गोगुंदा अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने 8 वर्षीय तुषार को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल उसके पिता नवनीत मीणा (36), मां संगीता (33) और बड़े भाई निखिल (14) को उदयपुर के एमबी अस्पताल रेफर किया गया। शुक्रवार सुबह इलाज के दौरान नवनीत और संगीता ने भी दम तोड़ दिया, जबकि निखिल की हालत गंभीर बनी हुई है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी का किया स्वागत

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के प्रयासों से अपनी मांगों के समाधान की उम्मीद जगी तो आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और ग्राम साथिनों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया। शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री के पीडब्ल्यूडी कार्यालय पहुंचने पर बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने उनका आभार व्यक्त करते हुए लंबित मांगों पर सकारात्मक पहल की उम्मीद जताई। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और ग्राम साथिनों ने मानदेय में वृद्धि, ग्रेच्युटी भुगतान सहित विभिन्न लंबित मांगों पर सरकार की ओर से सकारात्मक रुख अपनाए जाने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सरकार से मिले भरोसे के बाद उन्हें उम्मीद है कि उनकी मांगों पर शीघ्र ही उचित निर्णय लिया जाएगा। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और ग्राम साथिनों की समस्याओं को गंभीरता से ले रही है। सरकार उनकी मांगों और समस्याओं के समाधान के लिए सकारात्मक एवं संवेदनशील दृष्टिकोण के साथ कार्य कर रही है तथा उनके हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। महिला कार्यकर्ताओं ने उपमुख्यमंत्री का आभार जताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सरकार जल्द ही उनकी लंबित मांगों पर निर्णय लेकर राहत प्रदान करेगी। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए उपमुख्यमंत्री का जोरदार स्वागत किया।

मुहाना थाने में होगी पुलिस कमिश्नर की जनसुनवाई

जयपुर। आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल शनिवार, 1 अगस्त को पुलिस थाना मुहाना में जनसुनवाई करेंगे। जनसुनवाई सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित होगी। इस दौरान मानसरोवर सर्किल के मुहाना, शिप्रा पथ, मानसरोवर, पत्रकार कॉलोनी और नारायण विहार थाना क्षेत्रों के परिवादियों की शिकायतें सुनी जाएंगी। पुलिस प्रशासन के अनुसार जनसुनवाई का उद्देश्य क्षेत्रवासियों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण कर आमजन को राहत प्रदान करना तथा पुलिस-जन संवाद को और अधिक प्रभावी बनाना है। उल्लेखनीय है कि जयपुर पुलिस कमिश्नर मित्तल द्वारा पूर्व में एसीपी कार्यालय झोटवाड़ा, सामुदायिक भवन सांगानेर, पुलिस थाना शिप्रापथ, विद्याधर नगर, भांकरोटा, बस्सी, शिवदासपुरा, चौमू, आमेर, रामगंज, चित्रकूट, मालवीय नगर, करधनी, प्रताप नगर एवं जामडोली में भी जनसुनवाई आयोजित कर आमजन को राहत प्रदान की जा चुकी है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर डंपर में घुसा ट्रक

अलवर के गोविंदगढ़ में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर आईसर ट्रक मिट्टी से भरे डंपर में घुस गया। हादसे में ट्रक सवार भाई-बहन और ड्राइवर की मौत हो गई। हादसा गुरुवार रात 1 बजे बुर्जा गांव के पास एक्सप्रेस-वे के चैनल नंबर 86/100 पर हुआ। टक्कर में ट्रक के आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही ठ्लअक्की एम्बुलेंस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। तीनों को तुरंत बडौदामेव सीएचसी ले जाया गया। डॉक्टर ने जांच के बाद शवों को मॉच्युर्री में रखवा दिया। होटल मैनेजमेंट कोर्स कर रही थी युवती, भाई छोड़ने जा रहा था पुलिस ने बताया-हादसे में दौसा के बैजूपाड़ा के टिगरिया गांव हाल जयपुर के सांगानेर निवासी सलोनी सिंह (18), उसके भाई आंसू सिंह (20) के अलावा उत्तरप्रदेश के नगला साकित निवासी ड्राइवर विकास कुमार (31) की मौत हुई है। सलोनी फरीदाबाद में होटल मैनेजमेंट का कोर्स कर रही थी। सलोनी के परिवार के पास 3-4 ट्रक है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने किया सीजी टेंट एंड डेकोर एक्सपो-2026 का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ में टेंट व्यवसायियों को मिला एक मंच पर अवसर, टेंट उद्योग रोजगार का सशक्त माध्यमः अरुण साव

प्रातः किरण संवाददाता

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज शुक्रवार को रायपुर के लाभांडी में छत्तीसगढ़ टेंट ऑनर वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित सीजी टेंट एंड डेकोर एक्सपो-2026 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने एक्सपो का अवलोकन किया। साव ने टेंट एवं डेकोरेशन से जुड़े आधुनिक उत्पादों, आकर्षक डिजाइनों और नई तकनीकों की सराहना की। समारोह में देशभर से आए टेंट व्यवसायी एवं उद्योग से जुड़े लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।साव ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि टेंट व्यवसाय आज तेजी से विकसित होकर एक सशक्त उद्योग के रूप में स्थापित हो रहा है। नई थीम और लगातार हो रहे नवाचार इस क्षेत्र को नई पहचान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि, कम समय में किसी भी स्थान का स्वरूप बदल देना टेंट व्यवसायियों की रचनात्मकता का उत्कृष्ट उदाहरण है। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन सराहनीय हैं इसमें प्रदेशभर के व्यवसायियों को एक मंच पर लाकर अनुभव साझा करने और व्यापार के नए अवसर उपलब्ध कराने का कार्य करते हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ टेंट ऑनर वेलफेयर एसोसिएशन को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी। ऐसे प्रयास टेंट उद्योग के विकास और प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों को गति प्रदान करेंगे। इस अवसर पर विधायक मोतीलाल साहू , टेंट एसोसिएशन के पदाधिकारी गण एवं सदस्य गण उपस्थित रहे।

जनता की सेहत से कोई समझौता नहीं : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

प्रातः किरण संवाददाता

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री एवं भटगांव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े ने आज शुक्रवार को भटगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण कर अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, उपचार व्यवस्था, स्वच्छता तथा अस्पताल संचालन की स्थिति का जायजा लिया। मंत्री राजवाड़े ने ओपीडी, वार्ड, प्रसूति कक्ष, दवा वितरण केंद्र, पेयजल व्यवस्था एवं अस्पताल परिसर की साफ-सफाई का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से चर्चा कर उपचार, दवाओं की उपलब्धता तथा अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल में पाई गई कमियों को तत्काल दूर किया जाए तथा मरीजों को समय पर उपचार, आवश्यक दवाएं एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने डॉक्टरों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, दवाओं का पर्याप्त भंडारण बनाए रखने तथा चिकित्सा उपकरणों के सुचारू संचालन के निर्देश दिए। मंत्री राजवाड़े ने कहा कि प्रदेश सरकार आमजन को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मेरे क्षेत्र की देवतुल्य जनता को बेहतर, सुगम और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को अस्पताल आने वाले प्रत्येक मरीज के साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करने तथा गंभीर मरीजों को प्राथमिकता के आधार पर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

रोबोटिक सर्जरी से कैंसर उपचार में एसएमएस ने बनाया नया कीर्तिमान

प्रातः किरण संवाददाता

जयपुर। राजधानी के सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल ने चिकित्सा क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार रोबोटिक असिस्टेड थोरैसिक सर्जरी के माध्यम से भोजन नली (इसोफेगस) के कैंसर से पीड़ित मरीज का सफल ऑपरेशन किया है। यह जटिल सर्जरी एसएमएस अस्पताल के सर्जरी विभाग की यूनिट-5 के वरिष्ठ सर्जन डॉ. राजेन्द्र बागड़ी और उनकी टीम ने सफलतापूर्वक संपन्न की। यह राजस्थान में रोबोटिक तकनीक से इस प्रकार की पहली सफल सर्जरी मानी जा रही है। अस्पताल के अनुसार मरीज की विस्तृत जांच में भोजन नली में लगभग 30 सेंटीमीटर की दूरी पर सात सेंटीमीटर लंबा कैंसरग्रस्त हिस्सा पाया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों की सलाह के बाद मरीज की रोबोटिक असिस्टेड इसोफेजेक्टॉमी विद इंट्राथोरैसिक इसोफेगोगैस्ट्रिक एनास्टोमोसिस की गई। पूरे उपचार का खर्च मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत वहन किया गया, जिससे मरीज को निशुल्क उपचार उपलब्ध कराया गया। वरिष्ठ सर्जन डॉ. राजेन्द्र बागड़ी ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान कैंसरग्रस्त भोजन नली को हटाने के बाद रोबोटिक तकनीक की सहायता से छाती के भीतर भोजन नली और पेट से तैयार की गई स्टमक ट्यूब को अत्यंत सटीकता के साथ जोड़ा गया।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने किया ट्रैवल विद् पर्पस का लोकार्पण

प्रातः किरण संवाददाता

जयपुर। लेखक एवं ट्रैवल इंडस्ट्री से जुड़े उद्यमी अंशु सर्राफ की पहली पुस्तक ट्रैवल विद् पर्पस – हाउ टू सी द वर्ल्ड विदाउट हार्मिंग इट का जयपुर में आयोजित समारोह में लोकार्पण किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने पुस्तक का विमोचन करते हुए जिम्मेदार और सतत पर्यटन के संदेश को समय की आवश्यकता बताया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान जैसे पर्यटन प्रधान राज्य के लिए यह पुस्तक विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां पर्यटन विकास के साथ विरासत, संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संतुलन बनाए रखना भी जरूरी है। समारोह में प्रमुख शासन सचिव नवीन जैन (आईएएस), पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक राजेश कुमार शर्मा तथा एसएमएस स्कूल के निदेशक दामोदर प्रसाद गोयल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ट्रैवल एवं उद्योग जगत से जुड़े कई प्रतिनिधियों, उद्यमियों, यात्रा प्रेमियों और पुस्तक प्रेमियों ने भी भाग लिया। आयोजन को सफल बनाने में राजेश कुमार शर्मा के सहयोग और मार्गदर्शन की सराहना की गई। इस कार्यक्रम के दौरान लेखिका सोनिया माहेश्वरी ने लेखक अंशु सर्राफ के साथ संवाद सत्र का संचालन किया, जबकि मंच संचालन अंकिता जैन ने किया। संवाद के दौरान अंशु सर्राफ ने अपनी यात्राओं, ट्रैवल इंडस्ट्री के अनुभवों और पुस्तक लिखने की प्रेरणा साझा करते हुए कहा कि यात्रा सिर्फ पासपोर्ट से नहीं, बल्कि एक उद्देश्य के साथ कीजिए। उन्होंने बताया कि पुस्तक का उद्देश्य यात्रियों को पर्यावरण और स्थानीय संस्कृति के प्रति जिम्मेदार बनाना है। लेखक ने यात्रियों से सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने, अपनी पानी की बोतल और कपड़े का थैला साथ रखने तथा पर्यटन स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि हर यात्री का प्रयास होना चाहिए कि वह जिस स्थान पर जाए, उसे पहले से अधिक बेहतर स्थिति में छोड़कर आए।

बस्तर के किसानों को बताया गया प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना के बारे में

प्रातः किरण संवाददाता

जगदलपुर। बस्तर संभाग के मत्स्य पालक अब पारंपरिक तरीके से आगे बढ़कर आधुनिक तकनीकों के साथ मछली पालन को लाभकारी व्यवसाय बनाने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। बस्तर संभाग के 13 प्रगतिशील किसान हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होकर वैज्ञानिक मत्स्य पालन की बारीकियां सीख रहे हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना के बारे में भी किसानों को बताया गया। भारत सरकार के मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय की ओर से आयोजित यह प्रशिक्षण 31 जुलाई तक चल रहा है। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को आधुनिक मत्स्य पालन, उत्पादन प्रबंधन, उद्यमिता विकास, मूल्य संवर्धन और बेहतर विपणन व्यवस्था की जानकारी देना है। विशेषज्ञों द्वारा किसानों को गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज का चयन, तालाब की वैज्ञानिक देखरेख, पानी की गुणवत्ता बनाए रखने, मछलियों में होने वाले रोगों की पहचान, नियंत्रण, उत्पादन बढ़ाने की तकनीक सिखाई जा रही है। हैदराबाद प्रशिक्षण में किसानों को मछली पालन के हर चरण की जानकारी दी जा रही है। इसमें मत्स्य बीज चयन, जल प्रबंधन, रोग नियंत्रण, उत्पादन बढ़ाने के तरीके और तैयार उत्पादों के बेहतर विपणन की रणनीति शामिल है। विशेषज्ञ किसानों को आधुनिक तकनीक अपनाकर लाभ बढ़ाने के उपाय बता रहे हैं। प्रशिक्षण में बताया जा रहा है कि वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर कम लागत में अधिक उत्पादन लिया जा सकता है।

चंदनगिरी गांव के 15 बाढ़ प्रभावितों को प्राथमिक शाला भवन में पहुंचाया गया

प्रातः किरण संवाददाता

बीजापुर। जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। बाढ़ की चपेट में आए ग्रामीणों को सुरक्षित निकालने के लिए प्रशासन ने राहत एवं बचाव अभियान तेज कर दिया है। प्रशासन की ओर से एसडीएम, तहसीलदार और जनपद पंचायत के सीईओ के नेतृत्व में टीम चंदनगिरी गांव पहुंची है। राहत एवं बचाव दल बाढ़ से प्रभावित ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में जुटा हुआ है। प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाया हुआ है। प्रभावित क्षेत्र में आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। फिलहाल रेस्क्यू अभियान जारी है। अब तक 15 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू कर चन्दनगिरी प्राथमिक शाला भवन में अस्थायी रूप से पहुंचाया गया है। राहत व बचाव टीम मोटर बोट के माध्यम से नदी किनारे फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचा रही है। जनपद पंचायत के सीईओ आदित्य कुंजाम ने आज शुक्रवार को बताया कि चन्दनगिरी के नदी तट पर बसे लगभग 30 परिवारों को सुरक्षित निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। उन्होंने बताया कि अब तक 15 लोगो को निकालकर स्कूल भवन में पहुंचाया गया है। उन्होंने बताया कि फिलहाल बारिश की तीव्रता कुछ कम हुई है, लेकिन नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ है, और बाढ़ का खतरा अभी भी बना हुआ है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्र के लोगों से सतर्क रहने तथा सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। बचाव दल स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

ऊंट से टकराकर सेना की एसयूवी पलटी मेजर की मौत, दो लेफ्टिनेंट गंभीर घायल

जैसलमेर। जिले के थईयात आर्मी क्षेत्र में गुरुवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में भारतीय सेना के एक मेजर की मौत हो गई, जबकि दो लेफ्टिनेंट गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब सेना की टाटा सफारी अचानक सामने आए ऊंट से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एसयूवी चार से पांच बार पलटते हुए करीब 100 मीटर तक घिसटती चली गई। हादसे में ऊंट की भी मौके पर ही मौत हो गई। सदर थाना पुलिस के एएसआई जगदीश चारण ने बताया कि बीती रात मेजर हमजा आरिफ (26) अपने दो साथियों लेफ्टिनेंट आयुष्मान और लेफ्टिनेंट अभिनव राठौड़ के साथ ड्यूटी पूरी कर आर्मी स्टेशन लौट रहे थे। आर्मी स्टेशन से करीब 18 किलोमीटर दूर थईयात क्षेत्र में अचानक सड़क पर ऊंट आ जाने से वाहन अनियंत्रित होकर उससे टकरा गया। टक्कर के बाद वाहन कई बार पलट गया और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। तीनों सेना अधिकारियों को तत्काल आर्मी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मेजर हमजा आरिफ को मृत घोषित कर दिया। दोनों घायल लेफ्टिनेंट का अस्पताल में उपचार जारी है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि मध्य प्रदेश निवासी मेजर हमजा आरिफ की एक महीने पहले ही शादी हुई थी। उनकी असमय मौत से परिवार और सेना में शोक की लहर है। चारण ने बताया कि हादसे के बाद स्थानीय पुलिस और मिलिट्री पुलिस ने संयुक्त रूप से मामले की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

जिले में मलेरिया से हुई मौतों पर विभाग गंभीरता से संज्ञान लें, निचले स्तर पर नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराएं

प्रातः किरण संवाददाता

कांकेर/रायपुर। कांकेर जिले के कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की बैठक लेकर जिले में मलेरिया से हुई मृत्यु के मामलों की समीक्षा की तथा स्वास्थ्य एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रकरणों को विभाग बेहद गंभीरता से लें तथा जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं व अन्य विभागीय अमलों को नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही जिन ग्रामों में मलेरिया के अधिक प्रकरण सामने आ रहे हैं, वहां हाई अलर्ट मोड में काम करने तथा स्थिति पर सतत निगरानी रखने व उच्च कार्यालय को तत्काल सूचित करने के निर्देश दिए। जिला कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिले में स्थित सभी आश्रम-छात्रावासों में अध्ययनरत विद्यार्थियों का नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराएं तथा मलेरिया के अलावा डायरिया, टायफाइड, पीलिया जैसी अन्य वेक्टरजनित बीमारियों के लक्षण पाए जाने पर स्वास्थ्य कैम्प लगाकर प्रत्येक विद्यार्थी और शिक्षक का सैम्पल लें। इसके अलावा आशा वर्कर (मितानिन) की पेटियों में सभी आवश्यक दवाएं उपलब्ध रहे। इसके अतिरिक्त जमीनी कार्यकर्ता सतत उच्चाधिकारी को सूचित करें व उच्च कार्यालय की बिना पुष्टि के भ्रामक अभिमत न दें। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि राज्य शासन मलेरिया से हुई मौतों को लेकर बेहद संजीदा है, जिसकी गंभीरता इस बात से पता चलती है कि स्वास्थ्य मंत्री एवं स्वास्थ्य सचिव द्वारा बैठक लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। अगर भविष्य में मलेरिया से मौत के मामले आए तो शासन संबंधितों पर सख्ती से कार्रवाई करने से परहेज नहीं करेगा। उन्होंने पुनः स्वास्थ्य एवं अन्य विभागों के अधिकारियों को गंभीरता से कार्य करते हुए मलेरिया की रोकथाम के लिए अगले दो माह तक सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर दायित्वों का निर्वहन करने और उच्च कार्यालय के आदेशों का अक्षरशः पालन करने के निर्देश दिए।

तेज बारिश ने खोली निर्माण गुणवत्ता की पोल, कमारपारा का सड़क संपर्क टूटा

प्रातः किरण संवाददाता

धमतरी। सावन माह में हुई तेज बारिश ने धमतरी जिले के नगरी ब्लाक अंतर्गत ग्राम फरसियां के कमारपारा में चल रहे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नहर निर्माण के दौरान पुरानी पुलिया तोड़कर नई पुलिया का निर्माण शुरू किया गया, लेकिन समय पर कार्य पूरा नहीं होने और वैकल्पिक व्यवस्था की अनदेखी के कारण कमारपारा का सड़क संपर्क पूरी तरह बाधित हो गया है। इसका सबसे अधिक असर किसानों, स्कूली बच्चों और ग्रामीणों पर पड़ रहा है। किसान खाद लेने सोसाइटी तक नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे खेती-किसानी का कार्य प्रभावित हो गया है। वहीं राशन, किराना और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी बाधित हो गई है तथा बच्चे स्कूल जाने से वंचित हैं। ग्रामीणों के अनुसार करोड़ों रुपये की लागत से सोंढूर नहर पर निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण के लिए पुरानी पुलिया करीब तीन माह पहले तोड़ दी गई थी और लोगों की आवाजाही के लिए नहर में मिट्टी डालकर अस्थायी रास्ता बनाया गया था। इधर लगातार बारिश और सोंढुर बांध के गेट खुलने के बाद नहर में जल प्रवाह बढ़ गया, जिससे अस्थायी पुल का मिट्टी हटाकर नहर को खोल दिया गया। इसके बाद कमारपारा का पंचायत भवन, स्कूल, अस्पताल और अन्य आवश्यक स्थानों से सड़क संपर्क कट गया। समस्या के समाधान के लिए अधूरी पुलिया के दोनों ओर मिट्टी डालकर रास्ता बनाने का प्रयास किया गया, लेकिन लगातार बारिश के कारण वह घुटनों तक कीचड़ और दलदल में बदल गया। हालात ऐसे हैं कि दोपहिया वाहन, साइकिल, मवेशी ही नहीं, पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग और ठेकेदार को वर्षा ऋतु की जानकारी होने के बावजूद समय रहते पुल निर्माण पूरा नहीं किया गया।

नारायणपुर के कुकुर नदी का पानी बीएसएफ कैंप में घुसा, जवानों ने टीन शेड की छत व पेड़ों का लिया सहार

प्रातः किरण संवाददाता

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ के बालेबेड़ा गांव स्थित बीएसएफ की 86वीं बटालियन के सुरक्षा एवं जनसुविधा कैंप में लगातार दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण कुकुर नदी का पानी घुस गया। अचानक बढ़े जलस्तर से कैंप परिसर पूरी तरह जलमग्न हो गया, जिससे जवानों को जान बचाने के लिए टीन शेड की छत और आसपास के पेड़ों का सहारा लेना पड़ा। मिली जानकारी के अनुसार जवानों को कई घंटे तक इन्हीं ऊंचे स्थानों पर रहकर पानी कम होने का इंतजार करना पड़ा। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें चारों ओर बाढ़ का पानी और उसके बीच पेड़ व टीन की छत पर सुरक्षित बैठे जवान दिखाई दे रहे हैं। नक्सलवाद की चुनौती कम होने के बावजूद यहां की भौगोलिक परिस्थितियां, दुर्गम जंगल, उफनती नदियां और अचानक आने वाली प्राकृतिक आपदाएं आज भी जवानों के सामने बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। यह दृश्य साफ बताता है कि अबूझमाड़ में तैनात सुरक्षाबल केवल सुरक्षा चुनौतियों का ही नहीं, बल्कि यह प्राकृतिक आपदाओं का भी डटकर सामना करते हैं।

तंबाकू पर छत्तीसगढ़ का कड़ा प्रहार 14,948 शिक्षण संस्थान हुए तंबाकू मुक्त

प्रातः किरण संवाददाता

रायपुर। तंबाकू के खिलाफ छत्तीसगढ़ में चल रही मुहिम अब सिर्फ जागरूकता अभियान तक सीमित नहीं रही है। राज्य में तंबाकू की रोकथाम से लेकर इसे छोड़ने के लिए काउंसलिंग, उपचार, शिक्षण संस्थानों को तंबाकू मुक्त बनाने और कानून के उल्लंघन पर कार्रवाई तक एक साथ काम किया जा रहा है। इसी समेकित प्रयास का असर है कि वर्ष 2025-26 में 70,440 लोगों ने तंबाकू छोड़ने के लिए काउंसलिंग ली, जबकि 6,563 लोगों को काउंसलिंग के साथ फामाकोथेरेपी उपलब्ध कराई गई। युवाओं को तंबाकू से दूर रखने के लिए 4,577 नए शिक्षण संस्थानों को तंबाकू मुक्त घोषित किया गया, जिससे राज्य में ऐसे संस्थानों की संख्या बढ़कर 14,948 हो गई है। अभियान का विशेष फोकस युवाओं को तंबाकू से दूर रखने पर रहा। तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान अभियान के तहत वर्ष के दौरान 4,577 नए शिक्षण संस्थानों को तंबाकू मुक्त घोषित किया गया। पूर्व में घोषित 10,371 संस्थानों को मिलाकर राज्य में अब 14,948 शिक्षण संस्थान तंबाकू मुक्त घोषित किए जा चुके हैं। इनमें शासकीय एवं निजी स्कूलों के साथ कॉलेज और अन्य शिक्षण संस्थान शामिल हैं। तंबाकू नियंत्रण अभियान में कानून के प्रभावी पालन पर भी विशेष जोर दिया गया। सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान प्रतिबंध के उल्लंघन पर वर्ष के दौरान 7,783 चालान कर 10,97,670 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। वहीं 18 वर्ष से कम आयु के लोगों को तंबाकू उत्पाद बेचने अथवा उनसे खरीदने के मामलों में 1,088 चालान तथा शिक्षण संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री के विरुद्ध 1,187 चालान किए गए। तंबाकू नियंत्रण को प्रभावी बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ पुलिस, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, कृषि, शिक्षा, उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा विभाग को भी जोड़ा गया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किए गए। राज्य स्तरीय कानून प्रवर्तन प्रशिक्षण में 84 प्रतिभागियों, जबकि तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान से संबंधित प्रशिक्षण में 90 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जिला स्तर पर भी वर्ष के दौरान 123 प्रशिक्षण गतिविधियों में 15,113 प्रतिभागियों की भागीदारी रही। तंबाकू सेवन से जुड़े मौखिक स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम को राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम से भी जोड़ा गया है। इसके तहत 34 दंत चिकित्सकों को तंबाकू मुक्ति केंद्रों की सेवाओं के लिए प्रशिक्षित किया गया। वहीं वर्ष 2025-26 में मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 8,79,253 ओपीडी सेवाएं और 3,60,263 दंत प्रक्रियाएं की गईं। कार्यक्रम के अनुसार ओपीडी में 92 प्रतिशत उपलब्धि रही, जबकि दंत प्रक्रियाओं का निष्पादन निर्धारित लक्ष्य के 100 प्रतिशत से अधिक रहा। तंबाकू नियंत्रण में जागरूकता, तंबाकू मुक्ति काउंसलिंग, उपचार, शिक्षण संस्थानों को तंबाकू मुक्त बनाने और कोटपा के प्रभावी क्रियान्वयन को एक साथ जोड़कर छत्तीसगढ़ ने जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में एक समेकित कार्यप्रणाली विकसित की है।

बारिश- बाढ़ के हालात को देखते हुए जिले के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित

प्रातः किरण संवाददाता

बीजापुर। जिले में लगातार हो रही भारी बारिश और बाढ़ जैसी स्थिति को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने आज 31 जुलाई एवं 1 अगस्त 2026 को जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय प्राथमिक, माध्यमिक, हाई स्कूल तथा हायर सेकेंडरी विद्यालयों में अवकाश घोषित किया है। जिला शिक्षा अधिकारी राजेश पाण्डेय द्वारा गुरुवार की देर शाम जारी आदेश में कहा गया है कि लगातार हो रही वर्षा के कारण विद्यार्थियों को स्कूल आने-जाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जिले के कई मार्ग, पुल-पुलिया और नदी-नाले उफान पर हैं, जिससे छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। यह आदेश कलेक्टर की स्वीकृति के बाद जारी किया गया है।इससे पहले बीजापुर विधायक विक्रम मांडवी ने लगातार हो रही बारिश और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन से छात्रों के हित में स्कूलों में अवकाश घोषित करने की मांग की थी। विधायक ने कहा था कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और ऐसे हालात में स्कूल संचालन उचित नहीं होगा।विधायक की मांग और जिले की वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने सभी शैक्षणिक संस्थानों में दो दिनों का अवकाश घोषित कर दिया है। प्रशासन ने अभिभावकों और आम नागरिकों से भी खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने तथा अनावश्यक आवागमन से बचने की अपील की है।

सुबोध कॉलेज की बेसमेंट में बनी पार्किंग में आग लगने से तीन इलेक्ट्रिक स्कूटी जलकर खाक

प्रातः किरण संवाददाता

जयपुर। राजधानी के गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित रामबाग सर्किल के पास सुबोध कॉलेज की बेसमेंट पार्किंग में शुक्रवार सुबह अचानक आग लगने से तीन इलेक्ट्रिक स्कूटी जलकर पूरी तरह खाक हो गईं। सूचना पर 22 गोदाम फायर स्टेशन से दमकल मौके पर पहुंची और करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते अन्य वाहनों को हटाने से बड़ा नुकसान टल गया। फायर वूमन सीता ने बताया कि सुबह करीब 8:45 बजे कॉलेज की बेसमेंट पार्किंग में खड़ी एक इलेक्ट्रिक स्कूटी में शॉर्ट सर्किट होने की आशंका है, जिससे आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पास में खड़ी दो अन्य इलेक्ट्रिक स्कूटी भी उसकी चपेट में आ गईं। तीनों स्कूटी से उठती आग की ऊंची लपटों और धुएं को देखकर मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही 22 गोदाम फायर स्टेशन से दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने सबसे पहले आसपास खड़े अन्य वाहनों को सुरक्षित स्थान पर हटाया, जिससे आग फैलने से रोकी जा सकी। करीब 20 मिनट के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। हालांकि आग की चपेट में आई तीनों इलेक्ट्रिक स्कूटी पूरी तरह जलकर कबाड़ में तब्दील हो गईं। फायर वूमन सीता ने बताया कि आग लगने के कारण बेसमेंट पार्किंग धुएं से भर गई थी। साथ ही आसपास खड़े वाहनों को हटाने में समय लगने के कारण आग बुझाने की कार्रवाई में भी अधिक समय लगा।

संक्षिप्त खबरें

जीएल बजाज के दो छात्रों का डीआरडीओ में चयन

ग्रेटर नोएडा। नॉलेज पार्क स्थित जीएल बजाज के दो छात्रों का रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) में रिसर्च इंटर्नशिप के लिए चयन हुआ है। बीटेक एआई की छात्रा समृद्धि श्रीवास्तव का चयन डायरेक्टोरेट ऑफ प्लानिंग एंड कोऑर्डिनेशन में, जबकि बीटेक आईटी के छात्र सुंदरम गुप्ता का चयन साइंटिफिक एनालिसिस ग्रुप में हुआ है। समृद्धि रणनीतिक योजना से जुड़ी परियोजनाओं पर कार्य करेंगी, वहीं सुंदरम बैकएंड डेवलपमेंट और क्वांटम टेक्नोलॉजी रिसर्च में योगदान देंगे। वाइस चेयरमैन पंकज अग्रवाल और सीईओ कार्तिकेय अग्रवाल ने छात्रों को बधाई देते हुए इसे संस्थान की शोध-आधारित शिक्षा और तकनीकी उत्कृष्टता का प्रमाण बताया।

विद्यालय में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन

दादरी। नगर के रेलवे रोड स्थित शैफाली पब्लिक स्कूल में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा का पावन पर्व मनाया गया। विद्यालय में भगवान जगन्नाथ की आकर्षक झांकी एवं रथ तैयार किया गया और पूरे परिसर में रथ यात्रा निकाली गई। सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने जय जगन्नाथ के उद्घोष के साथ यात्रा में सहभागिता की। विद्यार्थियों ने भजन, भाषण एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं माता सुभद्रा के जीवन, रथ यात्रा के महत्व तथा भारतीय संस्कृति में आध्यात्मिक संदेश पर प्रकाश डाला। इस दौरान प्रधानाचार्य प्रोमिता शर्मा ने विद्यार्थियों को भगवान जगन्नाथ के आदर्श, प्रेम, सेवा, समर्पण, समानता एवं भाई चारे को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया।

दो चोर गिरफ्तार, चोरी किए आभूषण व नकदी बरामद

दादरी। जारचा कोतवाली क्षेत्र के प्यावली नहर पुल के समीप जांच के दौरान पुलिस ने दो चोरों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से तमंचा कारतूस, चोरी किए जेवरात एवं नकदी बरामद की गई है। प्रभारी निरीक्षक कैलाश नाथ ने बताया कि प्यावली गांव नहर पर पुलिस शुक्रवार को जांच कर रही थी। जांच के दौरान गाजियाबाद के नाहल मसूरी गांव निवासी भूरे चांद व राशिद पैदल जा रहे थे। पास आते ही पुलिस ने रोक लिया। तलाशी से लेने पर उनके पास तमंचा कारतूस मिल गए। चांदी के जेवरात और 2600 रुपये नगदी भी मिली। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि पांच जुलाई को रसूलपुर गांव स्थित बंद मकान में घुसकर चोरी की थी।

न्यूट्रिशन गार्डन प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

गाजियाबाद। विद्यालयों में पोषण, जैविक खेती तथा पर्यावरण संरक्षण की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बेसिक शिक्षा परिषद, गाजियाबाद और हॉर्टिकल्चर फ्लोरिकल्चर सोसाइटी द्वारा स्कूल न्यूट्रिशन गार्डन प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव और मिड-डे मील अधिकारी टिंकू कंसल ने प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर तीन प्रतियोगिताओं की घोषणा की गई। इसमें सरकारी विद्यालयों के लिए स्कूल किचन गार्डन प्रतियोगिता निजी विद्यालयों के लिए स्कूल किचन गार्डन प्रतियोगिता और केवल सरकारी विद्यालयों के लिए कम्पोस्टिंग प्रतियोगिता। इसमें भाग लेने वाले इच्छुक विद्यालय 10 अगस्त 2026 तक निर्धारित गूगल फॉर्म भरकर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। प्रतियोगिता के तहत विद्यालयों को अगस्त माह से 60 दिनों का समय अपने किचन गार्डन विकसित करने के लिए दिया जाएगा। अक्टूबर माह में विशेषज्ञ निर्णायक मंडल विद्यालयों का भ्रमण कर मूल्यांकन करेगा तथा नवंबर माह में विजेता विद्यालयों को सम्मानित किया जाएगा।

आरव शर्मा ने क्रिकेट में रजत जीता

ट्रांस हिंडन। वसुंधरा सेक्टर-11 स्थित विद्या बाल भवन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र आरव शर्मा ने सीबीएसई नॉर्थ जोन-एक अंडर-17 बालक क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर रजत पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता 22 से 28 जुलाई तक उत्तराखंड के रायवाला स्थित मां आनंदमयी मेमोरियल स्कूल में आयोजित हुई। इसमें रजत जीतने के बाद उनका चयन सीबीएसई राष्ट्रीय क्रिकेट चैंपियनशिप में उत्तरी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए भी हुआ है। विद्यालय प्रबंधन ने इसे छात्रों के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताया। प्रधानाचार्य डॉ. हरिदत्त शर्मा ने आरव शर्मा और उनके परिवार को बधाई देते हुए कहा कि उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का यह शानदार परिणाम है।

हरियाणा के किसानों ने फसल नष्ट करने का आरोप लगाया

ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र के बेला कला गांव में हरियाणा के किसानों ने अपनी फसल नष्ट करने का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि दनकौर क्षेत्र के कुछ लोगों ने जबरन उनकी फसल को नष्ट कर जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया। स्थानीय पुलिस द्वारा कार्रवाई न करने पर पीड़ित किसानों ने शुक्रवार शाम 4 बजे पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। हरियाणा के चांदपुर गांव निवासी सूरजपाल, नेतराम, राजकिशोर, धर्मवीर, रोहतास, सोरन, जयपाल, महेंद्र, गजेंद्र, लालसिंह और वेदप्रकाश ने ग्रेटर नोएडा के डीसीपी कार्यालय में शिकायत की। किसानों के अनुसार, उनकी भूमि वर्ष 1984 के दीक्षित अवार्ड के तहत गौतमबुद्धनगर के ग्राम बेला कला में स्थित है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कुछ दबंग लोग उनकी जमीन पर अवैध कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। इन लोगों ने कुछ दिन पहले खेत में खड़ी फसल को ट्रैक्टर से जोतकर नष्ट कर दिया। जब किसानों ने इसका विरोध किया तो उनके साथ अभद्रता की गई और जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित किसानों का कहना है कि इस मामले की शिकायत पहले भी कई बार संबंधित अधिकारियों से की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। किसानों ने पुलिस कमिश्नर से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने अपनी भूमि पर अवैध कब्जे के प्रयास को रोकने और सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी अपील की है, ताकि भविष्य में किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

डीसीपी ने दनकौर में कांवड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया:सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार रात करीब 9:30 बजे पुलिस उपायुक्त रवि शंकर निम ने कांवड़ यात्रा मार्ग और शिविरों का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित संपन्न कराने के उद्देश्य से किया गया। निरीक्षण के दौरान, डीसीपी ने सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेडिंग, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल और चिकित्सा सहायता जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ शिविरों में श्रद्धालुओं को सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। डीसीपी निम ने जोर दिया कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी सतर्कता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने के निर्देश दिए। साथ ही, किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां बनाए रखने को कहा गया। पुलिस का मुख्य उद्देश्य कांवड़ यात्रियों और आमजन के लिए एक सुरक्षित, सुगम और श्रद्धामय वातावरण सुनिश्चित करना है, ताकि यात्रा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

नोएडा में प्रोस्टेट कैंसर का इलाज अब बिना ऑपरेशन:मैक्स हॉस्पिटल में मिलेगी सुविधा

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा में प्रोस्टेट कैंसर के मरीजों के लिए राहत की खबर है। सेक्टर-128 स्थित मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल ने दावा किया है कि अब लोकलाइज्ड प्रोस्टेट कैंसर का इलाज बिना ऑपरेशन, बिना चीरा और बिना रेडिएशन के भी किया जा सकेगा। अस्पताल ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि उत्तर भारत में पहली बार रोबोटिक हाई-इंटेंसिटी फोकस्ड अल्ट्रासाउंड [illegible] यानी फोकल वन [illegible] तकनीक शुरू की गई है। अस्पताल के मुताबिक इस तकनीक में अल्ट्रासाउंड की हाई-इंटेंसिटी तरंगों से सिर्फ कैंसर वाले हिस्से को निशाना बनाया जाता है। इसमें न शरीर पर चीरा लगाना पड़ता है और न ही रेडिएशन की जरूरत होती है। रोबोटिक सिस्टम और एडवांस इमेजिंग की मदद से इलाज किया जाता है, जिससे आसपास के स्वस्थ हिस्से को कम से कम नुकसान पहुंचाने की कोशिश होती है। भारत में तेजी से बढ़ रहे प्रोस्टेट कैंसर के मरीज मैक्स हॉस्पिटल के यूरोलॉजी विभाग के ग्रुप चेयरमैन डॉ. (प्रो.) राजेश अहलावत ने कहा कि प्रोस्टेट कैंसर दुनिया में पुरुषों में सबसे ज्यादा पाए जाने वाले कैंसरों में शामिल है। भारत में भी बढ़ती उम्र, बेहतर जांच और जागरूकता के कारण इसके मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में यह तकनीक मरीजों के लिए इलाज का एक नया और बेहतर विकल्प साबित हो सकती है। कम समय अस्पताल में रहना पड़ेगा अस्पताल का दावा है कि इस तकनीक से इलाज कराने वाले चुनिंदा मरीजों को कम समय तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ेगा। उनकी रिकवरी भी जल्दी होगी और इलाज के बाद होने वाली जटिलताओं का खतरा कम रहेगा। साथ ही पेशाब पर नियंत्रण और यौन क्षमता प्रभावित होने की आशंका भी पहले की तुलना में कम हो सकती है।

ग्रेटर नोएडा में घर के बाहर से बाइक चोरी:चोर कुछ ही सेकंड में फरार

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा के कासना थाना क्षेत्र स्थित सिरसा गांव में एक मोटरसाइकिल चोरी का मामला सामने आया है। चोरी की यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सिरसा गांव निवासी मनोज भाटी ने अपनी स्प्लेंडर मोटरसाइकिल रात में घर के बाहर खड़ी की थी। सुबह जब वह बाहर आए, तो मोटरसाइकिल गायब मिली। सीसीटीवी फुटेज देखने पर पता चला कि 30 जुलाई की रात 2:19 बजे दो अज्ञात चोर आए। इनमें से एक ने अपने चेहरे पर गमछा बांध रखा था। दोनों ने घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल का लॉक तोड़ा और उसे पैदल ही कुछ दूर तक ले गए। इसके बाद वे मोटरसाइकिल स्टार्ट कर फरार हो गए।इस मामले में गुरुवार को शिकायत दी गई,जिसके बाद आज इस मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है। मनोज भाटी ने इस संबंध में कासना थाने में मोटरसाइकिल चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की तलाश कर रही है।

न्यू नोएडा के पहले फेज में 37 गांवों का सर्वे

प्रात: किरण संवाददाता

न्यू नोएडा शहर को बसाने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने एक कदम और बढ़ा दिया है। लेखपालों ने न्यू नोएडा में किसानों से जमीन लेने के लिए सर्वे शुरू कर दिया है। जिसके चलते नए शहर को बसाने के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज होगी। यहां आपसी सहमति से ही किसानों से जमीन ली जाएगी। जिसके लिए पहले फेज में 31 गांवों में कैंप लगाए जाएंगे। सर्वे के लिए पांच लेखपालों की टीम लगी है। हाल ही में इनकी नियुक्ति न्यू नोएडा के लिए ही की गई थी। यह लेखपाल संबंधित गांवों में पहुंचकर राजस्व अभिलेखों का सत्यापन और जमीन की स्थिति का आकलन करेंगे। इस सर्वे के दौरान खेतों की वर्तमान स्थिति, मालिकाना हक, खसरा-खतौनी के विवरण और आबादी क्षेत्र से संबंधित जानकारी जुटाई जा रही है। इन गांव में पहले फेज में लगेगा कैंप पहले फेज में 37 गांव को लिस्ट किया गया है। इसमें 24 गांव बुलंदशहर के और 13 गांव गौतमबुद्ध नगर के है। जिसमें बुलंदशहर के बिरोंडी फौलादपुर, बिरोंडी तेजपुर, चोला, डिमरी आदिलपुर, गोपालपुर, हृदयपुर, जोखाबाद, कैथरा, कनवरा, काढ़ू, किशनुपर, लुहाकर, मुरादाबाद, नगलाबरोधा, नवादा, राजरमपुर, राजपुर खुद्र, सबदलपुर सलेमपुर कायस्थ, सनवाली, शाहपुर कालन, सेरपुर, सिकरा गांव शामिल है। आनंदपुर, बैरंगपुर उर्फ नई बस्ती, बील अकबरपुर, छायसा, दया नगर, गिरिराजपुर, कोट, मिलक खंडेरा, नगला कामरू, नगला न्यानसुख, नेकरामपुर उर्फ विशनुपर, फूलपुर, सैंथली को शामिल किया गया है। न्यू नोएडा का बन रहा जीआईएस सिस्टम 80 गांवों को मिलाकर विकसित किए जाने वाले इस नए शहर के लिए नोएडा प्राधिकरण ने विभिन्न विभागों और संबंधित प्राधिकरणों से जीआईएस (जियोग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम) आधारित भू-स्थानिक डेटा मांगा है। इसमें नदियां, नहरें, तालाब, आंतरिक और मुख्य सड़कें, हाईवे समेत अन्य प्राकृतिक और आधारभूत संरचनाओं की जानकारी शामिल होगी। इसके आधार पर जीआईएस सिस्टम बनाया जाएगा।

शादी का झांसा देकर धोखा दिया, युवक पर केस दर्ज

प्रात: किरण संवाददाता

गाजियाबाद। कविनगर क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवती के साथ लंबे समय तक लिव-इन रिलेशनशिप में रहने और गर्भवती होने पर उसे छोड़कर फरार होने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पहले पुलिस आयुक्त कार्यालय में शिकायत की और इसके बाद कविनगर थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ प्रार्थना-पत्र दिया। पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया है। मसूरी थानाक्षेत्र में रहने वाली 30 वर्षीय युवती ने पुलिस को बताया कि करीब डेढ़ वर्ष पहले उसकी मुलाकात मेरठ निवासी 35 वर्षीय युवक से हुई थी। दोनों के बीच पहले दोस्ती हुई, जो बाद में प्रेम संबंध में बदल गई। आरोप है कि युवक ने उससे शादी करने का वादा किया और इसी भरोसे पर उसे अपने साथ कविनगर क्षेत्र में किराये के मकानों में रखा। पीड़िता के मुताबिक दोनों करीब एक वर्ष तक लिव-इन रिलेशनशिप में रहे। इस दौरान युवक ने शादी का भरोसा देकर कई बार संबंध बनाए। आरोप है कि कुछ समय पहले उसे पता चला कि वह तीन माह की गर्भवती है। जब उसने इसकी जानकारी आरोपी को दी और शादी करने के लिए कहा तो वह अचानक उसे छोड़कर चला गया। कविनगर पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत प्राप्त हो गई है। मामले की जांच की जा रही है।

मोदी को गाली देने वाली लड़की पर नोएडा में FIR:CJP के प्रोटेस्ट में जंतर-मंतर पहुंची थी

जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रदर्शन में पीएम मोदी को गाली देने वाली नोएडा की लड़की के खिलाफ जीरो FIR दर्ज हो गई है। यह कार्रवाई नोएडा के एक्सप्रेसवे थाने में गाजियाबाद की वकील स्मृति सिंह चंदेल की शिकायत पर हुई। लड़की की पहचान रुचिका सिंह के रूप में हुई है। गुरुवार शाम 5 बजे स्मृति सिंह ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर मामले की जानकारी दी। उन्होंने कहा- सेक्टर 168 की रहने वाली रुचिका सिंह ने सार्वजनिक मंच से प्रधानमंत्री मोदी को गालियां दीं। उसने जानबूझकर ऐसा किया। इससे पीएम की संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंची। अब पुलिस प्रदर्शन के दौरान बनाए गए वीडियो, सोशल मीडिया पर वायरल क्लिप की जांच कर रही है। हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनूप खेतान ने भी एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने दावा किया कि रुचिका सिंह वही लड़की है, जिसने 23 जुलाई, 2026 को दिल्ली में पीएम मोदी को गालियां दीं थीं। उन्होंने घटना का वीडियो भी शेयर किया है। लड़की नोएडा के एक मॉल में हेयर कटिंग का काम करती है। अनूप खेतान हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष हैं। वे सीतापुर शहर के मोहल्ला तामसेनगंज के रहने वाले हैं। पूर्व भाजपा सांसद राजेश वर्मा के करीबी बताए जाते हैं। उन्होंने वीडियो में लड़की की फोटो और एफआईआर कॉपी दिखाते हुए कहा- साथियों, गुड न्यूज है। फाइनली एफआईआर दर्ज हो चुकी है। इसका नाम रुचिका है। नोएडा की रहने वाली है। ये उम्र में मेजर है, माइनर नहीं है। आप सबको बता दूं। बहुत ज्यादा डिटेल अभी भी नहीं दे सकता हूं। एफआईआर के स्क्रीनशॉट शेयर कर रहा हूं। यह आप लोगों की मेहनत का नतीजा है कि फाइनली हम इसे ढूंढ पाए, वहां तक पहुंच पाए।

युवक पर किशोरी को अगवा करने का आरोप

नोएडा। गैर समुदाय के युवक पर किशोरी को अगवा करने का शक जाहिर किया गया है। इस संबंध में किशोरी के मामा ने आरोपी युवक के खिलाफ फेज तीन थाने में केस दर्ज कराया है। थाने में दी शिकायत में बस्ती के लालगंज निवासी रामभजन ने बताया कि वह करीब सात साल से गढ़ी चौखंडी गांव में किराये के मकान में रह रहे हैं। करीब एक महीने पहले उनकी भांजी साथ रहने के लिए गढ़ी चौखंडी आई। बीते माह की 28 तारीख को भांजी बस्ती चली गई। वह अभी तक वापस नहीं आई है। शिकायतकर्ता ने जमाल खान नामक युवक पर किशोरी को बहला फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। किशोरी की सकुशल बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दी गई है।

कांवड़ यात्रा : टीबी कर्मचारी बाइक से सड़कों पर घूम कर कांवड़ियों को उपचार देंगे

प्रात: किरण संवाददाता

गाजियाबाद। कांवड़ मेला में शिवभक्तों को स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए मोबाइल हेल्थ टीमों की तैनाती की है।

सात प्रमुख कांवड़ मार्गों पर टीबी कर्मचारी 24 घंटे बाइक या स्कूटी से कांवड़ियों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराएंगे।

जिला क्षय रोग अधिकारी (डीटीओ) डॉ. अनिल कुमार यादव के निर्देशन में मोबाइल हेल्थ टीमों को कादराबाद पुलिस चौकी से गंगनहर, गंगनहर से राजनगर एक्सटेंशन, निवाड़ी तिराहा से लोनी, मेरठ तिराहा से मोहन नगर, मोहन नगर से दिल्ली बॉर्डर तथा नए बस स्टैंड से दूधेश्वरनाथ मंदिर सहित प्रमुख मार्गों पर लगाया गया है।

प्रत्येक टीम में प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहेंगे, जो मामूली चोट, थकान, डिहाइड्रेशन और अन्य सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं का मौके पर ही उपचार करेंगे तथा जरूरत पड़ने पर मरीजों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भेजेंगे।

डीटीओ डॉ. अनिल कुमार यादव खुद मोबाइल टीमों की निगरानी करेंगे।

सभी टीमों को निर्देश दिए गए हैं कि वह निर्धारित रूट पर लगातार भ्रमण करें और बाइक पर स्वास्थ्य सेवा से संबंधित पहचान लगाए, ताकि कांवड़िए स्वास्थ्य कर्मियों को रोककर स्वास्थ्य लाभ ले सकेंगे।

कर्मचारी चयन आयोग परीक्षा में हाईटेक नकल का मास्टरमाइंड अलवर से गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

कर्मचारी चयन आयोग की ऑनलाइन भर्ती परीक्षा में हाईटेक तरीके से नकल कराने वाले गिरोह के फरार मास्टरमाइंड को आखिरकार एसटीएफ ने गुरुवार को शाम साढ़े पांच बजे राजस्थान के अलवर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी लोकेश पिछले 2 महीने से फरार चल रहा था। जांच में सामने आया है कि वही ऐसी मॉडिफाइड TFT स्क्रीन तैयार करता था, जिनकी मदद से परीक्षा केंद्र के बाहर बैठा सॉल्वर अभ्यर्थी की जगह पूरा पेपर हल कर देता था। इस पूरे फजीवाड़े का खुलासा 22 मई 2026 को ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क स्थित बालाजी डिजिटल जोन परीक्षा केंद्र पर हुआ था। एसटीएफ ने सेंटर संचालक प्रदीप चौहान, हैकर अमित राणा समेत सात आरोपियों को गिरफ्तार किया था। मौके से करीब 50 लाख रुपये नकद, प्रॉक्सी सर्वर और कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद हुए थे। बाद में गिरोह के सदस्य इंद्रजीत उर्फ योगी को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। पीसीआर रिमांड में खुला लोकेश का नाम जेल में बंद आरोपियों से पुलिस रिमांड के दौरान पूछताछ में खुलासा हुआ कि परीक्षा में इस्तेमाल की जा रही मॉडिफाइड TFT स्क्रीन अलवर निवासी लोकेश तैयार करता था। इसके बाद एसटीएफ उसकी तलाश में जुट गई। लगातार निगरानी के बाद 30 जुलाई को अलवर से उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

एटीएम में तोड़फोड़ कर रुपये चोरी करने का प्रयास

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर ईकोटेक तीन कोतवाली क्षेत्र के हल्दौनी गांव के बूथ में घुसकर एटीएम में तोड़फोड़ कर रुपये चुराने का प्रयास किया गया। बूथ से कुछ सामान चुरा भी लिया गया। कंपनी के जोनल ऑपरेशनन्स मैनेजर ने इस मामले में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक कंपनी के जोनल ऑपरेशनन्स मैनेजर दीपक गरकोटी ने बताया कि उनकी कंपनी का एक एटीएम हल्दौनी गांव में है। कस्टोडियन सुबोध 10 जुलाई को एटीएम में रुपये डालने के लिए गया था। सुबोध ने अंदर जाकर देखा तो किसी ने तीन बैटरी, एक यूपीएस एक स्टेबलाइजर एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चोरी कर लिए थे। इसके साथ ही एटीएम में भी तोड़फोड़ की गई थी। इससे साफ जाहिर होता है कि रुपये चोरी करने का भी प्रयास किया गया। सुबोध कुमार द्वारा इस घटना की सूचना तुरंत कंपनी प्रबंधन को दी गई। मैनेजर की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

कावड़ यात्रा- ग्रेटर नोएडा 9 जोन में बंटा:सुरक्षा के लिए 18 चौकियां स्थापित, प्रशासन मुस्तैद

प्रात: किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर कावड़ यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी मुस्तैदी से तैयारी में जुटा है। जिले के अधिकारी लगातार कावड़ रूट का निरीक्षण कर रहे हैं। शुक्रवार दोपहर डीसीपी ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने दनकौर थाना क्षेत्र के खेरली नहर पर कावड़ रूट का जायजा लिया। इस दौरान डीसीपी ग्रेटर नोएडा रवि शंकर निम ने बताया कि कावड़ यात्रा के लिए तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। ग्रेटर नोएडा जोन को 9 सेक्टरों और 27 बीटों में बांटा गया है। सुरक्षा के लिए 18 चौकियां स्थापित की गई हैं। उन्होंने बताया कि कावड़ यात्रियों के लिए जगह-जगह कैंप लगाए गए हैं, जहां खाने की गुणवत्ता की भी जांच की जाएगी। इन कैंपों में स्वयंसेवक और पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। कावड़ रूट पर पड़ने वाली शराब की दुकानों को ढक दिया गया है। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे, राष्ट्रीय राजमार्गों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनसे निगरानी की जाएगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जीएम एके सिंह ने बताया कि प्राधिकरण ने कावड़ यात्रा की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। सड़कों पर मौजूद गड्ढों को भर दिया गया है और कावड़ मार्गों पर सभी लाइटें दुरुस्त कर दी गई हैं। सड़कों की साफ-सफाई भी की जा रही है ताकि कावड़ यात्रियों को कोई परेशानी न हो। उन्होंने आगे बताया कि जलभराव की समस्या न हो, इसके लिए 24 घंटे निगरानी की जाएगी। अधीक्षण अभियंता विवेक कुमार ने जानकारी दी कि सड़क किनारे लगे करीब 2100 बिजली के खंभों को पॉलीथिन और प्लास्टिक से ढका जा रहा है, ताकि किसी को करंट न लगे। इसके अतिरिक्त, सड़क किनारे लगे 92 ट्रांसफार्मरों को भी बांस-बल्ली से कवर किया गया है। उन्होंने बताया कि सभी लगाए गए कैंपों में बिजली की व्यवस्था की गई है, ताकि ऐसे कैंपों और कावड़ रूटों पर 24 घंटे बिजली उपलब्ध रहे।

नोएडा में अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा प्राधिकरण ने गुरुवार शाम करीब 4 बजे ग्राम कोण्डली बांगर और ग्राम झट्टा में अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलाया। इस अभियान में डूब क्षेत्र में बने सात अवैध फार्महाउस ध्वस्त किए गए, जबकि दोबारा की जा रही अवैध प्लॉटिंग को भी हटाया गया। कार्रवाई के दौरान कुल 32,670 वर्गमीटर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। डूब क्षेत्र में बने 7 फार्महाउस तोड़े प्राधिकरण के वर्क सर्किल-10 की टीम ने ग्राम कोण्डली बांगर के डूब क्षेत्र में करीब 10 हजार वर्गमीटर भूमि पर बने सात अवैध फार्महाउस ध्वस्त कर दिए। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। प्राधिकरण के अनुसार, संबंधित भूमि सिंचाई विभाग की है, जबकि उसके पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी नोएडा प्राधिकरण के पास है। जांच में वहां पक्के निर्माण कर अवैध रूप से फार्महाउस बनाए गए थे, जिन्हें बुलडोजर से हटाया गया। दोबारा की जा रही अवैध प्लॉटिंग हटाई इसके बाद टीम ने ग्राम झट्टा के खसरा संख्या-456 में दोबारा अवैध प्लॉटिंग किए जाने की सूचना पर कार्रवाई की। अधिकारियों ने बताया कि पहले हटाए जा चुके कब्जे के बाद अतिक्रमणकताओं ने फिर से चिनाई कर प्लॉटिंग शुरू कर दी थी। प्राधिकरण ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिया और करीब 22,670 वर्गमीटर भूमि को कब्जामुक्त कराया। आगे भी जारी रहेगा अभियान नोएडा प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि अधिसूचित क्षेत्र में अवैध कब्जा, अवैध प्लॉटिंग और बिना अनुमति निर्माण किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ऐसे मामलों में आगे भी लगातार अभियान चलाया जाएगा। साथ ही अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने सहित कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

नोएडा वैंक्विट हॉल में फंसी थी लिफ्ट:बीजेपी के कई वरिष्ठ नेता थे मौजूद , तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

प्रात: किरण संवाददाता

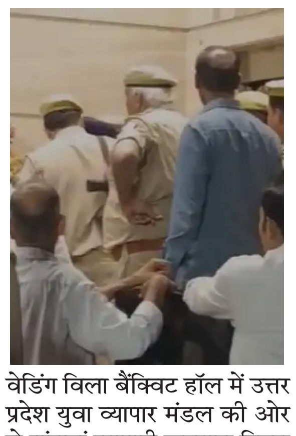

वेडिंग विला बैंक्विट हॉल में उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल की ओर से पांचवां व्यापारी कल्याण दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

सेक्टर-51 स्थित एक वेडिंग विला (बैंक्विट हॉल) में आयोजित व्यापारी सम्मेलन के दौरान लिफ्ट अचानक नीचे अटकने के मामले में पुलिस ने बैंक्विट हॉल के संचालक समेत तीन लोगों के खिलाफ शुक्रवार को दोपहर तीन बजे मुकदमा दर्ज किया है। प्रारंभिक जांच में लिफ्ट के रखरखाव में लापरवाही और लिफ्टमैन की तैनाती नहीं होने की बात सामने आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार गुरुवार रात सेक्टर-49 थाना क्षेत्र के सेक्टर-51 स्थित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा, विधायक पंकज सिंह समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद थे। इमरजेंसी चाबी की मदद से निकाला वीआईपी कार्यक्रम होने के कारण मौके पर पुलिस बल भी तैनात था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद कुछ लोग ऊपरी मंजिल से लिफ्ट के जरिए नीचे आ रहे थे। इसी दौरान लिफ्ट अचानक नीचे अटक गई, जिससे उसमें सवार लोगों में अफरातफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और इमरजेंसी चाबी की मदद से लिफ्ट का दरवाजा खोलकर सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। चौकी प्रभारी ने की शिकायत घटना के बाद सेक्टर-51 चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक आशु चौधरी की शिकायत पर थाना सेक्टर-49 पुलिस ने वेडिंग विला बैंक्विट हॉल के संचालक विनोद अरोड़ा, अश्वनी छावड़ा और प्रबंधक अश्विनी शर्मा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा-289 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में लिफ्ट का नियमित रखरखाव नहीं कराया जाना और लिफ्टमैन की तैनाती नहीं होना सामने आया है।

प्रीति गोल्ड मेडल से एक कदम दूर

5-0 की जीत के साथ फाइनल में धमाकेदार एंट्री

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के महिला 54 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने जाम्बिया की कैथरीन म्वापे के खिलाफ 5-0 से एकतरफा जीत दर्ज की है। तीसरे राउंड में शानदार काउंटर अटैक और लगातार सटीक पंचों के दम पर प्रीति ने मुकाबले पर पूरा कंट्रोल बनाए रखा और अब गोल्ड मेडल मुकाबले में कनाडा की स्कारलेट डेलगाडो से भिड़ेंगी। बॉक्सर प्रीति ने भारत के लिए कम से कम सिल्वर मेडल पक्का कर लिया है।

भिवानी की रहने वाली 22 वर्षीय प्रीति एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं। भारतीय बॉक्सर ने मुकाबले के ज्यादातर समय म्वापे पर बढ़त बनाए रखी। उन्होंने चालाकी से म्वापे को अपनी ओर आकर्षित किया और असरदार काउंटर-अटैक किए, जिसमें उनका 'लेफ्ट स्ट्रेट' पंच खास तौर पर कारगर रहा।

फाइनल मुकाबले से पहले क्या बोलीं प्रीति पवार?

जीत के बाद प्रीति नें कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि मैंने वही किया जिसकी मैंने तैयारी की थी। गोल्ड मेडल के लिए मुझे कल अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। मैं कभी भी अपने प्रतिद्वंद्वियों को हल्के में नहीं लेती और हमेशा अपने कोच के साथ मिलकर विस्तार से तैयारी करती हूं। मुझे खुशी है कि मैं उन योजनाओं को सही ढंग से लागू कर पा रही हूं।'

प्रीति के खिलाफ म्वापे को करना पड़ा संघर्ष

मुकाबले के दौरान म्वापे को सटीक पंच लगाने में काफी संघर्ष करना पड़ा और जब भी प्रीति ने कॉम्बिनेशन स्ट्राइक (लगातार कई पंच) किए, तो म्वापे को मार खानी पड़ी। जाम्बियन बॉक्सर के संघर्ष का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्हें पहले दो राउंड में तीन बार 'एट-काउंट' (रेफरी द्वारा गिनती) का सामना करना पड़ा।

प्रीति पवार की बड़ी उपलब्धियां

साल 2026 में प्रीति ने एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड जीता था। इसके अलावा इसी साल उन्होंने गोल्ड ग्रांड प्रिक्स में भी गोल्ड मेडल जीता था। पेरिस ओलंपिक में 54 किलोग्राम भारवर्ग में भारत का प्रतिनिधत्व करने वाली प्रीति ने 2025 में वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल में गोल्ड मेडल जीता था। हालांकि, वो पहली बार सुर्खियों में साल 2022 एशियन गेम्स में आईं जब उन्होंने इस ब्रोंज मेडल जीता था।

बॉक्सिंग में रिकॉर्ड मेडल

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में बॉक्सिंग में भारत की ओर से पहले रिकॉर्ड बन चुका है। भारतीय बॉक्सर 10 मेडल पक्का कर चुके हैं जो बॉक्सिंग में सर्वाधिक है। बर्मिंघम में भारत ने 7 मेडल जीते थे। 7 में से 3 गोल्ड, एक सिल्वर और 3 ब्रोंज मेडल शामिल था।

एक बेटे की मां और पीएचडी होल्डर सीमा कालीरमन ने मचाया तहलका

रोमांचक मुकाबले में ब्रॉन्ज मेडल किया अपने नाम

नई दिल्ली। जब किस्मत और मेहनत साथ हो तो फिर बिगड़े हुए काम भी बन जाते हैं। कुछ ऐसा ही भारत की डिस्कस थ्रोअर महिला खिलाड़ी सीमा कालीरमन के साथ हुआ है। सीमा ने ग्लास्गो में खेले जा रहे कॉमनवेल्थ गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। सीमा ने 58.65 मीटर का अपना बेस्ट थ्रो फेंका और मेडल जीता।

सीमा के महज दो थ्रो ही सही थे और बाकी फाउल के कारण अमान्य घोषित कर दिए गए थे। इन्हीं दो में से एक ने उन्हें मेडल दिला दिया। उन्हें कैमरून की मोनी नोरा अतिम टक्कर दे रही थीं। आखिरी थ्रो में अगर वह 58.65 मीटर से ज्यादा का थ्रो फेंक देतीं तो सीमा के हाथ से मेडल चला जाता, लेकिन किस्मत ने यहां उनका साथ दिया और कैमरून की खिलाड़ी पीछे रह गई।

जमैका की समांथा हॉल ने 61.66 मीटर के थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता। वहीं कनाडा की जूलिया टंक्स ने 60.67 मीटर के थ्रो के साथ सिल्वर अपने नाम किया।

सीमा हैं पीएचडी होल्डर

सीमा के लिए यहां तक का सफर आसान नहीं रहा। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, वह तीन साल के बेटे की मां हैं और साथ में वह फिजिकल एज्यूकेशन में डॉक्टरेट हैं। हरियाणा से आने वाली 27 साल की सीमा ने मां बनने के बाद पिछले साल नेशनल गेम्स में वापसी की थी। उनका बेटा तीन साल का है और ऐसे में उनके लिए खेल के लिए समय निकालना काफी मुश्किल भरा रहता है। इस दौरान उनके पति रवींद्र जो उनके कोच भी हैं उन्होंने सीमा की हौसल अफजाई की।

रवींद्र खुद नेशनल स्तर के डिस्कस थ्रोअर रह चुके हैं। उनके मार्गदर्शन से ही सीमा ने अपने करियर के मुश्किल पड़ाव को पार किया और यहां तक का सफर तय किया। मां बनने के बाद सीमा को तमाम तरह की दिक्कतें आ रही थीं। वह सही से थ्रो भी नहीं कर पा रही थीं, लेकिन पति की मदद से उन्होंने सारी बाधाओं को पार किया।

सीमा ने जारी रखी परंपरा

ये उनका बड़े मंच पर पहला मेडल है। इसी के साथ उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में डिस्कस थ्रो में भारतीय महिलाओं के मेडल जीतने की परंपरा को जारी रखा है। यह भारत का महिला डिस्कस थ्रो में नौवां मेडल है। इसी के साथ सीमा कॉमनवेल्थ गेम्स में डिस्कस थ्रो में मेडल जीतने वाली भारत की छठी महिला खिलाड़ी हैं।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी को उपकप्तान बनाने पर भड़के हर्षा

मुंबई, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी 2026-27 के लिए ईस्ट जोन की टीम में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को उपकप्तान बनाए जाने का फैसला चर्चा का विषय बन गया है। युवा बल्लेबाज को ईशान किशन की कप्तानी वाली टीम का उपकप्तान बनाए जाने पर कई पूर्व क्रिकेटरों और विशेषज्ञों ने हैरानी जताई है। मशहूर क्रिकेट कमेंटेटर हर्षा भोगले भी इस फैसले से सहमत नजर नहीं आए।

हर्षा भोगले ने क्या कहा?

हर्षा भोगले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि वैभव सूर्यवंशी को सीनियर रेड-बॉल टीम का उपकप्तान बनाने के पीछे क्या सोच रही होगी। उन्होंने 12 पारियों में 17.25 की औसत से 207 रन बनाए हैं। उनकी प्रतिभा असाधारण है, लेकिन रेड-बॉल क्रिकेट में अभी उनके सीखने की शुरुआत ही हुई है।'

रेड-बॉल क्रिकेट में अभी सीमित अनुभव

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर तेजी से पहचान बनाई है। हालांकि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका अनुभव अभी काफी कम है। उन्होंने अब तक आठ प्रथम श्रेणी मैचों में 207 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर 93 रन रहा है। ऐसे में दलीप ट्रॉफी जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में उन्हें उपकप्तानी सौंपने के फैसले पर सवाल उठ रहे हैं।

ईशान किशन करेंगे कप्तानी

ईस्ट जोन टीम की कप्तानी विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को सौंपी गई है, जबकि वैभव सूर्यवंशी उपकप्तान होंगे। बल्लेबाजी क्रम में वैभव के अनुभवी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन के साथ पारी की शुरुआत करने की उम्मीद है।

अनुभवी खिलाड़ियों से सजी टीम

ईस्ट जोन की टीम में भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार भी शामिल हैं, जिससे गेंदबाजी आक्रमण मजबूत नजर आ रहा है।

ईस्ट जोन टीमः ईशान किशन (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी (उपकप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, सुदीप घरामी, मोहम्मद शमी, मुकेश कुमार, शाहबाज अहमद, सूरज जायसवाल, विराट सिंह, कुमार कुशाग्र, शिखर मोहन, शुभ्रांशु सेनापति, अभिजीत सरकार, अनुकूल रॉय और डेनीश दास।

दलीप ट्रॉफी 2026-27

जसप्रीत बुमराह के फिटनेस टेस्ट के नतीजे आए सामने

मुंबई, एजेंसी। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को BCCI के बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने श्रीलंका के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए खेलने की मंजूरी दे दी है। बुमराह को फिटनेस के आधार पर चुना गया था क्योंकि इंग्लैंड के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज के दौरान उन्हें चोट लग गई थी। इस चोट के कारण उन्हें लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे से बाहर रहना पड़ा था।

BCCI के एक सीनियर अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया, 'जसप्रीत बुमराह अपनी चोट से उबर चुके हैं। उन्होंने COE के जरूरी फिटनेस टेस्ट पास कर लिए हैं। उम्मीद है कि वह दोनों मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे क्योंकि वह टीम की योजनाओं का अहम हिस्सा हैं।' श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज 15 अगस्त को गाले में शुरू होगी और दूसरा मैच 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा।

श्रीलंका सीरीज को 2-0 से जीतना जरूरी

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए भारत को अपने बचे हुए 9 टेस्ट मैचों में से 7 जीतने होंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ विदेशी धरती पर होने वाली सीरीज से पहले श्रीलंका सीरीज को 2-0 से जीतना बहुत जरूरी है, क्योंकि न्यूजीलैंड का दौरा एक मुश्किल चुनौती हो सकता है।

वॉशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट से बाहर

भारत को पहले से ही हर्षित राणा और नितीश रेड्डी की सेवाएं नहीं मिल रही हैं, जो क्रमशः हैमस्ट्रिंग और क्वाड्रिसेप्स की चोट के कारण बाहर हैं। वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं और आकाश दीप पीठ में स्ट्रेस रिएक्शन के कारण लंबे समय से खेल से दूर हैं।

भारतीय फुटबॉल महासंघ का बड़ा ऐलान, भारत-ब्राजील के बीच होगा फुटबॉल मैच

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का हाल ही में समापन हुआ है। भारत में भी फुटबॉल का जुनून चरम पर था। पूरे टूर्नामेंट में भारतीय फुटबॉल फैंस ने भारतीय टीम के ना होने पर दुख भी जताया था। अब भारतीय फुटबॉल फैंस के पास अपने देश की टीम को चीयर करने का मौका होगा। भारत और ब्राजील के बीच कोलकाता में एक बेहतरीन मुकाबला होने जा रहा है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघने गुरुवार को भारत और ब्राजील के बीच होने वाले ऐतिहासिक मुकाबले का ऐलान किया है।भारतीय फुटबॉल इतिहास में पहली बार ऐसा होगा जब भारत की टीम फीफा रैंकिंग के टॉप 5 में मौजूद किसी टीम से भिड़ेगी। ब्राजील मौजूदा रैंकिंग में पांचवें स्थान पर है। ब्राजील के फुटबॉल महासंघ ने भी इस मैच का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। पांच बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील की टीम सितंबर 2026 में ऑस्ट्रेलिया के साथ भी दो मुकाबले खेलेगी। 2026 फीफा वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद यह पूर्व विश्व विजेता टीम का पहला मैच होगा।

कब और कहां खेला जाएगा यह मुकाबला?

ऑस्ट्रेलिया में ब्राजील की टीम पहला मुकाबला 25 सितंबर को ञ्श्2ठ्ठह्य1द्बद्यद्यद्ग और 29 सितंबर को ब्रिसबेन में खेलेगी। इसके बाद ब्राजील की टीम भारत के दौरे पर आएगी और इस विंडो का तीसरा मुकाबला खेलेगी। भारत और ब्राजील के बीच यह मैच कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में 3 अक्टूबर 2026 को खेला जाएगा। यह दोनों देशों की टीमों के बीच एक फ्रेंडली मैच होगा।

ढ्ढस्नस्न के डिप्टी सेक्रेटरी जनरल ने इस मैच को लेकर कहा, 'ब्राजील जैसी टीम का अपने देश में स्वागत करना एक शानदार पल होगा। साथ ही यह पल भारतीय फुटबॉल के इतिहास का एक अनमोल क्षण होगा।' जबकि ब्राजील फुटबॉल महासंघ की तरफ से इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा गया, 'यह एक स्पेशल मैच होगा उस देश के साथ जहां ब्राजील की टीम का सबसे बड़ा फैनबेस है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com
@Pratahkiran
epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran

पैलेट गन पीड़िता की मदद को आगे आई जम्मू-कश्मीर सरकार, एलपीजी एजेंसी के लिए दिए 41 लाख रुपये

आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार ने 41.16 लाख रुपये का फंड जारी किया है

शोपियां , एजेंसी। देशभर में पैलेट गन पर चल रही बहस के बीच, जम्मू-कश्मीर की उमर अब्दुल्ला सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है. साल 2016 की कश्मीर अशांति में पैलेट गन के कारण अपनी दोनों आंखों की रोशनी गंवा चुकीं शोपियां की इंशा मुश्ताक को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार ने 41.16 लाख रुपये का फंड जारी किया है. इस राशि से इंशा को साल 2018 में आवंटित हुई लेकिन सालों से अधूरी पड़ी एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप को पूरा किया जा सकेगा. खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले मंत्री, सतीश शर्मा ने गुरुवार को कहा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार ने लंबे समय से लंबित इस परियोजना को पूरा करने के लिए शेष राशि जारी करने को मंजूरी दे दी है. इस फैसले की घोषणा करते हुए शर्मा ने कहा, 'न्याय में देरी हुई लेकिन इससे इनकार नहीं किया गया. ' इंशा की एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप की घोषणा 2018 में पीडीपी-भाजपा गठबंधन सरकार के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने की थी. शर्मा ने कहा कि मौजूदा सरकार ने अब इस मामले में पहल करते हुए 41.16 लाख रुपये जारी करने की मंजूरी दे दी है. शोपियां के सेडो गांव की रहने वाली इंशा केवल 13 साल की थीं, जब जुलाई 2016 में हिजबुल मुजाहिद्दीन के आतंकवादी बुरहान वानी के मारे जाने के बाद हुई झड़पों के दौरान उनके चेहरे पर छर्रे (पैलट्स) लगे थे. छर्रों ने उनकी दोनों आंखों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया, जिससे वह हमेशा के लिए अंधी हो गई. महीनों चले इलाज के दौरान उनकी कई सर्जरी हुई, लेकिन उनकी आंखों की रोशनी वापस नहीं लौट सकी. उस घटना को याद करते हुए इंशा ने कहा, 'छर्रे सिर्फ किसी इंसान को घायल नहीं करते; वे पूरी जिंदगी तबाह कर देते हैं.' बाद में, उन्होंने अपनी चोटों के बावजूद अपनी पढ़ाई जारी रखी. 2023 में 500 में से 319 अंक हासिल करके अपनी कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा पास की. एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप का उद्देश्य उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करना था. हालांकि, इंशा और उनके परिवार को इस परियोजना को पूरा करने के लिए सालों तक संघर्ष करना पड़ा. सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि वित्तीय सहायता उनकी आंखों की रोशनी के स्थायी नुकसान की भरपाई नहीं कर सकती. प्रतिबंध लगाने का आग्रह भी किया और कहा कि ऐसे हथियार जीवन भर के लिए जख्म दे सकते हैं, विशेष रूप से युवाओं और छात्रों को. कश्मीर की घटनाओं का जिक्र करते हुए इंशा ने कहा कि वह नहीं चाहतीं कि दूसरे परिवारों को पैलेट की चोटों के कारण होने वाले दुख को सहना पड़े.

अंसारी ने युवती से क्रिश जैन बनकर दोस्ती की, निकाह का दबाव डालने पर खुला राज

भोपाल, एजेंसी। इंटरनेट मीडिया पर फर्जी पहचान बनाकर भोपाल की युवती को प्रेमजाल में फंसाने और शादी के लिए दबाव बनाने का मामला सामने आया है। इंस्टाग्राम पर खुद को क्रिश जैन बताने वाला युवक युवती को लेकर दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहुंचा और शादी के लिए मस्जिद चलने की बात कही तो खुलासा हुआ कि उसका असली नाम जुम्मन अंसारी है। इसके बाद दिल्ली पहुंची भोपाल पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर युवती को बरामद किया। पुलिस के अनुसार, भोपाल के निशातपुरा क्षेत्र की 20 वर्षीय युवती की करीब एक वर्ष पहले इंस्टाग्राम पर एक युवक से दोस्ती हुई। युवक ने अपना नाम क्रिश जैन और लखनऊ का निवासी बताया। कुछ समय पहले वह भोपाल के करोंद क्षेत्र में आकर रहने और काम करने लगा। कुछ दिन पहले आरोपित युवती को मिलने के बहाने करोंद चौराहे पर बुलाकर भोपाल रेलवे स्टेशन ले गया।

दिल्ली में बरसेगा पानी, गुजरात-महाराष्ट्र में भारी बारिश के आसार; 19 राज्यों में आईएमडी का अलर्ट

अहमदाबाद/मुंबई/पटना, एजेंसी। यूपी हरियाणा और दिल्ली एनसीआर समेत देशभर के कई राज्यों में मानसून फिर से सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, कोंकण-गोवा, मध्य प्रदेश, बिहार समेत कई राज्य शामिल हैं।

दिल्ली-एनसीआर में कल गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री के आसपास रह सकता है। पूरे दिन बादल छाए रहेंगे।

उत्तर प्रदेश में पूर्वी हिस्सों में बारिश के आसार हैं जबकि पश्चिमी भागों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। अगले कुछ दिनों में पूरे राज्य में बारिश बढ़ने का अनुमान है।

गुजरात में कई जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। अहमदाबाद, नर्मदा, सूरत, वडोदरा समेत दक्षिण गुजरात में अत्यंत भारी बारिश हो सकती है। अहमदाबाद में 8 इंच और नर्मदा में 12 इंच तक बारिश का पूर्वानुमान है। राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है। जयपुर, भरतपुर, अजमेर, उदयपुर, कोटा संभागों में मॉनसून सक्रिय रहेगा। बिहार में गरज-चमक के साथ आंधी और बारिश का अलर्ट है। 5 अगस्त तक राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है।

महाराष्ट्र, कोंकण-गोवा, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

अगले 24 घंटे में पूर्वोत्तर भारत, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, लक्षद्वीप, उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर तथा पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब के मोहाली से खाटू श्याम और हरिद्वार के लिए शुरू होंगी बसें

मोहाली, एजेंसी। सेक्टर-79 के दशहरा ग्राउंड में 'एक शाम भगवान शिव के नाम' भक्ति संध्या के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार की धार्मिक यात्रा योजना के तहत श्रद्धालुओं को विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जा रहे हैं। उन्होंने घोषणा की कि एक अगस्त से मोहाली से खाटू श्याम, सालासर धाम, ऋषिकेश और हरिद्वार के लिए नई बस सेवाएं शुरू की जाएंगी, जिससे आर्थिक या अन्य कारणों से यात्रा न कर पाने वाले श्रद्धालु भी दर्शन कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा करवाने से बड़ा तीर्थ कोई नहीं है। उन्होंने पंजाब की संस्कृति और भाईचारे की परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि पंजाब की धरती पर नफरत के बीज बोने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। यहां सभी धर्मों के लोग मिलकर त्योहार और धार्मिक आयोजन मनाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता से टैक्स के रूप में मिलने वाला पैसा स्कूलों, अस्पतालों, सड़कों और सामाजिक योजनाओं पर खर्च किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एक अगस्त से 40 लाख महिलाओं के मोबाइलों पर मावां धीया सम्मान योजना के तहत मिलने वाली राशि की प्राप्ति की घंटियां फिर बजेंगी। इस अवसर पर आप के प्रांतीय नेता दीपक बाली व मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह भी उपस्थित थे।

किन्नौर मे दो स्थानों पर भूस्खलन, राष्ट्रीय राजमार्ग-5 बाधित; नाथपा से डायवर्ट हुआ ट्रैफिक

शिमला, एजेंसी। जनजातीय जिला किन्नौर में लगातार हो रही बारिश के बीच शुक्रवार सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग-5 (एनएच-5) दो स्थानों पर भूस्खलन और चट्टानें गिरने से प्रभावित हो गया। चौरा के समीप पहाड़ी से भारी चट्टानें गिरने के कारण एनएच-5 पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सूचना मिलते ही राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की टीम मौके पर पहुंची और करीब साढ़े तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सड़क से मलबा और चट्टानें हटाकर मार्ग को वाहनों की आवाजाही के लिए बहाल कर दिया। वहीं, नाथपा के समीप भी पहाड़ी से मलबा आने के कारण एनएच-5 अवरुद्ध हो गया। संबंधित एजेंसियां मार्ग बहाली के कार्य में जुटी हुई हैं। अधिकारियों के अनुसार, सुबह करीब साढ़े दस बजे तक मार्ग बहाल होने की उम्मीद है। फिलहाल नाथपा क्षेत्र में वैकल्पिक मार्ग के माध्यम से वाहनों की आवाजाही सुचारु रूप से जारी है। प्रशासन ने यात्रियों से मौसम और सड़क की स्थिति को देखते हुए सावधानी बरतने तथा अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

पीएम मोदी की मॉर्फ्ड रील्स का मामला गरमाया !

हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

हैदराबाद , एजेंसी। सोशल मीडिया पर देश के प्रधानमंत्री की आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो वायरल करने वालों पर पुलिस ने अपना शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने इस बहुत ही गंभीर मामले में एक बड़ा और सख्त एक्शन लिया है। पुलिस ने आईटी एक्ट की अलग-अलग धाराओं के तहत छह इंस्टाग्राम अकाउंट के साथ ही मेटा इंडिया के हेड अरुण श्रीनिवास पर एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई उन लोगों को कड़ा संदेश है जो देश के बड़े नेताओं की छवि खराब करने के लिए सोशल मीडिया का गलत इस्तेमाल करते हैं।

यह पूरा विवाद नीट पेपर लीक आंदोलन के दौरान सोशल मीडिया पर फैलाई गई भ्रामक सामग्री और आपत्तिजनक वीडियो से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। कुछ शरारती तत्वों ने कॉकरोज जनता पार्टी के नाम से पीएम मोदी को निशाना बनाकर मॉर्फ्ड और अपमानजनक कंटेंट पोस्ट किया था।

इस मामले में पुलिस ने पहले ही दो अलग-अलग केस दर्ज किए थे लेकिन अब पहली बार मेटा इंडिया के प्रमुख को इसमें सह-आरोपी बनाया गया है। पुलिस का यह एक्शन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही तय करने की दिशा में एक बहुत ही महत्वपूर्ण और बड़ा कदम माना जा रहा है। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस अब इस पूरे मामले की बहुत ही बारीकी और गहराई से जांच करने की तैयारी कर रही है। पुलिस मुख्य रूप से इस बात की पड़ताल करेगी कि इन एआई जनरेटेड वीडियो और तस्वीरों की शुरुआत आखिर कहां से हुई थी। इसके साथ ही यह भी जांचा जाएगा कि इन भ्रामक वीडियो को सोशल मीडिया पर किस तरह से बढ़ावा दिया गया और वायरल किया गया। पुलिस मेटा से यह भी सवाल कर रही है कि क्या कंपनी के पास इन्हें रोकने का कोई तकनीकी उपाय मौजूद नहीं था। एफआईआर दर्ज होने से कुछ दिन पहले हैदराबाद पुलिस ने मेटा के प्रतिनिधियों को पूछताछ के लिए

आधिकारिक समन भी भेजा था। पुलिस ने मेटा से यह पूरी तरह स्पष्ट करने को कहा था कि उनके पास एआई वीडियो और फर्जी विज्ञापनों को रोकने की क्या तकनीक है। हालांकि पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह जांच अभी अपने शुरुआती चरण में है और कोई आखिरी फैसला नहीं लिया गया है। लेकिन कंपनी के अधिकारियों की जवाबदेही तय करने से सोशल मीडिया पर फर्जी कंटेंट पर लगाम लगने की पूरी उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इन आपत्तिजनक वीडियो को लेकर तेलंगाना में भाजपा की सोशल मीडिया कोर कमेटी ने कड़ी आपत्ति जताई थी। कमेटी में शामिल टी. साईकिरण गौड़ और एस. अरविंद रेड्डी ने पुलिस में इस पूरे मामले की आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया था कि इंस्टाग्राम और फेसबुक पर पीएम मोदी समेत अन्य नेताओं के कई मॉर्फ्ड वीडियो शेयर किए गए हैं। यह वीडियो जनता को गुमराह करते हैं और देश की संप्रभुता तथा अखंडता को भी बहुत बुरी तरह से प्रभावित करते हैं। दरअसल यह एफआईआर ऐसे वक्त में हुई है जब हाल ही में पीएम मोदी से जुड़ा एक अन्य सोशल मीडिया विवाद भी सामने आया था। छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पीएम मोदी की तरफ से शेयर किया गया एक वीडियो फेसबुक पर अस्थायी रूप से ब्लॉक कर दिया गया था। इसके बाद सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा को तलब किया, जिसके बाद मेटा ने पीएम मोदी के वीडियो को वापस फेसबुक पर लिया था।

ट्रंप प्रशासन बंद करेगा मेडिकेयर दवा सब्सिडी योजना, 2027 से लाखों बुजुर्गों का बढ़ सकता है खर्च

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने मेडिकेयर के तहत दी जाने वाली एक अस्थायी दवा सब्सिडी योजना को बंद करने का फैसला किया है। इस फैसले के बाद 2027 से लाखों बुजुर्गों को अपनी प्रिस्क्रिप्शन दवाओं के लिए हर महीने अधिक पैसे चुकाने पड़ सकते हैं। यह योजना 2024 में तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने शुरू की थी। इसका उद्देश्य 2022 के इन्फ्लेशन रिडक्शन एक्ट के बाद बढ़े दवा खर्च का असर कम करना और मेडिकेयर पार्ट-डी के तहत दवाओं का प्रीमियम सस्ता रखना था।

अमेरिका के सेंटर्स फॉर मेडिकेयर एंड मेडिकेड सर्विसेज (सीएमएस) का कहना है कि योजना बंद होने के बावजूद ज्यादातर लोगों के मासिक प्रीमियम में 10 डॉलर (करीब 850 रुपये) से कम की बढ़ोतरी होगी। कुछ लोगों का प्रीमियम पहले से भी कम हो सकता है।

सीएमएस के प्रशासक डॉ. मेहमत ओज ने कहा कि इस योजना पर 2026 में सरकार का करीब 3.6 अरब डॉलर खर्च हुआ। इसे बंद करने से करदाताओं का पैसा बचाया जा सकेगा और बीमा कंपनियों को अनावश्यक लाभ मिलने से रोका जा सकेगा। डेमोक्रेटिक पार्टी ने इस फैसले की कड़ी आलोचना की है। सीनेट में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने आरोप लगाया कि ट्रंप प्रशासन 2.5 करोड़ बुजुर्गों की दवाओं का खर्च जानबूझकर बढ़ा रहा है। उन्होंने इसे निर्दयी और गलत फैसला बताया। डेमोक्रेट नेताओं का कहना है कि यह फैसला स्वास्थ्य सेवाओं को महंगा बनाने वाली नीतियों की कड़ी का हिस्सा है। उन्होंने मेडिकेड में कटौती और अफोर्डेबल केयर एक्ट की सब्सिडी खत्म होने का भी जिक्र किया। अमेरिका में करीब 2.5 करोड़ लोग मेडिकेयर पार्ट-डी के तहत दवा बीमा योजना का लाभ लेते हैं। इस साल सब्सिडी की वजह से वे औसतन 36 डॉलर प्रति माह प्रीमियम दे रहे थे। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2026 में यह सब्सिडी औसतन 16 डॉलर प्रति माह का खर्च कम कर रही थी। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि योजना बंद होने के बाद कितने लोगों का प्रीमियम बढ़ेगा।

अमेरिका में पढ़ाई के बाद नौकरी करना होगा महंगा, ट्रंप प्रशासन के नए प्रस्ताव से भारतीयों की बढ़ेगी चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। *अमेरिका में पढ़ाई करने वाले विदेशी छात्रों के लिए आने वाले समय में नौकरी करना काफी महंगा हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन अमेरिकी विश्वविद्यालयों से पढ़ाई पूरी करने के बाद काम करने की अनुमति देने वाले ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) कार्यक्रम पर 1 लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 87 लाख रुपये) की फीस लगाने पर विचार कर रहा है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, यह प्रस्ताव अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) के स्तर पर विचाराधीन है। हालांकि विभाग ने साफ किया है कि अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। विभाग का कहना है कि जब तक किसी नीति की आधिकारिक घोषणा नहीं होती, तब तक उसे अंतिम नहीं माना जाना चाहिए। ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग कार्यक्रम विदेशी छात्रों को अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद अमेरिका में एक से तीन साल तक अपने विषय से जुड़े क्षेत्र में काम करने की अनुमति देता है।*

10 अब भी फंसे

पाकिस्तान की कोयला खदान में बड़ा हादसा, धमाके में 32 मजदूरों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा के बाहरी इलाके में स्थित एक कोयला खदान में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम 32 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य मजदूर अब भी जमीन के नीचे फंसे हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक उनकी स्थिति बेहद गंभीर मानी जा रही है और राहत-बचाव अभियान लगातार जारी है।

सरकारी खदान निरीक्षक गनी बलोच के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विस्फोट मीथेन गैस के अत्यधिक जमा होने के कारण हुआ। हादसे के कुछ घंटों बाद पहले सात मजदूरों के शव निकाले गए, जबकि बाद में चार और शव बरामद किए गए। गनी बलोच ने बताया कि राहत अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक सभी फंसे मजदूरों का पता नहीं चल जाता। हालांकि उन्होंने आशंका जताई कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।

उन्होंने कहा कि मीथेन गैस विस्फोट के बाद ऑक्सीजन का स्तर लगभग शून्य हो जाता है,

जिससे किसी के जीवित मिलने की संभावना लगातार कम होती जाती है। इसी वजह से बचाव दल भी बेहद सावधानी के साथ अंदर आगे बढ़ रहे हैं। बलूचिस्तान के खान एवं खनिज मंत्री शोएब नोशेरवानी ने कहा कि राहत दल बेहद कठिन परिस्थितियों में काम कर रहे हैं और प्रांतीय सरकार बचाव कार्य में हरसंभव मदद कर रही है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घोषणा की कि प्रत्येक मृतक मजदूर के परिवार को पांच लाख पाकिस्तानी रुपये मुआवजे के तौर पर दिए जाएंगे। नोशेरवानी ने कहा कि विस्फोट के कारणों की विस्तृत जांच कराई जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए खदानों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा भी की जाएगी। कोयला खदान मजदूर यूनियन ने आशंका जताई है कि यह हादसा लापरवाही का परिणाम हो सकता है। पाकिस्तान सेंट्रल माइंस लेबर फेडरेशन ने सरकार से मांग की है कि खदान सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए।

अमेरिका के 30+ वॉटर सिस्टम निशाने पर, मिस्र पर पहली चोट; ईरान ने दो गैस जहाज तबाह किए

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच जारी युद्ध का दायरा अब मिस्र तक पहुंच गया है। मिस्र सरकार ने बृहस्पतिवार को पुष्टि की कि दमियाता बंदरगाह पर बुधवार को प्राकृतिक गैस से जुड़े दो जहाजों में लगी आग किसी तकनीकी खराबी का नतीजा नहीं, बल्कि ड्रोन हमला इसकी वजह थी। इस घटना के बाद आशंका जताई जा रही है कि पश्चिम एशिया का यह संघर्ष अब समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के प्रमुख मार्गों तक फैल गया है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि पश्चिम एशिया में शांति कब बहाल होगी।

ईरान की रणनीति में क्या बदलाव आया है? जर्मनी के इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल एंड सिक्योरिटी अफेयर्स के शोधकर्ता हमीद रजा अजीजी के मुताबिक, ईरान अब संभावित खतरा महसूस होने पर पहले हमला करने की नीति अपना रहा है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की व्हाइट हाउस में मुलाकात के तुरंत बाद ईरान का हमला इसी रणनीति का संकेत माना जा रहा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य सबसे बड़ा मुद्दा क्यों बन गया है? ईरान का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य उसकी

राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक ताकत का अहम हिस्सा है। उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि यदि इस जलमार्ग पर ईरान के प्रभाव को कमजोर करने या ओमान और अमेरिका की मदद से वैकल्पिक समुद्री मार्ग विकसित करने की कोशिश हुई तो तेहरान फिर कार्रवाई करेगा। संघर्ष अब केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं है। अमेरिका और सऊदी अरब ने इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया पर हमला किया है। जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर हमले हुए, जबकि सऊदी अरब को इराक समर्थित समूहों और यमन के हूती विद्रोहियों से भी खतरा बना हुआ है। इससे पूरे पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ गया है।

फरवरी 2026 में ईरान पर हवाई हमलों की शुरुआत के समय राष्ट्रपति ट्रंप बड़े गर्व के साथ दावा किया था कि यह जंग चार-छह हफ्तों में खत्म हो जाएगी। लेकिन अब पश्चिम एशिया के अपेक्षाकृत शांत देश मिस्र के गैस टैंकर पर हमले के बाद एक बात साफ है कि यह जंग फिलहाल थमने वाली नहीं है, और इसका दायरा भी बढ़ता जा रहा है। यह बड़बोले ट्रंप के लिए गले की फांस बनती जा रही है।

अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने जॉर्डन में अपने सैन्य अड्डे पर हुए ईरानी मिसाइल हमले के जवाब में ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड के दर्जनों ठिकानों पर बड़ी कार्रवाई की है। इन हमलों में सैन्य कमांड सेंटर, मिसाइल और ड्रोन ठिकानों के साथ तटीय निगरानी और रक्षा केंद्रों को भी निशाना बनाया गया। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास स्थित किश्म द्वीप पर अमेरिकी हमले में एक दंपती और उनके 2 साल के बच्चे की मौत हो गई। ईरान और अमेरिका के बीच जारी युद्ध का दायरा अब मिस्र तक पहुंच गया है। मिस्र सरकार ने बृहस्पतिवार को पुष्टि की कि दमियाता बंदरगाह पर बुधवार को प्राकृतिक गैस से जुड़े दो जहाजों में लगी आग किसी तकनीकी खराबी का नतीजा नहीं, बल्कि ड्रोन हमला इसकी वजह थी। इस घटना के बाद आशंका जताई जा रही है कि पश्चिम एशिया का यह संघर्ष अब समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के प्रमुख मार्गों तक फैल गया है। वहीं, कुवैत में ईरानी हमले में चीन की एक कंपनी की इमारत को निशाना बनाया गया। हमले में इमारत को भारी नुकसान पहुंचा और एक कर्मचारी की मौत हो गई। रिपोर्टों के मुताबिक ड्रोन ने अमेरिकी कंपनी के प्राकृतिक गैस भंडारण जहाज एनरगोस विंटर को निशाना बनाया। इसके बाद आग पास में खड़े ग्रीस के गैस टैंकर गैसलॉग सलेम तक फैल गई। दमकल कर्मियों ने कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,